दैनिक देवव्रत
www.dainikdevvrat.in
आजमगढ़, उ.प्र.
वर्ष 36, अंक 248
पृष्ठ 08, मूल्य 3.00
06 जून 2026, शनिवार
लखनऊ, नई दिल्ली, कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, सोनभद्र (राबर्ट्सगंज, अनपरा, शक्तिनगर), सिंगरौली, मिर्जापुर, अयोध्या, गोरखपुर, जौनपुर, गाजीपुर, बलिया, मऊ, अम्बेडकरनगर एवं आजमगढ़ से प्रसारित
E-mail : dainikdevvrat@gmail.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

डीएम के उपेक्षात्मक रवैये और लगातार दूसरी बार दिशा बैठक में न आने पर भड़के जनप्रतिनिधि, किया बैठक का बहिष्कार

अफसरशाही लोकतंत्र से ऊपर हो गई है-सांसद धर्मेंद्र

आजमगढ़, 05 जून (देवव्रत संवाद/ज्ञानेन्द्र चतुर्वेदी)। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में लगातार दूसरी बार जिलाधिकारी की गैरमौजूदगी ने बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया। सांसद धर्मेंद्र यादव सहित तमाम जनप्रतिनिधियों ने इसे लोकतंत्र का अपमान बताते हुए बैठक का बहिष्कार कर दिया। सांसद ने दो टूक कहा कि जब जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों की ही उपेक्षा होगी तो लोकतांत्रिक व्यवस्था का क्या अर्थ रह जाएगा? बैठक की अध्यक्षता कर रहे सांसद धर्मेंद्र यादव ने जिलाधिकारी की अनुपस्थिति पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह कोई सामान्य प्रशासनिक चूक नहीं बल्कि निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के प्रति घोर उपेक्षापूर्ण रवैये का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष भी दिशा समिति की बैठक में जिलाधिकारी अनुपस्थित रहे थे और इस बार भी वही स्थिति दोहराई गई। इससे साफ है कि यह महज संयोग नहीं बल्कि एक सोच–समझी कार्यशैली का हिस्सा है।

सांसद ने आरोप लगाया कि प्रदेश में अफसरशाही बेलगाम हो चुकी है और जनता के प्रति जवाबदेह होने के बजाय सत्ता को खुश करने में जुटी हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में अधिकारियों को यह संदेश दिया जा रहा है कि विपक्षी दलों के जनप्रतिनिधियों को महत्व देने की जरूरत नहीं है। यही कारण है कि सांसद की अध्यक्षता वाली वैधानिक बैठक तक को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा। धर्मेंद्र यादव ने कहा कि दिशा समिति केंद्र और राज्य सरकार की विकास योजनाओं की समीक्षा का सबसे महत्वपूर्ण मंच है। यहां जिले के विकास, सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा और जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होती है। लेकिन जब जिले का सर्वोच्च प्रशासनिक अधिकारी ही बैठक से नदारद रहे तो यह स्पष्ट संकेत है कि जनता के मुद्दे सरकार और प्रशासन की प्राथमिकता में नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि यह केवल सांसद, विधायक या अन्य जनप्रतिनिधियों का अपमान नहीं है, बल्कि उन लाखों मतदाताओं का भी अपमान है जिन्होंने लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेकर अपने प्रतिनिधियों को चुना है। जनता के अधिकारों और समस्याओं की आवाज उठाने वाले मंच को कमजोर करना लोकतांत्रिक मूल्यों पर सीधा हमला है।

सांसद ने सवाल उठाया कि आखिर किसके संरक्षण में अधिकारी लगातार ऐसी बैठकों से दूरी बना रहे हैं? यदि जनप्रतिनिधियों के प्रति यही रवैया रहा तो प्रशासनिक जवाबदेही पूरी तरह समाप्त हो जाएगी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता सर्वोच्च होती है, लेकिन भाजपा राज में ऐसा माहौल बनाया जा रहा है मानो अफसरशाही जनता के प्रतिनिधियों से भी ऊपर हो गई हो। धर्मेंद्र यादव ने शासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग करते हुए कहा कि इस गंभीर मामले की जांच होनी चाहिए और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जनप्रतिनिधियों का अपमान और जनता के मुद्दों की अनदेखी जारी रही तो समाजवादी पार्टी सड़क से सदन तक संघर्ष तेज करेगी।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में चुने हुए प्रतिनिधियों की उपेक्षा और अफसरशाही की मनमानी किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जाएगी। जनता सब देख रही है और समय आने पर इसका जवाब भी देगी।

डोनाल्ड ट्रंप की धमकी दरकिनार

ओमान-ईरान के साथ मिलकर होर्मुज में बनाएगा टोल बूथ

मस्कट, 05 जून (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। ओमान ने ईरान के साथ संबंध तोड़ने के अमेरिका के दबाव को खारिज कर दिया है। ओमान पारंपरिक रूप से अमेरिका का सहयोगी रहा है और होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) की देखरेख में हिस्सेदार है। ओमान ने पर्दे के पीछे से ईरान–अमेरिका में मध्यस्थ की भूमिका भी निभाई है। ओमान की ईरान से होर्मुज स्ट्रेट में टोल बूथ बनाने की चर्चा ने अमेरिका को नाराज किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हालिया दिनों में ओमान के खिलाफ सख्त बयानबाजी की है और ओमान पर ईरान से दूरी बनाने का दवाब बनाया है। ओमान ने अमेरिकी दबाव को नहीं माना है। अमेरिका खिलाफ सख्त रुख से इसकी संभावना बढ़ी है कि वह ईरान के साथ मिलकर होर्मुज में टोल वसूली पर आगे बढ़ सकता है। अमेरिकी दबाव पर ओमान का कहना है कि वह ईरान के साथ वह होर्मुज जलडमरूमध्य के लिए भविष्य की प्रबंधन प्रणाली पर बातचीत कर रहा है, जो अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप होगी। इसका मकसद संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (IMO) से सलाह–मशविरा करने के बाद किसी व्यवस्था को लागू करना होगा।

डोनाल्ड ट्रंप ने बीते हफ्ते ओमान को बमबारी की धमकी देकर चर्चा में ला दिया। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने ओमान के बारे में अमेरिका के संदेह की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि दुनिया में शायद ओमान (जिसने इसके साथ करीबी संबंध बनाने की कोशिश की) के अलावा कोई भी देश ऐसा नहीं है, जिसने जलडमरूमध्य में ईरान की गतिविधियों का समर्थन किया है। ईरान ने अपनी योजना को अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप और

ओमान के लिए स्वीकार्य बनाने के प्रयास में होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों के लिए बिना किसी भेदभाव वाली फीस का प्रस्ताव दिया है। ईरान के पर्यावरण विभाग के अधिकारी अरमान खोरसंड ने कहा है कि होर्मुज से टोल का मकसद संसाधन जुटाना है, जिनकी जरूरत हालिया नुकसान से निपटने के लिए है। ईरानी सरकार को होर्मुज जलडमरूमध्य से सीधे कमाई करने के मामले में बहुत सावधानी बरतने की जरूरत है। इससे ईरान के खिलाफ गठबंधन बन सकते हैं, जबकि इसे शांति का क्षेत्र बनाने से समृद्धि आएगी। अरमान ने कहा है कि इस इलाके में अमेरिकी सैन्य अभियानों से ना सिर्फ सुरक्षा और मानवीय संकट पैदा हुए हैं बल्कि पर्यावरण को भी भारी नुकसान पहुंचा है। अंतरराष्ट्रीय कानून के आम तौर पर माने जाने वाले सिद्धांतों के तहत नुकसान पहुंचाने वालों को ही सुधार या भरपाई का खर्च उठाना चाहिए। ईरान की संसद के डिप्टी स्पीकर अली निकजाद का कहना है कि तीन अलग–अलग कानूनों के मसौदों को मिलाकर एक ठोस नियम बनाने की कोशिशें चल रही हैं। इससे तय होगा कि जलडमरूमध्य में सरकारी समुद्री व्यवस्था कैसे काम करेगी, और क्या यह व्यवस्था अस्थायी होगी। दूसरी ओर प्ड के सेक्रेटरी जनरल ने जलडमरूमध्य पर टोल का विरोध किया है।

ओमान के कई राजनेताओं ने होर्मुज स्ट्रेट में खास सेवाओं के लिए शुल्क लेने के विचार का समर्थन किया है। ओमान की शूरा काउंसिल के सदस्य मोहम्मद सुलेमान तमीम अल–हिनाई ने कहा कि ओमान ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून के तहत होर्मुज जलडमरूमध्य में नेविगेशन की आजादी के सिद्धांत का हमेशा पालन किया है। ओमान के परिवहन मंत्री ने पहले शूरा काउंसिल में कहा था कि ओमान अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून का सम्मान करता है और नेविगेशन की आजादी का समर्थन करता है। इसलिए ओमान जलडमरूमध्य से गुजरने के लिए कोई फीस नहीं लेता बल्कि सुरक्षा और नेविगेशन में मदद जैसी दूसरी समुद्री सेवा देता है।

न्यायिक फैसलों में एआई के इस्तेमाल पर पूर्ण प्रतिबंध

नई दिल्ली, 05 जून (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। सुप्रीम कोर्ट की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) समिति द्वारा प्रस्तावित मसौदा नियमों में एआई के जरिए न्यायिक फैसले लेने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव लाया गया है। इसके अलावा, मुकदमे के पक्षकारों और गवाहों की प्रोफाइलिंग करने वाले एआई उपकरणों के इस्तेमाल पर भी रोक लगाने की सिफारिश की गई है. अदालत की प्रक्रियाओं में ऐसे एआई सिस्टम के उपयोग पर भी प्रतिबंध प्रस्तावित है, जिनकी कार्यप्रणाली का खुलासा न किया गया हो या जिन्हें समझाया न जा सके।

इस समिति की अध्यक्षता जस्टिस पीएस नरसिम्हा कर रहे हैं। समिति में जस्टिस संजीव सचदेवा, जस्टिस राजा विजयराघवन वी., जस्टिस अनूप चितकारा और जस्टिस सूरज गोविंदराज सदस्य हैं। समिति ने मसौदा सिफारिशों पर सभी हितधारकों और आम जनता से 20 जून तक सुझाव और टिप्पणियां मांगी हैं। सुझाव 20 जून तक दिए जा सकते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार (3 जून) को अदालतों में एआई के उपयोग संबंधी विनियम, 2026 का प्रारंभिक मसौदा सार्वजनिक किया. समिति ने इस मसौदे में कहा है कि अदालतों की कार्यवाही में एआई का उपयोग हमेशा 'मानवीय निर्णय और न्यायिक अधिकार के अधीन' रहेगा।

प्रारंभिक मसौदे के अनुसार, एआई सिस्टम केवल सहायक भूमिका में काम करेंगे और 'विधिवत नियुक्त न्यायिक अधिकारी द्वारा न्यायिक अधिकार के स्वतंत्र प्रयोग का स्थान नहीं ले सकते और न ही उसे प्रभावित कर सकते हैं।' मसौदे में यह भी कहा गया है कि 'कानून, तथ्य और न्याय से जुड़े मामलों पर अंतिम निर्णय लेने का अधिकार केवल संबंधित न्यायिक अधिकारियों के पास ही होगा।'

मसौदे में कहा गया है, 'ऐसे किसी भी एआई सिस्टम को लागू नहीं किया जाएगा जो नस्ल, धर्म, जाति, लिंग, जेंडर, किसी तरह की शारीरिक अक्षमता, भाषा, आर्थिक स्थिति या संविधान अथवा किसी प्रचलित कानून द्वारा निषिद्ध किसी अन्य आधार पर पक्षपात को बढ़ावा दे, उसे और मजबूत करे या नए पक्षपात को जन्म दे. साथ ही महिलाओं, बच्चों, शारीरिक अक्षम व्यक्तियों, हाशिये और अल्पसंख्यक समुदायों तथा आर्थिक और सामाजिक रूप से वंचित पृष्ठभूमि के लोगों के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए विशेष सावधानी बरती जाएगी। हालांकि मसौदे में एआई के कुछ सीमित उपयोगों की अनुमति भी दी गई है. इसके तहत केस मैनेजमेंट, कॉज लिस्ट तैयार करने, सुनवाई की तारीख तय करने, अदालत की कार्यवाही का ट्रांसक्रिप्शन, फैसलों के अनुवाद, कानूनी शोध, प्रशासनिक कार्यों जैसे मुकदमा दायर करने में सहायता, दस्तावेजों की प्रारंभिक जांच, रिकॉर्ड प्रबंधन और न्यायिक संसाधनों के आवंटन में एआई का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके अलावा, अदालत की सेवाओं तक पहुंचने तथा अन्य आवश्यकताओं को समझने में मदद के लिए संवादात्मक एआई सहायक और चौटबॉट्स के उपयोग की भी अनुमति होगी। शारीरिक अक्षम व्यक्तियों या भाषा संबंधी बाधाओं का सामना कर रहे लोगों के लिए सुलभ सेवाओं तथा अदालत के रिकॉर्ड को एनोनिमाइज करने में भी एआई का इस्तेमाल किया जा सकेगा।

इस वर्ष फरवरी में भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की एक पीठ ने वकीलों द्वारा एआई की मदद से तैयार की गई याचिकाएं दाखिल किए जाने पर चिंता जताई थी। पीठ ने कहा था कि ऐसी कुछ याचिकाओं में जिन मामलों का हवाला दिया गया था, वे वास्तविक नहीं थे. सीजेआई ने कहा था, 'यह देखकर हम चिंतित हैं कि कुछ वकीलों ने अब याचिकाओं का मसौदा तैयार करने के लिए एआई का इस्तेमाल शुरू कर दिया है. यह अनुचित है।'

पेपर लीक से भाजपा सरकार ने नौजवानों का भरोसा तोड़ा-अखिलेश

❑ महंगाई और किसानों की बदहाली से पूरा प्रदेश त्रस्त

लखनऊ, 05 जून (देवव्रत संवाद/संजय दीक्षित)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार की नीतियों ने नौजवानों, किसानों और आम जनता को गहरे संकट में धकेल दिया है। पेपर लीक, बेरोजगारी, महंगाई और किसानों की बदहाली ने प्रदेश की जनता का जीवन मुश्किल बना दिया है। जनता अब बदलाव चाहती है और 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से बाहर करने का मन बना चुकी है।

अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश के लाखों नौजवान अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं। भर्ती परीक्षाओं के पेपर लगातार लीक हो रहे हैं, जिससे मेहनत करने वाले युवाओं का विश्वास टूट रहा है। कई परीक्षाओं के परिणाम समय पर घोषित नहीं हो रहे हैं और जहां परिणाम आए भी हैं, वहां अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। भाजपा सरकार युवाओं को रोजगार देने के बजाय उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है।

उन्होंने कहा कि दूसरी ओर किसान भी भारी संकट से गुजर रहा है। भाजपा सरकार किसानों की आय दोगुनी करने का वादा पूरा करने में पूरी तरह विफल रही है। किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य नहीं मिल रहा है। खाद, बीज और उर्वरकों के लिए किसान भटकने को मजबूर हैं। डीएपी और एनपीके जैसे उर्वरक खुले बाजार में कालाबाजारी के

जरिए उपलब्ध हो रहे हैं, जबकि सरकार मूकदर्शक बनी हुई है। खेती की लागत लगातार बढ़ रही है लेकिन किसानों की आमदनी नहीं बढ़ी। सपा अध्यक्ष ने कहा कि महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। रसोई का खर्च लगातार बढ़ रहा है, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजमर्रा की जरूरतों का खर्च आम परिवारों की पहुंच से बाहर होता जा रहा है। जनता को राहत देने के बजाय भाजपा सरकार केवल प्रचार और दावों में व्यस्त है।

उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में भ्रष्टाचार और प्रशासनिक अराजकता चरम पर है। थाना, तहसील और कलेक्ट्रेट में आम नागरिक की सुनवाई नहीं हो रही है। भीषण गर्मी के बीच बिजली संकट ने जनता की परेशानियां और बढ़ा दी हैं। सरकार के पास न तो युवाओं के लिए रोजगार की योजना है, न किसानों के लिए राहत और न ही महंगाई पर नियंत्रण का कोई प्रभावी उपाय।

अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश विकास की राह पर आगे बढ़ने के बजाय पीछे जा रहा है। शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति लगातार बिगड़ रही है तथा निवेश का माहौल भी कमजोर पड़ा है। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश की जनता भाजपा सरकार की विफलताओं को समझ चुकी है और आने वाले चुनावों में इसका जवाब देगी। उन्होंने कहा कि नौजवानों का टूटा विश्वास, किसानों की बदहाली और महंगाई से त्रस्त जनता ही भाजपा सरकार की सबसे बड़ी असफलता का प्रमाण है। यही मुद्दे आने वाले समय में प्रदेश की राजनीति की दिशा तय करेंगे।

रिपोर्ट में दावा : पांच साल पहले की तुलना में अब फ्रेशर्स के लिए पहली नौकरी पाना हुआ अधिक मुश्किल

नई दिल्ली, 05 जून (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। फ्रेशर्स यानी नौकरी की शुरुआत करने की चाह रखने वाले लोगों को मौजूदा समय काम ढूंढने में खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।नौकरी तलाश करने में मदद करने के उद्देश्य से बने ऑनलाइन जॉब सर्च पोर्टल 'इनडीड' (प्दकममक) की 'फ्रेशर हायरिंग रिपोर्ट' का हवाला देते हुए फाइनेंशियल एक्सप्रेस ने बताया है कि पांच साल पहले की तुलना में अब फ्रेशर्स के लिए काम की दुनिया में कदम रखना मुश्किल हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, नौकरी चाहने वाले हर 10 में से 7 युवा को अपनी पहली नौकरी पाने में कठिनाई हो रही है. वहीं, 3–5 साल पहले की तुलना में अभी फ्रेशर्स के लिए इंटर्नशिप के मौके कम हैं।

सर्वे में शामिल 72: लोगों का कहना है कि एंट्री–लेवल नौकरियों के लिए भी पहले के अनुभव की मांग की जाती है, और 61: लोगों को आवेदन करने के बाद शायद ही कोई जवाब मिलता है। इस अध्ययन का एक अहम नतीजा यह है कि सीखने और लंबे समय के करिअर लक्ष्यों पर ध्यान देने की इच्छा के बावजूद नौकरी चाहने वाले युवाओं को अपने लक्ष्यों और

आदर्शों के मुताबिक भूमिकाओं के बजाय अपनी ज़रूरतों को प्राथमिकता देनी पड़ती है। सर्वे में शामिल लोगों में से सिर्फ़ 14: ने कहा कि उन्हें उम्मीद थी कि उनकी पहली नौकरी उनकी पसंद की भूमिका, कंपनी और लोकेशन के हिसाब से होगी। अख़बार के अनुसार, सर्वे में शामिल लोगों में से एक बड़े हिस्से (43:) ने कहा कि उनके करिअर से जुड़े फैसलों पर आर्थिक दबाव और अवसर की कमी का असर पड़ रहा है. यह स्टडी इस बात पर ज़ोर देती है कि मौजूदा समय में ऐसे मौकों की कमी है जिनसे उम्मीदवार जॉब मार्केट में आने से पहले अनुभव हासिल कर सकें।

सर्वे में शामिल लोगों में से सिर्फ़ 20: ने कहा कि उन्हें अपनी पढ़ाई के दौरान पेड इंटर्नशिप का मौका मिला, जबकि 18: ने कहा कि उन्हें इंटर्नशिप, प्रोजेक्ट, प्लेसमेंट या फ्रीलांस काम का कोई मौका नहीं मिला. वहीं, लगभग आधे लोगों (49:) ने कहा कि उनकी सबसे बड़ी चुनौती अपनी पहचान बनाना थी, जबकि 61: ने कहा कि नौकरी के लिए अप्लाई करने के बाद उन्हें शायद ही कभी या कभी भी कोई जवाब मिलता है। इस स्टडी में एक चिंताजनक बात यह सामने आई है कि लगभग 64: लोगों ने कहा कि बार–बार अप्लाई करने और रिजेक्ट होने से उनके आत्मविश्वास या मनोबल पर बुरा असर पड़ा है, जबकि सिर्फ़ 20: लोगों ने कहा कि उन्हें लगता है कि वे अपने चुने हुए करिअर के रास्ते पर सही चल रहे हैं.

इनडीड में टैलेंट स्ट्रैटेजी एडवाइजर रोहन सिल्वेस्टर ने अखबार को बताया कि यह एक लंबा और अनिश्चित दौर बनता जा रहा है जिसमें लगातार नौकरी के लिए आवेदन करना, देर से जवाब मिलना और समझौता करने का बढ़ता दबाव शामिल है. वे आगे बताते हैं कि जो नियोक्ता (एम्प्लॉयर) शुरुआत के लिए रास्ते बनाते हैं, काबिलियत में निवेश करते हैं और युवा उम्मीदवार को नौकरी के दौरान सीखने के मौके देते हैं, वे लंबे समय में बेहतर टैलेंट तैयार करने की बेहतर स्थिति में होंगे।

राज्य कर विभाग में बड़े फेरबदल की तैयारी

लखनऊ, 05 जून (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। प्रदेश के राज्य कर विभाग में बड़े पैमाने पर प्रशासनिक फेरबदल की तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है। विभागीय सूत्रों के मुताबिक अपर आयुक्त स्तर से लेकर राज्य कर अधिकारी (एसटीओ) स्तर तक 400 से अधिक अधिकारियों के तबादले किए जाने की तैयारी है। जल्द इसकी सूची जारी हो सकती है। विश्वसनीय विभागीय सूत्रों के अनुसार, यह तबादला प्रक्रिया केवल नियमित प्रशासनिक बदलाव तक सीमित नहीं होगी, बल्कि कर अपवंचना रोकने और राजस्व संग्रह व्यवस्था को और मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा भी मानी जा रही है।

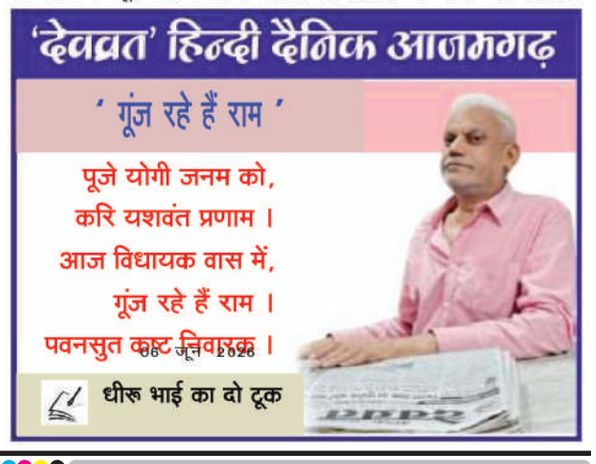

एकमात्र टेस्ट में अफगानिस्तान के खिलाफ दम दिखाने उतरेगा भारत

मुल्लांपुर, 05 जून (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। भारत और अफगानिस्तान के बीच शनिवार से एकमात्र टेस्ट खेला जाएगा। भारत का पिछले कुछ समय में घरेलू टेस्ट मैचों में निराशाजनक प्रदर्शन रहा है, लेकिन उसकी टीम अब भी बेहद मजबूत है और वह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के महत्वपूर्ण मैचों से पहले अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट क्रिकेट मैच में उचित संयोजन तैयार करने की कोशिश करेगा। इन दोनों टीम के बीच इससे पहले 2018 में टेस्ट मैच खेला गया था जिसमें अफगानिस्तान ने लंच और चाय के सत्र के बीच 10 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद तीसरे सत्र में उसकी दूसरी पारी भी सिमट गई थी और उसे करारी हार का सामना करना पड़ा था। अब 2026 में हशमतुल्लाह शाहिदी की अगुआई वाली अफगानिस्तान की टीम भारतीय टीम को कड़ी चुनौती देने की कोशिश करेगी, जो बदलाव के दौर से गुजर रही है और अभी तक उचित संयोजन तैयार करने के लिए संघर्ष कर रही है। इसके बावजूद भारत का पलड़ा काफी भारी नजर आ रहा है।

2018 की टीम से केवल केएल राहुल ही वर्तमान भारतीय टेस्ट टीम का हिस्सा हैं, जबकि अफगानिस्तान के कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी और बल्लेबाज रहमत शाह भी उस मैच में खेले थे। अफगानिस्तान की पूरी बल्लेबाजी लाइन-अप के पास कुल मिलाकर नौ टेस्ट शतक हैं, जबकि भारतीय टेस्ट टीम में शामिल बल्लेबाजों ने 39 शतक बनाए हैं। भारत और अफगानिस्तान के बीच कोई तुलना नहीं है और ऐसे में मेहमान टीम के पास भारत जैसी मजबूत टीम के खिलाफ प्रदर्शन करने का अच्छा अवसर होगा। भारत और अफगानिस्तान के बीच एकमात्र टेस्ट मैच भारतीय समयानुसार सुबह 9.30 बजे से शुरू होगा। टॉस इससे आधे घंटे पहले यानी सुबह 9.00 बजे होगा। भारत और अफगानिस्तान के बीच टेस्ट मैच का प्रसारण अधिकार स्टार स्पोर्ट्स के पास है और दर्शक इसके मुकाबले स्टार स्पोर्ट्स के चैनलों पर देख सकेंगे।

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी
(न्यायिक) लालगंज, आजमगढ़
धारा 207 उप्रासं 2006 मौजा फिरोजपुर
बालेन्द्र बहादुर बनाम रामआधार आदि
बनाम–रामआधार पुत्र देवनाथ 2. अंश प्रताप नाबालिग संरक्षक पिता योगेन्द्र पुत्र रामआधार 3. रूद्र प्रताप नाबालिग संरक्षक पिता योगेन्द्र पुत्र रामआधार साकिनान आराजी बगही तहसील लालगंज जनपद आजमगढ़।
—प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 19 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 03 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी
(न्यायिक) सगड़ी, आजमगढ़
धारा 116 उप्रासं 2006 मौजा जोलहापुर
रामजीत बनाम श्रीमती इन्द्रावती आदि
बनाम–रजनीकान्त 2. रजनीश पुत्रगण स्व. रामजीत साकिनान जोलहापुर परगना व तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 23 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 05 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी बूढ़नपुर, आजमगढ़
धारा 116 उप्रासं 2006 मौजा मंगितपुर
सुमन पत्नी रमेश 2. सोनल उर्फ रत्नेश पुत्र रमेश साकिनान मंगितपुर परगना अतरौलिया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़। —वादीगण
बनाम
प्रेमशीला पत्नी राकेश 2. राकेश पुत्र रामआसरे 3. रामदुलार पुत्र शिवभीख 4. योगेन्द्रनाथ 5. रवीन्द्रनाथ पुत्रगण सन्ताराम साकिनान मंगितपुर परगना अतरौलिया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़ 6. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत मंगितपुर/पखुआडीह मु. अचलीपुर परगना अतरौलिया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़।
—प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 09 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी सगड़ी, आजमगढ़
धारा 116 उप्रासं 2006 मौजा भुलऊर
श्रीमती दुजा देवी बनाम विजय आदि
बनाम–विजय पुत्र हरिपूजन 2. प्रशान्त पुत्र विजयपति 3. बृजेश व लछिराम व अवधेश व सर्वेश पुत्रगण खेलाड़ी 4. रमेश व सुवाष पुत्रगण बलिकरन व अमलेश व अखिलेश पुत्रगण जीमदार 5. मुखराम व प्रमोद पुत्रगण पल्टू 6. युनुस पुत्र सिरातल साकिनान भुलऊर परगना व तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़ 7. उ.प्र. सरकार बजरिये जिलाधिकारी महोदय आजमगढ़।
—प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 09 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 12 माह 05 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व में मेरा नाम शेख महफूज अली था जिसे बदलकर मैंने महफूज अहमद कर लिया है। भविष्य में मुझे **महफूज अहमद** नाम से जाना, पहचाना जाए। महफूज अहमद पुत्र अब्दुल अली निवासी ग्राम व पोस्ट तौवा जनपद आजमगढ़।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पासपोर्ट संख्या M2003410 में मेरा नाम NEBULAL YADAV S/O VISHVNATH YADAV दर्ज है, जबकि मेरे आधारकार्ड पर मेरा नाम NEBBU YADAV S/O VISHVANATH दर्ज है। भविष्य में मुझे मेरे आधारकार्ड वाले नाम से जाना पहचाना जाये। ग्राम रसूलपुर ब्योहरा पोस्ट गूजरपार तहसील सदर जनपद आजमगढ़।

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी बूढ़नपुर, आजमगढ़
धारा 116 उप्रासं 2006 मौजा सेखौना
कैलाश पुत्र कुमार साकिन सेखौना परगना अतरौलिया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़।
—वादी
बनाम
उमाशंकर पुत्र केदारनाथ 2. विमला पत्नी रामकवल साकिनान सेखौना परगना अतरौलिया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़ 3. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत सेखौना परगना अतरौलिया जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 15 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी बूढ़नपुर, आजमगढ़
धारा 116 उप्रासं 2006 मौजा शाहपुर चगौना
महेन्द्र 2. रामआसरे 3. लालमन 4. सुरेश पुत्रगण संभल 5. बसंती पत्नी संभल साकिनान विशुनपुरा परगना सुरहुरपुर तहसील जलालपुर जनपद अम्बेडकरनगर। —वादीगण
बनाम
मृत्युंजय पुत्र नखई 2. संतराजी देवी पत्नी नखई 3. मुखई पुत्र जगन्धू साकिनान विशुनपुरा परगना सुरहुरपुर तहसील जलालपुर जनपद अम्बेडकर नगर 4. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत शाहपुर चगौना परगना अतरौलिया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़।
—प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 10 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी बूढ़नपुर, आजमगढ़
न.मु. टी 2026/2397 सन् 2025
धारा 21/24 उप्रासं 2006 मौजा कौड़िया
योगेन्द्र पुत्र रामकेर साकिन व परगना कौड़िया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़। —वादी
बनाम
गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत कौड़िया परगना कौड़िया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़ 2. रामपरीत 3. वंशराज पुत्रगण हरखू साकिनान व परगना कौड़िया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 10 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी सगड़ी, आजमगढ़
धारा 116 उप्रासं 2006
सोनी वर्मा आदि बनाम राजेन्द्र आदि
बनाम– राजेन्द्र, सुरेन्द्र पुत्रगण मुनेसर साकिन शेखूपुर परगना व तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़, गांवसभा बजरिये प्रधान/अध्यक्ष भूमि प्रबन्धक समिति ग्राम पंचायत जैगहा परगना व तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़।
—प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 16 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 02 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी सगड़ी, आजमगढ़
धारा 116 उप्रासं 2006
मो. आरिफ बनाम अतहर
बनाम– अतहर पुत्र मुहम्मद साबिर साकिन जमीन रसूलपुर तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़ 2. शगुफ्ता परवीन पत्नी अतहर कमाल साकिन भदुली परगना निजामाबाद तहसील सदर जनपद आजमगढ़ 3. नगर पालिका परिषद बजरिये अध्यक्ष नगर पालिका परिषद बिलरियागंज तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़।
—प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 16 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 02 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी सगड़ी, आजमगढ़
धारा 116 उप्रासं 2006
रामबली बनाम रामविजय आदि
बनाम– रामविजय पुत्र सतिराम, अरविन्द, रामनयन, शेषनाथ व महेन्द्र व श्रवण पुत्रगण बलिकरन साकिन बोझिया परगना व तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़, दुईज पुत्र मुनेसर साकिन बटसरा परगना व तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़, गांवसभा बजरिये प्रधान/अध्यक्ष भूमि प्रबन्धक समिति ग्राम पंचायत बोझिया परगना व तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि रामबली ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 16 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 02 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी निजामाबाद, आजमगढ़
धारा 116 उप्रासं 2006 बावत गाटा सं. 66 स्थित मौजा अमौड़ा मोहिउद्दीनपुर
मुख्तार अहमद बनाम सरकार आदि
बनाम– भारत सरकार सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय बजरिये जिलाधिकारी महोदय आजमगढ़ 2. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत अमौड़ा मोहिउद्दीनपुर परगना व तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 15 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 01 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी
(न्यायिक) लालगंज, आजमगढ़
राजेश चौबे बनाम जयराम आदि
बनाम–जयराम 2. राजाराम 3. सियाराम 4. सीताराम पुत्रगण रमाशंकर 5. विष्णु पुत्र रामनरायन 6. सोना पत्नी रामनरायन साकिनान गौरा परगना सरेमू तहसील सदर जनपद जौनपुर 7. शशिकान्त यादव ग्राम प्रधान रवनियां जरिये ग्राम पंचायत रवनियां परगना देवगांव तहसील लालगंज जनपद आजमगढ़।
—प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 15 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 01 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी निजामाबाद, आजमगढ़
धारा 134 उप्रासं 2006 मौजा बसहीबन्देदासपुर
रामचन्दर बनाम रामअवध आदि
बनाम–रामअवध पुत्र बलिहारी 2. महाजन पुत्र बनवारी 3. परविन्द 4. ओसविन्द पुत्रगण रामबचन 5. मीरा देवी पत्नी रामबचन 6. विजय कुमार पुत्र रामलखन साकिनान बसहीबन्देदासपुर परगना व तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 17 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 03 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी निजामाबाद, आजमगढ़
धारा 134 उप्रासं 2006 मौजा बसहीबन्देदासपुर
हरिहर बनाम रामअवध आदि
बनाम–रामअवध पुत्र बलिहारी 2. महाजन पुत्र बनवारी 3. परविन्द 4. ओसविन्द पुत्रगण रामबचन 5. मीरा देवी पत्नी रामबचन 6. विजय कुमार पुत्र रामलखन साकिनान बसहीबन्देदासपुर परगना व तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 17 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 03 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी निजामाबाद, आजमगढ़
धारा 35 (2) उप्रासं 2006 मौजा कनैथा
प्रदीप आदि बनाम कैलाश
बनाम– कैलाश पाठक पुत्र राजनाथ साकिन कोठिया परगना व तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 17 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 03 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं धर्मेन्द्र कुमार प्रजापति पुत्र रमई प्रजापति ग्राम पेंडरा गंगापुर पोस्ट सरायमीर परगना व तहसील निजामाबाद जिला आजमगढ़ का निवासी हूं। मेरे आधार कार्ड, पैन कार्ड व बैंक में मेरा नाम धर्मेन्द्र कुमार प्रजापति (DHARMENDR KUMAR PRAJAPATI) दर्ज है। मुझे धर्मेन्द्र कुमार प्रजापति नाम से ही जाना, पहचाना व पुकारा जाय।

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी
(न्यायिक) निजामाबाद, आजमगढ़
धारा 116 उप्रासं 2006 मौजा तरौधी
राजन बनाम विनीत आदि
बनाम– विनीत पुत्र सत्यप्रकाश 2. नीलम पत्नी सत्यप्रकाश 3. चन्द्रकला पत्नी ज्ञानचन्द 4. राजकुमार पुत्र रामदुलार 5. रत्नाकर उर्फ डिम्पू पुत्र रमेश 6. सन्तोष पुत्र रमेश साकिनान तरौधी परगना व तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़ 7. रामपती पत्नी रामकिशुन 8. सावित्री पत्नी रामाश्रय साकिन महुवार परगना व तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़ 9. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत पूरा अचानक परगना व तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़ 10. उ.प्र. सरकार बजरिये जिलाधिकारी महोदय आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 17 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 03 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी
(न्यायिक) निजामाबाद, आजमगढ़
धारा 116 उप्रासं 2006 मौजा गड़हन बुजुर्ग
अशोक बनाम नागेन्द्र
बनाम– नागेन्द्र 2. गंगा 3. जोगेन्द्र पुत्रगण मुराली 4. देवप्रभाकर 5. शशिप्रभाकर पुत्रगण सत्यनरायन 6. इन्दूमती पत्नी सत्यनरायन साकिनान गड़हन बुजुर्ग परगना व तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़ 7. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत गड़हन बुजुर्ग परगना व तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़ 8. उ.प्र. सरकार बजरिये जिलाधिकारी महोदय आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 08 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 01 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी बूढ़नपुर, आजमगढ़
धारा 24 उप्रासं 2006 मौजा गजन्धरपट्टी अजगरा परगना अतरौलिया तहसील बूढ़नपुर
निर्मला बनाम गांवसभा
बनाम– आशुतोष प्रताप पुत्र भानुप्रताप 2. अरविन्द 3. रवीन्द्र 4. प्रदीप पुत्रगण इन्द्रदत्त 5. धीरेन्द्र प्रताप पुत्र रामपाल 6. सतेन्द्र पुत्र अवध प्रताप साकिनान गजन्धरपट्टी अजगरा परगना अतरौलिया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़ 7. गांवसभा बजरिये प्रधान/अध्यक्ष भूमि प्रबन्धक समिति ग्राम पंचायत गजन्धरपट्टी अजगरा परगना अतरौलिया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 11 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 27 माह 05 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी सदर, आजमगढ़
धारा 24 उप्रासं 2006 मौजा टण्डवा तहसील सदर जनपद आजमगढ़
अरविन्द कनौजिया बनाम सरकार

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 08 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी निजामाबाद, आजमगढ़
धारा 24 उप्रासं 2006 मौजा फरिहा
उमराज बनाम अरविन्द आदि
बनाम–अरविन्द पुत्र दयाराम साकिन फरिहा पोस्ट अबूसईदपुर परगना व तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़ 2. गांवसभा बजरिये प्रधान/अध्यक्ष भूमि प्रबन्धक समिति ग्राम पंचायत फरिहा पोस्ट अबूसईदपुर परगना व तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 12 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 20 माह 05 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी निजामाबाद, आजमगढ़
धारा 24 उप्रासं 2006 मौजा लखनूपुर
मिथिलेश बनाम ग्रामसभा
बनाम–किसमत्ती पत्नी सुखदेव 2. अमन पुत्र तीरथ 3. राजेश कुमार पुत्र रामकुबेर 4. रमाशंकर पुत्र सुखदेव 5. पिन्टू पुत्र त्रिभुवन 6. गिरीश कुमार पुत्र रामकुबेर 7. सुरकेश पत्नी तीरथ 8. श्यामा पुत्र तीरथ 9. शिवशंकर पुत्र सुखदेव 10. रामा पुत्र तीरथ 11. रामसागर पुत्र रामधारी 12. सुबेदार पुत्र बेनी साकिनान लखनूपुर तप्पा कोठा परगना व तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़ 13. गांवसभा बजरिये प्रधान/अध्यक्ष भूमि प्रबन्धक समिति ग्राम पंचायत लखनूपुर तप्पा कोठा परगना व तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 08 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 20 माह 04 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी निजामाबाद, आजमगढ़
धारा 24 उप्रासं 2006 मौजा अम्बरपुर
श्याम नरायन बनाम ग्राम पंचायत
बनाम– गुलाब 2. चन्द्रभान 3. रामबदन 4. रामाश्रय पुत्रगण रामदेव 5. परमिला पुत्री चन्द्रिका 6. रामानन्द पुत्र ढुनमुन साकिनान गंगापुर काजी परगना व तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़।
—प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 22 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 01 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

संस्थापक :
स्मृतिशेष श्री ठाकुर प्रसाद यादव

सम्पादक :
श्री विजय कुमार यादव

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्री विजय कुमार यादव के लिए स्वाभिमान प्रकाशन, शहीद द्वार (सिविल लाईन) आजमगढ़ से मुद्रित कराकर 'देवव्रत' हिन्दी दैनिक कार्यालय, 31 शहीद द्वार आजमगढ़–276001 से प्रकाशित।
पो.रजि.नं. : आ./एन.पी.–92
टेली फैक्स : 05462–297576
मोबाइल : 9415370246
RNI NO. 56765/92

भारत ने दशकों तक अमेरिका का फायदा उठाया, अब हम टैरिफ से कर रहे खूब कमाई-ट्रम्प

मोदी और मैं एक-दूसरे को अच्छे से समझते हैं, जल्द ही एक बड़ा व्यापार समझौता होगा

वॉशिंगटन डीसी, 05 जून (एजेंसी/देवव्रत संवाद)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत के साथ व्यापार को लेकर कहा कि लंबे समय तक भारत ने अमेरिका पर ऊंचे टैरिफ लगाए और उसका फायदा उठाया। ट्रम्प ने दावा किया कि अब स्थिति बदल गई है और अमेरिका भारत से अच्छी कमाई कर रहा है। ट्रम्प ने आगे कहा कि अमेरिका और भारत के बीच जल्द ही एक बड़ा व्यापार समझौता भी हो सकता है, क्योंकि मैं मोदी को बहुत पसंद करता हूं। मोदी मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं। हमारे संबंध अच्छे हैं और हम एक-दूसरे को अच्छी तरह समझते हैं।

ट्रम्प का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब अमेरिका की एक टीम हाल ही में नई दिल्ली में भारत सरकार के अधिकारियों के साथ कई दौर की बातचीत कर चुकी है। दोनों देश एक अस्थायी व्यापार समझौते पर सहमति बनाने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि व्यापार से जुड़े कुछ मुद्दों का जल्द समाधान किया जा सके ।भारत के वाणिज्य मंत्रालय का कहना है कि बातचीत सकारात्मक रही है और दोनों देश ऐसा समझौता करना चाहते हैं जिससे भारत और अमेरिका, दोनों को फायदा हो। यानी दोनों पक्ष अभी भी व्यापार समझौते को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

समझौतों को लेकर बातचीत के बीच एक नई मुश्किल भी खड़ी हो गई है। अमेरिका ने कुछ देशों पर अतिरिक्त आयात शुल्क (टैरिफ) लगाने का प्रस्ताव रखा है। अमेरिका का कहना है कि ये देश जबरन मजदूरी से जुड़े मामलों को रोकने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठा रहे हैं।

इस प्रस्तावित सूची में भारत का नाम भी शामिल है। अगर यह फैसला लागू होता है, तो अमेरिका जाने वाले भारतीय सामान पर 12.5% अतिरिक्त शुल्क लग सकता है। इससे भारतीय उत्पाद अमेरिकी बाजार में महंगे हो सकते हैं और निर्यातकों पर असर पड़ सकता है।

भारत सरकार का कहना है कि अभी इस अतिरिक्त शुल्क को लेकर कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। अमेरिका पहले इस प्रस्ताव पर लोगों और संबंधित पक्षों की राय लेगा, उसके बाद ही अंतिम निर्णय करेगा।

भारत-अमेरिका में फरवरी 2026 में एक अंतरिम व्यापार समझौता पर सहमति बनी थी। इसका मकसद लंबे समय से अटके व्यापारिक मुद्दों को सुलझाना था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने ट्रम्प के कुछ टैरिफ को अवैध बता दिया। इसके बाद साफ नहीं हो रहा था कि कौन से टैरिफ लागू रहेंगे, कौन से नहीं ।इसका असर अमेरिका-भारत के व्यापार समझौते पर पड़ा। अब तक अंतरिम व्यापार समझौता फाइनल नहीं हो पाया है ।भारत चाहता है कि अमेरिका भारतीय वस्त्र, जेम्स-एंड-ज्वेलरी, इंजीनियरिंग सामान, दवाइयों और कृषि उत्पादों पर लगाए गए अतिरिक्त टैरिफ कम करे। वहीं अमेरिका चाहता है कि भारत अपने बाजार को अमेरिकी कृषि उत्पादों, डेयरी सामान, शराब, मेडिकल उपकरणों और डिजिटल कंपनियों के लिए और ज्यादा खोले।

सबसे बड़ा विवाद कृषि क्षेत्र को लेकर है। अमेरिका चाहता है कि उसके मक्का, सोयाबीन, बादाम, सेब और दूसरे कृषि उत्पादों को भारत में ज्यादा पहुंच मिले। लेकिन भारत को डर है कि इससे भारत के करोड़ों किसानों पर असर पड़ सकता है।

भारत पर किसी प्रकार का दबाव डालना बेकार-पुतिन

सेंट पीटर्सबर्ग, 05 जून (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)।रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत को सुखोई एस-57 स्टेल्थ फाइटर जेट को लेकर बड़ा ऑफर दिया है। उन्होंने कहा है कि रूस, भारत के साथ मिलकर इस विमान का विकास और उत्पादन करने के लिए तैयार है। साथ ही रूस जरूरी रक्षा तकनीकें साझा करने के लिए भी तैयार है। पुतिन ने गुरुवार को सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम के दौरान अंतरराष्ट्रीय मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि पहले भी भारत को इसे बनाने के प्रोजेक्ट में साझेदार बनने का ऑफर दिया था। उस समय भारत ने कहा था कि रूस पहले इस प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाए, उसके बाद भारत इसमें शामिल होने पर विचार करेगा।

पुतिन ने कहा-यह विमान हमारा जॉइंट प्रोजेक्ट हो सकता था। हमने इसे अपने दम पर विकसित किया, लेकिन अब भी हम भारत के साथ इस क्षेत्र में काम करने के लिए तैयार हैं। हम भारत को यह विमान देने और इसके आगे के विकास में साझेदारी करने के लिए तैयार हैं। इसमें हमें कोई समस्या नजर नहीं आती। यही बात एयर डिफेंस सिस्टम पर भी लागू होती है।

हरित क्षेत्र और वन्यजीवों की आबादी में हुआ रिकॉर्ड इजाफा-मोदी

नई दिल्ली ।विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए पिछले एक दशक में पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भारत द्वारा हासिल की गई ऐतिहासिक सफलताओं को रेखांकित किया। पीएम मोदी ने कहा कि सरकार की निरंतर नीतियों और नागरिकों के सामूहिक प्रयासों के चलते देश के हरित आवरण (फॉरेस्ट कवर) का विस्तार हुआ है और कई दुर्लभ वन्यजीव प्रजातियों की आबादी में महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की गई है।

प्रधानमंत्री ने सामूहिक प्रयासों, नीतियों, विज्ञान में विश्वास और नवाचार के माध्यम से पर्यावरण में सुधार लाने के उदाहरण प्रस्तुत करने के लिए नागरिकों की सराहना की। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, विश्व पर्यावरण दिवस की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। पर्यावरण संरक्षण के प्रति समर्पित सभी लोगों की मैं सराहना करता हूं ।मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि यह दिन हमें ह्यह्यअपने पर्यावरण की रक्षा करने और सतत विकास को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराने की याद दिलाता है। उन्होंने बताया कि पिछले दशक में उनकी सरकार ने इस संबंध में कई पहलें की हैं। उन्होंने कहा, भारत की कुछ प्रमुख उपलब्धियों में हरित क्षेत्र का विस्तार और कई जानवरों की आबादी में वृद्धि शामिल है ।इसे भी पढ़ें: सूरत और दमन को बड़ी सौगात! प्रधानमंत्री मोदी करेंगे 22,000 करोड़ की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास

उप्र-मप्र में तेज आंधी के साथ बारिश, राजस्थान में गिरे ओले

नई दिल्ली, 05 जून (देवव्रत संवाद)। देश के 11 राज्यों में गुरुवार को आंधी-बारिश ने तबाही मचाई। मध्य प्रदेश के भोपाल में 70 स्र्ं की रफ्तार से तूफान आया। इससे कई इलाकों में 80 से ज्यादा पेड़ गिरे ।उत्तर प्रदेश के भी 12 शहरों में बारिश हुई, नोएडा में भी दोपहर बाद तेज हवाओं के कारण 400 पेड़ उखड़ गए। पेड़ गिरने कई जगह गाड़ियां दब गईं।रास्ते घंटों जाम रहे।

राजस्थान के जयपुर में दिल्ली से 4 फ्लाइट डायवर्ट करनी पड़ीं। श्रीगंगानगर में ओले गिरे। दिल्ली-एनसीआर में भी खराब मौसम के कारण 11 उड़ानों को डायवर्ट करना पड़ा ।इधर, हरियाणा के फरीदाबाद में फ्लाईओवर बनाने लगाई गई क्रेन तेज हवाओं के कारण पलट गई। इसमें 3 मजदूरों की मौत हो गई। बिहार के भागलपुर में बिजली गिरने से मां-बेटी की मौत हो गई। मौसम विभाग ने देश के 27 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है ।इनमें हिमाचल, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, बिहार, छत्तीसगढ़ भी शामिल हैं। मानसून की केरलम में 4 जून को एंट्री हुई ।इसके साथ ही इसने पूरे प्रदेश को कवर कर लिया। मानसूनी हवाएं कर्नाटक और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में भी पहुंच गई हैं ।मानसून आमतौर पर 1 जून को केरलम पहुंचता है। डेढ़ महीने में पूरे देश को कवर करता है। वापसी आमतौर पर 17 सितंबर के आसपास राजस्थान से शुरू होती है और 15 अक्टूबर तक पूरी हो जाती है।

मौसम विभाग ने बताया कि केरलम के कई हिस्सों में जोरदार बारिश हो रही है ।सड़कों पर पानी भर गया है और निचले इलाकों में बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं।

राजस्थान : इबोला वायरस संदिग्ध के साथ आए पैसेंजर्स भी क्वारंटाइन

जयपुर, 05 जून (देवव्रत संवाद)। राजस्थान में इबोला वायरस का पहला संदिग्ध केस मिला है। युगांडा से जयपुर घूमने आई 19 साल की युवती में इबोला संक्रमण जैसे लक्षण मिले हैं। युवती शुक्रवार (5 जून) सुबह एयर अरेबिया एयरलाइंस की फ्लाइट से शारजाह से जयपुर पहुंची। एयरपोर्ट पर स्क्रीनिंग में वो संदिग्ध मिली। वो राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज में एडमिट है। उसे आइसोलेशन (दूसरे मरीजों से अलग) में रखा गया है। फ्लाइट में उसके साथ आए दूसरे पैसेंजर्स को भी घर में ही अलग रहने के दिशा-निर्देश दिए गए हैं ।फ्वलर हॉस्पिटल के अधीक्षक डॉ. अनिल गुप्ता ने बताया कि फिलहाल युवती में इबोला वायरस संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है।

राहुल का आरोप- ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट का मकसद सुरक्षा नहीं, एक बिजनेसमैन को फायदा पहुंचाना है

नई दिल्ली, 05 जून (देवव्रत संवाद)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि मोदी सरकार ग्रेट निकोबार आइलैंड प्रोजेक्ट पर झूठ बोल रही है ।राहुल ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार और बीजेपी आपसे कहती है कि 'ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट' रक्षा से जुड़ा है। असल में ऐसा नहीं है।

इस प्रोजेक्ट का मकसद सुरक्षा और ट्रांसशिपमेंट नहीं है, बल्कि एक बिजनेसमैन को फायदा पहुंचाना है। ताकि भारत की सबसे कीमती और अनोखी इकोलॉजिकल जमीन पर होटल और कसीनो बना सके। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर 16 मिनट का एक वीडियो शेयर किया है। जिसमें उन्होंने बताया कि मैं भारत के सबसे दक्षिणी छोर पर गया। मैं इंदिरा पॉइंट पर खड़ा हुआ। मैं उन पेड़ों के नीचे से गुजरा

जो सदियों से वहां खड़े हैं। मैंने दुनिया की सबसे शानदार कोरल रीफ (मूंगा चट्टानों) के बीच गोता लगाया।

राहुल गांधी पिछले डेढ़ महीने से ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट के सबसे मुखर आलोचकों में से एक हैं। उन्होंने इसे पर्यावरण, आदिवासी अधिकारों और पारदर्शिता से जुड़ा बड़ा मुद्दा बनाया है, जबकि केंद्र सरकार इसे रणनीतिक और आर्थिक दृष्टि से अहम प्रोजेक्ट बता रही है।

राहुल ने अप्रैल के अंडमान-निकोबार आइलैंड्स के अपने दौरे से जुड़ा 16 मिनट का एक वीडियो जारी किया है ।इसके अलावा उन्होंने लोगों से एक पिटीशन पर साइन करने की अपील की ताकि वे मोदी सरकार को बता सकें कि वे लालच के बजाय हरियाली चुनते हैं।

आदिवासी समुदाय की जमीन 'वन अधिकार अधिनियम' का उल्लंघन करके छीनी जा रही है। बाहर से आकर बसे लोग, जिनमें से कई पूर्व सैनिक हैं जिन्हें भारत सरकार ने इन द्वीपों पर बसाया था, उन्हें भी उचित मुआवजा नहीं मिल रहा है। बाज का विस्तार करें, हम सरकार का पूरा समर्थन करेंगे। नौसेना पांच साल से इसके विस्तार की मांग कर रही है, लेकिन इसे नजरअंदाज किया गया है ।1.5 करोड़ पेड़ काटे जा रहे हैं। सरकारी नक्शों से कोरल रीफ को हटा दिया गया है। जिस इलाके की बात हो रही है, वह नई दिल्ली से लगभग 4 गुना बड़ा है ।भारत सरकार के मुताबिक यह लगभग ?90,000 करोड़ की बहुउद्देश्यीय परियोजना है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय ट्रांसशिपमेंट पोर्ट, एयरपोर्ट, बिजली संयंत्र और एक नया टाउनशिप विकसित करने की योजना है। सरकार का तर्क है कि यह भारत की समुद्री सुरक्षा, व्यापार और इंडो-पैसिफिक रणनीति के लिए जरूरी है ।सरकार इसे महत्वपूर्ण मानती है क्योंकि ग्रेट निकोबार दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री मार्गों में से एक मलक्का स्ट्रेट में एंट्री एरिया के बेहद करीब है। यह वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति के लिए महत्वपूर्ण रूट है।

भारत का बड़ा हिस्सा कंटेनर ट्रांसशिपमेंट अभी भी विदेशी बंदरगाहों जैसे सिंगापुर, कोलंबो और पोर्ट क्लांग से होकर गुजरता है। सरकार चाहती है कि यह कारोबार भारत में आए।

तमिलनाडु में भाजपा छोड़ते ही अन्नामलाई ने बनाई नई पार्टी

चेन्नई, 05 जून (देवव्रत संवाद) ।तमिलनाडु इखढ के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई ने शुक्रवार को नई पार्टी बनाने का ऐलान किया। सोशल मीडिया पर एक वीडियो मैसेज में अन्नामलाई ने कहा कि आज हम एक आंदोलन शुरू करने जा रहे हैं। हमारी राजनीतिक पार्टी तमिलनाडु में 2031 में अगला विधानसभा चुनाव लड़ेगी। मेरे लिए यह तय करना बहुत मुश्किल था कि मैं बीजेपी का सदस्य रहूं या तमिल लोगों से जुड़ा रहूं। मैंने 4 दिसंबर 2025 को पार्टी को बताया कि मैं इस्तीफा देने जा रहा हूं। पार्टी ने मुझसे कहा कि पहले चुनाव हो जाने दें, फिर जाएं। अन्नामलाई ने 2 जून को भाजपा से इस्तीफा दिया था। लेटर शुक्रवार को सामने आया। उन्होंने इस्तीफे की वजह बताते हुए लिखा कि पिछले 18 महीनों से आलाकमान के साथ उनके मतभेद चल रहे हैं। अब उनके विचार एक जैसे नहीं रहे। अन्नामलाई कर्नाटक कैडर के क्धर अधिकारी रहे हैं। नौकरी छोड़कर 2020 में भाजपा से जुड़े। पार्टी ने पहले उन्हें प्रदेश उपाध्यक्ष और फिर अध्यक्ष बनाया। अन्नामलाई के रहते हुए बीजेपी ने 2021 और 2026 विधानसभा चुनाव लड़ा। दोनों ही चुनावों में भाजपा का वोट शेयर 2% से ज्यादा नहीं बढ़ सका।

कॉकरोच जनता पार्टी के खिलाफ याचिका पर सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली, 05 जून (देवव्रत संवाद) ।दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को उस याचिका पर तत्काल सुनवाई करने से इनकार कर दिया, जिसमें पुलिस को शनिवार को जंतर-मंतर पर व्यंग्यात्मक संगठन 'कॉकरोच जनता पार्टी' द्वारा प्रस्तावित हड़ताल के मद्देनजर सभी प्रवेश गलियारों पर भीड़ नियंत्रण उपाय लागू करने के निर्देश देने की मांग की गई थी। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब मुख्य न्यायाधीश के संस्थापक अभिजीत दिपके शनिवार को प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करने के लिए अमेरिका से भारत आ रहे हैं, जिसके लिए पार्टी ने अनुमति नहीं ली है। सेव इंडिया फाउंडेशन द्वारा दायर याचिका का उल्लेख न्यायमूर्ति सौरभ बनर्जी और अमित शर्मा की अवकाशकालीन पीठ के समक्ष किया गया। एनजीओ के वकील ने अदालत से याचिका पर आज सुनवाई करने का आग्रह किया, हालांकि पीठ ने इस पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया।

4 साल में पंजाब ने शिक्षा क्षेत्र में 27वें से पहलें स्थान पर आकर रचा इतिहास- केजरीवाल

नई दिल्ली, 05 जून (देवव्रत संवाद)।आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को शिक्षा क्षेत्र में पंजाब के प्रदर्शन की सराहना करते हुए दावा किया कि नीति आयोग के सर्वेक्षण में राज्य ने केरल को पीछे छोड़ते हुए देश में शीर्ष स्थान हासिल किया है। पर एक पोस्ट में केजरीवाल ने कहा कि पंजाब, जो पहले एक मूल्यांकन में 27वें स्थान पर था, अब 2022 में आप सरकार के सत्ता में आने के चार साल के भीतर ही शिक्षा के क्षेत्र में पहले स्थान पर पहुंच गया है ।केजरीवाल ने कहा कि पंजाब, जो कभी सरकारी स्कूलों की शिक्षा में 27वें स्थान पर था, अब पहले स्थान पर पहुंच गया है। इसने केरल जैसे राज्यों को भी पीछे छोड़ दिया है। हमारी सरकार 2022 में बनी थी। और 2020 के सर्वेक्षण में पंजाब 27वें स्थान पर था। 27वें स्थान से पहले स्थान तक पहुंचने में हमारी सरकार को केवल चार साल लगे हैं ।सरकारी स्कूलों में इसे ऐतिहासिक परिवर्तन बताते हुए, आम आदमी पार्टी के नेता ने कहा कि यह उपलब्धि शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा सुधारों पर पार्टी के फोकस को दर्शाती है।

घुटने के इलाज के लिए दलाई लामा दिल्ली रवाना

नई दिल्ली, 05 जून (देवव्रत संवाद) ।तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा 5 जून (शुक्रवार) को अपने बाएं घुटने के इलाज के लिए धर्मशाला से नई दिल्ली के लिए रवाना होंगे। यह जानकारी उनके आधिकारिक फेसबुक हैंडल पर जारी एक पोस्ट में दी गई है। पार्टी में बताया गया है, परम पावन दलाई लामा कल धर्मशाला से दिल्ली के लिए रवाना होंगे, जहां वे अपने बाएं घुटने का इलाज करवाएंगे। घोषणा में आगे कहा गया है कि स्वस्थ होने के बाद दलाई लामा जून के अंत में लद्दाख की यात्रा करेंगे और वहां लंबे समय तक रहेंगे। घोषणा में कहा गया स्वस्थ होने के बाद, वे जून के अंत में लद्दाख की यात्रा करेंगे और वहां लंबे समय तक रहेंगे।

नोएडा में आग लगी 12वीं मंजिल पर, दमकल गाड़ियों का पानी सिर्फ 6वीं मंजिल तक पहुंचा

लोग बोले- फायर ब्रिगेड है या होली का फव्वारा

नोएडा, 05 जून (देवव्रत संवाद)। नोएडा में एक हाईराइज बिल्डिंग सोसाइटी में शुक्रवार सुबह 7 बजे आग लग गई। सेक्टर-75 में क्श्र काउंटी सोसाइटी के 28 मंजिला बिल्डिंग के 12वें फ्लोर में आग लगी। तेज हवा के चलते आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते फ्लैट की खिड़कियों से ऊंची लपटें निकलने लगीं। आसमान में काले धुएं का गुबार फैल गया।

सोसाइटी में अफरा-तफरी मच गई। लोग सीढ़ियों से बाहर भागे। इस दौरान मची अफरा-तफरी में कई लोग घबरा गए। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंची। रेस्क्यू शुरू किया गया ।शुरूआत में दमकल की जो गाड़ियां आईं, उनका पानी 6 फ्लोर तक ही पहुंच पाया। जबकि, आग 12वीं फ्लोर में लगी थी। कुछ देर बाद हाईड्रोलिक क्रेन मंगाई गई। इसके बाद फ्लैट में पानी डाला गया।

राहत की बात यह रही कि बिल्डिंग में फायर सेफ्टी उपकरण लगे थे, इसकी मदद से करीब ढाई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। एहतियात के तौर पर आसपास के टावर को भी खाली कराया गया। फिलहाल किसी जनहानि की सूचना नहीं है ।फायर ब्रिगेड है या होली के फव्वारे हैं। 6-7 फ्लोर के ऊपर पानी तो पहुंच ही नहीं रहा। ये हमारे यहां का इंफ्रास्ट्रक्चर है ।ये बस नीचे घरों में गमलों को पानी दे रहे हैं। सब यूजलेस सिस्टम ।इस बीच, नोएडा में आग लगने की एक और घटना हुई। सेक्टर-52 के 'ई-3 शताब्दी विहार' के पेइंग गेस्ट आवास में आग लग गई। यहां बहुमंजिला इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर रेस्टोरेंट है। ऊपरी मंजिलों पर छात्रों के लिए पीजी है। आग रेस्टोरेंट में लगे फ्रीजर में शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी। ऊपर फंसे 15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। आग पर काबू पा लिया गया है ।नोएडा में ऊंची इमारतों और बहुमंजिला सोसाइटीज में आग बुझाने के लिए दमकल विभाग के पास हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म और आर्टिकुलेटिंग वाटर टावर जैसी हाइड्रोलिक मशीनें उपलब्ध हैं। 30 से लेकर 42 मीटर तक की ये मशीनें 10 फ्लोर तक आग बुझा सकती है। वहीं, 72 ओर 102 मीटर की हाइड्रोलिक खरीदी जा रही है। जो अभी नहीं मिली हैं ।नोएडा के सुपरनोवा सेक्टर-94 में सबसे ऊंची इमारत है। इसे 80 मंजिल का बनाया जाना है। अभी इसकी 60 मंजिल बनकर पूरी तरह से तैयार है। इसमें लोग रहते है। यहां भी सिर्फ 4 हाइड्रोलिक हैं जो 42 मीटर तक आग बुझा सकती है। हालांकि, अभी सुपरनोवा में एयर कंप्रेस्ड फोम सिस्टम का परीक्षण हुआ था।

सम्राट सरकार ने लालू-राबड़ी की जेड+ सुरक्षा खत्म किया

पटना, 05 जून (देवव्रत संवाद)। सम्राट सरकार की तरफ से राबड़ी आवास को खाली करने का नोटिस दिया गया है। इस बीच लालू परिवार की सुरक्षा घटा दी गई है। फ्खऊ के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और उनकी पत्नी और पूर्व सीएम राबड़ी देवी की जेड प्लस सिक्योरिटी खत्म कर दी गई है। दोनों को अब बिहार पुलिस की विशेष सुरक्षा व्यवस्था दी गई है, जिसमें एस्कॉर्ट, बुलेट प्रूफ कार और 8 से 16 गार्ड शामिल हैं। लालू यादव के बेटे और जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव की भी कैटेगरी की सुरक्षा खत्म कर दी गई है। सरकार ने अब उन्हें सिर्फ एक बॉडीगार्ड दिया है। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, उनकी पत्नी राजश्री और बहन मीसा भारती की सुरक्षा में कोई बदलाव नहीं किया गया है। तेजस्वी पहले की तरह वाई प्लस श्रेणी की सिक्योरिटी (एस्कॉर्ट) के साथ मिलती रहेगी।हालांकि, उसमें अब बीसैप के 1-4 हाउस गार्ड, पटना जिला बल से 6 बॉडीगार्ड और एस्कॉर्ट पार्टी के सदस्य शामिल होंगे। लालू की बड़ी बेटी एवं आरजेडी सांसद मीसा भारती को पूर्व की तरह 3 बॉडीगार्ड मिलते रहेंगे। वहीं, तेजस्वी यादव की पत्नी राजश्री को एक महिला बॉडीगार्ड दी गई है।

उप्र में मानसून 4 दिन लेट, 24 जून तक पहुंचेगा, 10 दिन में कवर कर लेगा पूरा प्रदेश

लखनऊ, 05 जून (देवव्रत संवाद)। यूपी में मानसून 24 जून तक पहुंच सकता है। आने के बाद 10 दिनों में मानसून पूरे यूपी पर छा जाएगा। आमतौर पर 18-20 जून के बीच मानसून यूपी पहुंचता है। इस बार तय समय से 4 दिन लेट है। आसार ऐसे हैं कि 20 से 25 दिन में मानसून कमजोर भी पड़ जाएगा।

4 जून से यूपी में नया वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव हुआ है। इसकी वजह से 7 जून तक आंधी-बारिश का मौसम बना रहेगा। इसके बाद वेस्टर्न डिस्टर्बेंस कमजोर होता जाएगा और तापमान में बढ़ोतरी होगी। मानसून ने देश में 4 दिन की देरी से 4 मई को केरलम में एंट्री ली है ।मौसम विभाग का अनुमान है कि 2026 में मानसून पूर्व यूपी से एंट्री लेगा। ऐसा 2023 में भी हुआ था। इसके बाद 2 साल से मानसून बुंदेलखंड के रास्ते यूपी में एंट्री लेता आ रहा है। इसको समझिए-

2023- मानसून ने 24 जून को यूपी में बिहार के रास्ते पूर्वी यूपी और बलिया-देवरिया के क्षेत्रों से राज्य में प्रवेश किया था।

2024- मानसून का प्रवेश 25 जून को ललितपुर और झांसी के रास्ते से हुआ था, जिसने 30 जून तक पूरे राज्य को कवर कर लिया था।

2025- 18 जून को मानसून ने दस्तक दी थी। शुरूआती बारिश सोनभद्र, झांसी और ललितपुर में दर्ज की गई। यह बुंदेलखंड का हिस्सा है।

हिम्मत है तो इस्तीफा देकर चुनाव लड़ें-महुआ मोइत्रा

नई दिल्ली, 05 जून (देवव्रत संवाद)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के भीतर बड़े पैमाने पर हुए राजनीतिक विद्रोह के मद्देनजर, सांसद महुआ मोइत्रा ने पार्टी के बागी विधायकों पर तीखा हमला करते हुए उन पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन कर-के मतदाताओं के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया। उनकी यह टिप्पणी टीएमसी के 80 नवनिर्वाचित विधायकों में से 58 द्वारा बुधवार को विधानसभा अध्यक्ष रथिंद्रनाथ बोस के कक्ष तक मार्च करने के एक दिन बाद आई है ।हाल ही में निष्कासित विधायकों ऋतब्रता बनर्जी और संदीपान साहा के नेतृत्व में, बागी गुट ने दलबदल विरोधी कानूनों को दरकिनार करने के लिए आवश्यक दो-तिहाई बहुमत का आंकड़ा पार करने का दावा किया है, और औपचारिक रूप से टीएमसी विधायक दल पर अपना दावा जताते हुए ऋतब्रता बनर्जी को आधिकारिक विपक्ष नेता (एलओपी) घोषित किया है ।मोइत्रा ने चुनाव आयोग को भी निशाना बनाते हुए उस पर भाजपा की कठपुतली होने का आरोप लगाया और केंद्रीय बलों के व्यवहार और चुनाव के दौरान मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से कथित तौर पर हटाने की आलोचना की। मोइत्रा ने इस बात पर जोर दिया कि बागी विधायकों ने ममता बनर्जी के नेतृत्व और नाम पर ही अपनी सीटें जीतीं और उन्हें भाजपा विरोधी वोट मिले।

आतंकवाद पर रोक के बिना पाकिस्तान को नहीं मिलेगा एक बूंद पानी-भारत

नई दिल्ली, 05 जून (देवव्रत संवाद)। पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित सीमा पार आतंकवाद के जवाब में भारत ने साफ कर दिया है कि सिंधु जल संधि तब तक निलंबित रहेगी, जब तक पड़ोसी देश आतंकवाद को विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से समाप्त नहीं कर देता। 'ऑपरेशन सिंदूर' की पहली वर्षगांठ पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भारत के दृढ़ रुख को दोहराते हुए कहा कि देश को अपनी रक्षा करने का पूरा अधिकार है, क्योंकि आतंकवाद लंबे समय से पाकिस्तान की राज्य नीति का हथियार रहा है। गौरतलब है कि अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए घातक आतंकी हमले के बाद भारत ने इस संधि को निलंबित करने जैसा कड़ा रणनीतिक कदम उठाया था। विश्व

बैंक की मध्यस्थता में 1960 में हुई यह ऐतिहासिक जल-बंटवारा संधि अब पाकिस्तान के आतंकवादी रवैये के कारण पूरी तरह गतिरोध की स्थिति में है।

विदेश मंत्रालय (टएअ) ने दोहराया है कि पाकिस्तान द्वारा सीमा पार आतंकवाद को लगातार समर्थन देने के जवाब में सिंधु जल संधि निलंबित रहेगी।

परेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर आयोजित एक मीडिया ब्रीफिंग में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत को सीमा पार से समर्थित आतंकवाद के खिलाफ अपनी रक्षा करने का पूरा अधिकार है। सवाल ने आतंकवाद के खिलाफ भारत के दृढ़ रुख की पुष्टि करते हुए कहा, ऱ्दुनिया जानती है कि सीमा पार आतंकवाद लंबे समय से पाकिस्तान की राज्य नीति का एक हथियार रहा है।

देश मंत्रालय ने यह भी कहा कि सिंधु जल संधि तब तक लागू रहेगी जब तक पाकिस्तान आतंकवाद को अपना समर्थन विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से समाप्त नहीं कर देता। प्रैल 2025 में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने संधि को निलंबित कर दिया था, जिसमें कई नागरिक मारे गए थे और जिसके बाद पाकिस्तान के खिलाफ कई राजनयिक और रणनीतिक कदम उठाए गए थे।

विश्व बैंक की मध्यस्थता से

टैरिफ के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कुछ भी कर सकते हैं

अब अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप जबरन मजदूरी के वैश्विक पैरोकार बनना चाहते हैं। उनके निशाने पर भारत समेत 54 देश ऐसे हैं, जो बंधुआ अथवा जबरन मजदूरी से बनाए गए सामान के आयात रोकने में नाकाम रहे हैं। अमरीकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय ने व्यापार कानून की धारा 301 के तहत एक प्रस्ताव दिया है कि इन देशों पर 12.5 फीसदी टैरिफ लगाया जाए। वैसे अमरीकी सर्वोच्च अदालत ट्रंपवादी टैरिफ को अवैध करार दे चुकी है, फिर भी राष्ट्रपति को अधिकार प्राप्त हैं कि वह एक निश्चित अवधि तक 10 फीसदी टैरिफ लगा सकते हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने इसी संवैधानिक प्रावधान का इस्तेमाल करते हुए जो वैश्विक टैरिफ लगाया था, उसकी अवधि 24 जुलाई को समाप्त हो रही है। दरअसल ट्रंप बुनियादी तौर पर व्यापार हैं और राष्ट्रपति कार्यालय भी उसी मानस के साथ धकेलना चाहते हैं। यदि भारत, चीन, जापान, ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, सऊदी अरब आदि देशों में जबरन मजदूरी प्रचलित है, तो अमरीकी राष्ट्रपति के पेट में दर्द क्यों हो रहा है? क्या ट्रंपको यह ठेकेदारी भी मिली है? भारत का ही उदाहरण लें, तो वहां अनुमान है कि 1 करोड़ 10 लाख 50,000 से अधिक जबरन श्रम से पीड़ित, विवश लोग हैं। वे बाल-मजदूर, बंधुआ अथवा गुलाम मजदूर भी हो सकते हैं। देश के ईंट-भट्टों, कृषि, कपास, वस्त्र उद्योग, खनन, झींगा प्रसंस्करण, घरेलू काम, कालीन बुनाई, पत्थर की खदानों आदि में जबरन मजदूरी का चलन है। हालांकि भारत में बंधुआ मजदूरी प्रणाली (उन्मूलन) अधिनियम की व्यवस्था भी है, लेकिन उन स्थितियों से अमरीका पर क्या प्रभाव पड़ रहा है? यह अमरीका की समस्या नहीं है, लेकिन टैरिफ के लिए ट्रंप कुछ भी कर सकते हैं और कोई भी दलील दे सकते हैं। अमरीकी राष्ट्रपति ने नए टैरिफवाद के लिए एक और क्षेत्र चुन लिया है। बंधुआ-बाल मजदूरी या पीढ़ी-दर-पीढ़ी गुलामी के संदर्भ में अमरीका ने कौन से ठोस और कारगर प्रयास किए हैं? दरअसल इस जबरन मजदूरी टैरिफ का प्रस्ताव ऐसे समय सामने आया है, जब भारत में अमरीकी प्रतिनिधिमंडल के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते की 99 फीसदी रूपरेखा तय की जा चुकी है। यह पुष्टि केंद्रीय उद्योग-वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने भी की है। अंतिम 1 फीसदी बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत को लगता है कि जबरन श्रम टैरिफ के जरिए अमरीका अनधिकार चेष्टा कर रहा है। दरअसल राष्ट्रपति ट्रंप ईरान युद्ध के घाटे और नुकसान की भरपाई अब एक और टैरिफ के माध्यम से करना चाहते हैं। उस थोपे हुए, फिजूल, नाकाम युद्ध पर अमरीका के 100 अरब डॉलर फूंके जा चुके हैं। बेशक यह सच है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने जैसे को तैसा टैरिफ के जरिए 214 अरब डॉलर कमाए थे, लेकिन अदालती आदेश के बाद अमरीका को 165 अरब डॉलर वापस रिफंड करने पड़े। इसके बावजूद राष्ट्रपति ट्रंप विचलित नहीं हुए। उन्हें जबरन टैरिफ से इतना लगाव है कि उन्होंने दर्जनों व्यापारिक साझेदार देशों पर टैरिफ थोपने का प्रस्ताव तैयार कराया है। दूसरी ओर कनाडा, पाकिस्तान, मैक्सिको, इंडोनेशिया आदि कुछ देश ऐसे बताए गए हैं कि जो जबरन श्रम वाले सामान को आयात नहीं करते अथवा बहुत कम करते हैं। उन पर अमरीका 10 फीसदी टैरिफ लगाएगा। वह किसी को छोडने वाला नहीं है, क्योंकि उन्हें अमरीका की अर्थव्यवस्था को संतुलित करना है। अमरीकी कानून का दोगलापन देखिए कि जबरन श्रम के संदर्भ में उसने दुर्लभ खनिज, कुछ और धातुओं, कॉफी, फार्मा, विमान के कुछ हिस्से आदि के क्षेत्रों को छूट दे रखी है।

आओ मौलाना बरकतुल्ला को निबटाएं

● राकेश अचल

पहले हबीबगंज को खा गये अब मौलाना बरकतुल्ला भोपाली का नंबर है. खबर है कि भोपाल स्थित बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय का नाम बदलने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद ने इसका नाम बदलकर 'मां वाग्देवी भोजपाल विश्वविद्यालय' करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है.नया प्रस्तावित नाम 'मां वाग्देवी भोजपाल विश्वविद्यालय ' होगा. यह प्रस्ताव उच्च शिक्षा विभाग और राज्य सरकार को भेजा जा चुका है.मध्य प्रदेश विधानसभा में संशोधन विधेयक पारित होने और गजट नोटिफिकेशन जारी होने के बाद यह नाम आधिकारिक रूप से बदल जाएगा.

आपको बता दूं कि भोपाल विश्वविद्यालय को 1988 में तत्कालीन सरकार ने महान स्वतंत्रता सेनानी मौलाना बरकतुल्ला भोपाली के नाम पर बरकतुल्ला विश्वविद्यालय बनाया था.मौलाना भोपाल में 1854 में जन्मे एक क्रांतिकारी, विद्वान और ब्रिटिश-विरोधी राष्ट्रवादी नेता थे.

उनकी हैसियत केवल एक स्थानीय नेता की नहीं थी। वे उन शुरूआती भारतीय क्रांतिकारियों में थे जिन्होंने विदेशों में रहकर ब्रिटिश शासन के खिलाफ अभियान चलाया। 1915 में अफगानिस्तान के काबुल में स्थापित भारत की प्रथम निर्वासित सरकार में वे प्रधानमंत्री बने थे, जबकि उसके राष्ट्रपति महेंद्र प्रताप थे. मौलाना बरकतुल्ला कई भाषाओं के विद्वान थे और उन्होंने जापान, इंग्लैंड, अमेरिका तथा जर्मनी में रहकर भारत की आजादी के लिए समर्थन जुटाया. ब्रिटिश सरकार उन्हें खतरनाक क्रांतिकारी मानती थी.वे स्वतंत्र भारत देखने से पहले 1927 में अमेरिका में ही चल बसे. इसी योगदान के सम्मान में भोपाल विश्वविद्यालय का नाम बदलकर बरकतुल्ला विश्वविद्यालय रखा गया था. आज की राष्ट्रवादी सरकार को मौलाना बरकतुल्ला की यही हैसियत बर्दास्त नहीं हुई, सो वे मौलाना से चिढ गए. क्योंकि भाजपाई मौलाना को पैन-इस्लामिक विचारक मानते हैं. उनकी ₹हैसियत₹ का अंदाजा भाजपा को नहीं है जबकि ब्रिटिश सरकार तक उन्हें खतरनाक क्रांतिकारी मानती थी और उनकी गतिविधियों पर लगातार नजर रखती थी. वे स्वतंत्रता संग्राम के उस धड़े से जुड़े थे जो केवल याचिकाओं और संवैधानिक सुधारों के बजाय अंग्रेजी राज को उखाड़ फेंकने की बात करता था. मुमकिन है कि बरकतुल्ला पैन-इस्लामिक आंदोलनों से भी प्रभावित रहे हों.कहा जाता है कि प्रथम विश्व युद्ध के दौरान मौलाना ब्रिटेन के विरोध में जर्मनी, तुर्की और अफगानिस्तान से सहयोग लेने की कोशिश कर रहे थे.लेकिन हकीकत यही है कि उनका अंतिम उद्देश्य भारत की स्वतंत्रता था और उन्होंने हिंदू-मुस्लिम सहयोग के साथ अंग्रेजों के खिलाफ काम किया. काबुल की सरकार में विभिन्न धर्मों और विचारधाराओं के लोग शामिल थे.मुसलमानों के नाम से ही चिढने वाली भाजपा सरकार मौलाना का नाम हटाने का मंसूबा मुमकिन है कि 2003 से ही देख रही हो, पर हिम्मत नहीं कर सकी. लेकिन अब भाजपा फुल फार्म में है. भाजपा सरकार ने पहले हबीबगंज रेल स्टेशन हबीब साहब से छीनकर रानी कमलापत को दे दिया. अब मौलाना बरकतुल्ला के नाम का विश्वविद्यालय मां वाग्देवी को देने जा रही है. कूढमगजी का इससे बडा कोई उदाहरण हो नहीं सकता. सरकार जानबूझकर मुस्लिम समाज का मानमर्दन करने के लिए ये नाम बदली कर रही है. लेकिन कुछ होगा नहीं. भाजपा का दुर्भाग्य है कि जब मौलाना अंग्रेजो के खिलाफ लड रहे थे तब देश में आर एस एस पैदा नही हुई थी. आर एस एस की दिक्कत ये है कि वह किसी गैर हिंदू हिंदुस्तानी को अपना पुरखा मान नही सकती. उसके लिए आसान है अपने पुरखों का नाम मिटा देना. भाजपा ने जब सराय बनाने वाले काले खां को निगल लिया तो मौलाना बरकतुल्ला तो बहुत बडा नाम था. मैं पढे-लिखें मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव और कम पढे लेकिन तजुबेकार राज्यपाल मंगू भाई से दरख्वास्त करूँगा कि वो इस पाप से बचे. माँ वाग्देवी की ही प्राण प्रतिष्ठा करना है तो उननके नाम से धार में भोजशाला के आसपास ही वाग्देवी संगीत विश्वविद्यालय बना दे.

नेहरू होना इतना आसान भी कहाँ!

● संजीव शुक्ल

इधर यह प्रचारित किया जा रहा है कि जल्द ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ देंगे। इस संभावना को लेकर सत्तापक्ष और उसके समर्थकों के बीच उत्सव का माहौल दिखाई देने लगा है। वंदन-गान शुरू हो चुका है और जल्द ही यह स्थापित करने का प्रयास भी होगा कि मोदी, नेहरू से अधिक लोकप्रिय और अधिक सफल प्रधानमंत्री साबित हुए हैं।

लेकिन किसी प्रधानमंत्री का मूल्यांकन केवल इस आधार पर नहीं किया जा सकता कि वह कितने वर्षों तक सत्ता में रहा। असली प्रश्न यह है कि उसने देश को क्या दिया? उसने विकास, लोकतंत्र, संस्थाओं और समाज को किस दिशा में आगे बढ़ाया?

वैसे तथ्यात्मक रूप से भी यह दावा पूरी तरह सही नहीं है। जवाहरलाल नेहरू 15 अगस्त 1947 से लेकर 27 मई 1964 तक, अर्थात लगभग 16 वर्ष 286 दिन तक प्रधानमंत्री रहे। दूसरी ओर नरेंद्र मोदी 26 मई 2014 से 4 जून 2026 तक लगभग 12 वर्ष 9 दिन ही प्रधानमंत्री रहे हैं। यदि नेहरू का जीवन कुछ और वर्षों तक लंबा होता तो उनका कार्यकाल और बढ़ता तथा संभवतः उनकी उपलब्धियों की सूची भी। लेकिन यह बहस मूलतः समयावधि की नहीं, नेतृत्व की होनी चाहिए। महत्वपूर्ण यह नहीं है कि कौन कितने समय तक प्रधानमंत्री रहा, बल्कि यह है कि उसने शासन कैसे चलाया। क्या उसके सहयोगी मंत्री निर्णय प्रक्रिया में सहभागी थे या केवल अधीनस्थ? क्या उसने विपक्ष को लोकतंत्र का आवश्यक अंग माना या उसे देशविरोधी शक्तियों का पर्याय बना दिया?

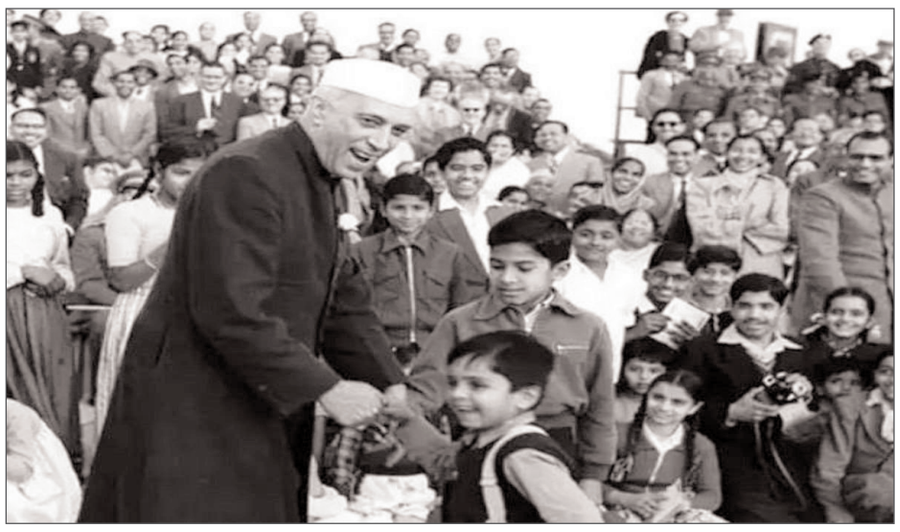

क्या संसद संवाद और सहमति का मंच बनी या फिर बहुमत के बल पर असहमति को दबाने का माध्यम? क्या संवैधानिक संस्थाएं मजबूत हुईं या उनकी स्वायत्तता कमजोर हुई?

प्रधानमंत्री के रूप में आपकी अवधि नहीं, आपकी उपलब्धियां और लोकतांत्रिक प्रतिबद्धता आपकी पहचान बनाती हैं। यदि केवल समयावधि ही लोकप्रियता और महानता का पैमाना होती तो पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का नाम इतिहास में इतना सम्मान नहीं पाता। उन्होंने अल्प कार्यकाल में जो नैतिक ऊंचाई स्थापित की, वह आज भी स्मरणीय है। लोकतांत्रिक नेतृत्व की एक महत्वपूर्ण कसौटी यह भी है कि वह जनता और मीडिया के प्रति कितना जवाबदेह है। खुली प्रेस कॉन्फ्रेंस, पत्रकारों के कठिन प्रश्नों का सामना करने का साहस और आलोचना को स्वीकार करने की क्षमता किसी भी लोकतंत्र की बुनियादी शर्त है।

इसी संदर्भ में यह प्रश्न भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि देश का मीडिया कितना स्वतंत्र है? अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का स्तर क्या है? लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्थिति कैसी है? किसी भी प्रधानमंत्री का मूल्यांकन विश्वविद्यालयों, अस्पतालों, उद्योगों, वैज्ञानिक संस्थानों, रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में किए गए कार्यों से होगा। इतिहास यह नहीं पूछेगा कि आप कितने दिन पद पर रहे, बल्कि यह पूछेगा कि आपने उन दिनों में किया क्या।

यह भी देखा जाएगा कि आपकी नीतियां जनता केंद्रित थीं या कुछ चुनिंदा कॉरपोरेट घरानों के हितों पर केंद्रित। आपने आधारभूत परिवर्तन किए या केवल चुनावी लाभ के लिए अल्पकालिक योजनाओं का सहारा लिया। महत्वपूर्ण यह भी है कि आपके कार्यकाल में समाज अधिक संगठित और समावेशी बना या जाति, धर्म, भाषा और क्षेत्रीय विभाजनों में और अधिक बंट गया।

विदेश नीति के क्षेत्र में भी यही कसौटी लागू होती है। नेहरू काल की गुटनिरपेक्ष नीति विश्व राजनीति में भारत को एक स्वतंत्र और प्रभावशाली आवाज प्रदान करती थी। आज यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से पूछा जा रहा है कि वैश्विक मंच पर भारत की वास्तविक प्रभावशीलता कितनी बढ़ी है और हमारे पड़ोसी देशों के साथ संबंध किस स्थिति में हैं। अंततः किसी भी प्रधानमंत्री का मूल्यांकन उसके कार्यकाल की लंबाई से नहीं, बल्कि उसके नेतृत्व की गुणवत्ता, लोकतांत्रिक प्रतिबद्धता, संस्थागत निर्माण, सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय हितों की रक्षा की क्षमता से होगा। जीवन की तरह राजनीति में भी प्रश्न यह नहीं होता कि आपने कितना लंबा समय जिया या सत्ता में बिताया; प्रश्न यह होता है कि आपने उस समय का उपयोग किस उद्देश्य और किस गुणवत्ता के साथ किया। नेहरू होना आसान नहीं था। उसी प्रकार किसी भी प्रधानमंत्री के लिए इतिहास में सम्मानजनक स्थान पाना भी आसान नहीं होता। उसके लिए केवल लंबा कार्यकाल नहीं, बल्कि दूरदर्शिता, लोकतांत्रिक संस्कार, संस्थाओं के प्रति सम्मान और राष्ट्र निर्माण की ठोस उपलब्धियां चाहिए होती हैं।

सिने जगत

ब्रेकअप के बाद सुसाइड के ख्याल आए, प्रोड्यूसर ने पेमेंट रोककर 16 लाख का लगाया जुर्माना

पहले शॉट में 17 रीटेक, डायरेक्टर की फटकार और शिमला लौट जाने के ताने से रुबीना दिलैक ने करियर की शुरूआत में अपमान और संघर्ष झेले। बाद में एक प्रोड्यूसर की कथित धोखाधड़ी से उन्हें लाखों का नुकसान हुआ और घर-कार बेचनी पड़ी। ब्रेकअप हुआ तो डिप्रेशन में चली गई। सुसाइड तक के ख्याल आए। मुश्किलों का सामना करते हुए रुबीना ने खुद को संभाला। आज वह टीवी की लोकप्रिय एक्ट्रेस में शुमार हैं और बिग बॉस 14 जीतने के बाद खतरों के खिलाड़ी 15 तक पहुंची हैं।

रुबीना दिलैक ने शुरूआती पढ़ाई शिमला पब्लिक स्कूल और सेंट बेड्स कॉलेज से की। उनके पिता लेखक हैं और हिंदी में कई किताबें लिख चुके हैं। स्कूल और कॉलेज के दिनों में रुबीना पढ़ाई के साथ वाद-विवाद प्रतियोगिताओं में सक्रिय रहीं।वह राष्ट्रीय स्तर की डिबेट चैंपियन रह चुकी हैं। उन्होंने अंग्रेजी साहित्य में ग्रेजुएशन किया। इसमें राजनीति विज्ञान भी उनका विषय था। एक्टिंग में आने से पहले उन्होंने कई ब्यूटी कॉन्टैस्ट में हिस्सा लिया। 2006 में उन्हें मिस शिमला और 2008 में मिस नॉर्थ इंडिया का खिताब मिला।

रुबीना दिलैक का सपना भारतीय प्रशासनिक सेवा) में जाने का था और वह इसकी तैयारी कर रही थीं। इसी दौरान चंडीगढ़ में एक ऑडिशन के लिए उनका सिलेक्शन हुआ, जिसने उनकी जिंदगी की दिशा बदल दी। उन्होंने 2008 में जी टीवी के शो छोटी बहू से अभिनय की शुरूआत की। जब रुबीना ने एक्टिंग में जाने का फैसला किया, तो उनके पिता ने काफी समय तक उनसे बात करना बंद कर दिया था। परिवार को एंटरटेनमेंट वर्ल्ड का माहौल सुरक्षित नहीं लगता था। 'मिस शिमला' और 'मिस नॉर्थ इंडिया' का खिताब जीतने के बाद पिता का नजरिया बदला और उन्होंने रुबीना को अपनी राह चुनने की इजाजत दी। रुबीना कहती हैं- मैं कंजरवेटिव माहौल से आती हूं। उस समय इस इंडस्ट्री को बहुत अच्छी नजर से नहीं देखा जाता था। जब मैं पहली बार मुंबई आई तो मेरे अंदर बहुत डर था। पढ़ाई, करियर और नए शहर में खुद को स्थापित करना, हर चीज डराती थी। हर डर को पार करने की कोशिश ने मुझे मजबूत बनाया।

छोटी बहू की शूटिंग के दौरान रुबीना अपमानित भी हुई थीं। वे बताती हैं कि पहले शॉट में मैंने 17 रीटेक दिए थे। यह देख डायरेक्टर नाराज हो गए और गाली देते हुए कहा था- 'ये सेब की पेटी कहां से ले आए, इसे वापस भेजो।' करियर के शुरूआती दिनों में रुबीना के लुक को लेकर भी उनकी बेइज्जती की जाती थी। लुक टेस्ट के दौरान उन्हें कहा जाता था कि नेगेटिव भूमिका करें, क्योंकि लीड रोल उन पर सूट नहीं करेगा। हालांकि, उन्होंने हार नहीं मानी। काम के प्रति गंभीरता के कारण उन्हें धीरे-धीरे सफलता मिलने लगी। इसी दौरान 2011 में वह एक प्रोड्यूसर की कथित धोखाधड़ी का शिकार भी हुई थीं।प्रोड्यूसर ने उन पर काम में देरी और गैर-पेशेवर होने का आरोप लगाकर 16 लाख का जुमार्ना लगाया था और उनकी पेमेंट भी रोक ली थी। इस नुकसान की भरपाई के लिए रुबीना को घर और गाड़ियां बेचनी पड़ीं। बॉलीवुड बबल को दिए एक इंटरव्यू में रुबीना ने बताया था, ह्ययह 2011 की बात है। मैंने करीब 9 महीने तक काम किया, लेकिन मुझे मेरी पेमेंट रोक दी गई। मैंने कई बार प्रोडक्शन हाउस और डायरेक्टर को फोन किया। उनके ऑफिस के चक्कर लगाए और उनसे गुजारिश की कि मेरा भुगतान कर दिया जाए। करीब नौ महीने बाद उन्हें एक रिकॉर्ड दिखाया गया, जिसमें शूटिंग में देरी और उससे हुए नुकसान का हिसाब था। रुबीना के मुताबिक, इसी आधार पर मुझ पर करीब 16 लाख की पेनाल्टी लगा दी गई।रुबीना का दावा है कि रिकॉर्ड में दर्ज कई घटनाएं गलत थीं। उन्होंने बताया कि मड आइलैंड में शूटिंग के दौरान एक कीड़े ने उन्हें काट लिया था, जिससे उन्हें कुछ घंटों तक तेज बुखार रहा। उनके अनुसार, इसी देरी का करीब 1.45 लाख रुपए का नुकसान उनके खाते में जोड़ दिया गया था।

डूबती इकोनॉमी और हारता लोकतंत्र (भाग-2)

● जयप्रकाश नारायण

जिस समय यह टिप्पणी लिखी जा रही है, उस समय विख्यात उद्योगपति वेदांता समूह के मालिक और स्टील किंग अनिल अग्रवाल के दिल्ली और राजस्थान स्थित ठिकानों पर फेमा के तहत ईडी की छापेमारी चल रही है। सामान्यतः वेदांता समूह को मोदी सरकार का समर्थक माना जाता है। किंतु अनिल अग्रवाल से एक ऐसी चूक हो गई, जिसकी कीमत उन्हें चुकानी पड़ रही है।

जेपी समूह की नीलामी के दौरान उन्होंने अदानी समूह के रास्ते में बाधा बनने का साहस दिखाया। जो सूचनाएँ छनकर आ रही हैं, उनके अनुसार उन्होंने अपेक्षा से अधिक बोली लगा दी थी, जिससे अदानी समूह को जेपी एसोसिएट्स के अधिग्रहण में कठिनाई हुई। यद्यपि पूर्व-नियोजित व्यवस्था के अनुसार अंततः जेपी एसोसिएट्स अदानी समूह को ही मिला, लेकिन अनिल अग्रवाल ने न्यायालय का दरवाजा खटखटाने की गुस्ताखी भी कर डाली। अब देश अमित शाह की एजेंसियों की राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत सक्रियता देख रहा है। यह सब ऐसे समय में हो रहा है, जब भारत ईरान युद्ध के बाद गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। स्पष्ट है कि क्रोनी पूँजीवाद भारतीय लोकतंत्र के सिर पर चढ़कर अट्टहास कर रहा है।

28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर हमला किया। उस समय प्रधानमंत्री मोदी बंगाल विजय के अभियान में व्यस्त थे। संघ परिवार और पूरा सरकारी तंत्र तथाकथित घुसपैठियों तथा देशविरोधी शक्तियों को सबक सिखाने में जुटा था।

यदि उस समय किसी ने ईरान युद्ध के भारत पर पड़ने वाले संभावित आर्थिक प्रभावों की चर्चा करने का प्रयास किया, तो संघ परिवार और कॉरपोरेट मीडिया उस पर टूट पड़े। स्वयं मोदी ने विपक्ष पर देश में ₹पैनिक₹ फैलाने का आरोप लगाया। ऐसे लोगों को देशविरोधी, पाकिस्तान समर्थक और जॉर्ज सोरोस के एजेंट तक कहा गया।

लोकतांत्रिक भारत के इतिहास का संभवतः सबसे महँगा और तनावपूर्ण चुनाव भाजपा की जीत के साथ संपन्न हुआ। चुनाव के बाद युद्ध शुरू होने के 73 दिन बाद प्रधानमंत्री जनता के सामने आए और एक वर्ष तक सात अनुशासनों के पालन की अपील की। संघ परिवार ने इसे तुरंत लपक लिया और एक नया प्रहसन शुरू हो गया, जिसमें न्यायाधीश से लेकर मंत्री, प्रचारक और सत्ता के तमाम पात्र शामिल दिखाई दिए।

संकट की गंभीरता का वास्तविक आकलन शेयर बाजार और रुपये की प्रतिक्रिया से किया जा सकता है। बाकी सब प्रचार था।

आरबीआई की तमाम कोशिशों के बावजूद रुपया डॉलर के मुकाबले 95 के नीचे आने को तैयार नहीं है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 110 डॉलर से बढ़कर 125 डॉलर प्रति बैरल तक पहुँच गई। खबरें हैं कि आरबीआई को सोना बेचने तक की नौबत आ रही है।

ऐसे देश की स्थिति का अनुमान लगाया जा सकता है, जिसकी 87 प्रतिशत ऊर्जा आवश्यकताएँ आयात पर निर्भर हों और जहाँ 85 प्रतिशत आबादी की मासिक आय दस हजार रुपये से भी कम हो।

युद्ध और ऊर्जा संकट

खाड़ी युद्ध का भारत की ऊर्जा व्यवस्था पर गंभीर प्रभाव पड़ना स्वाभाविक था। भारत का लगभग 20 प्रतिशत कच्चा तेल और 60 प्रतिशत गैस आयात उसी क्षेत्र से आता है जहाँ युद्ध केंद्रित था।

युद्ध शुरू होते ही देश के भीतर हालात बिगड़ने लगे। बंगाल की राजनीतिक जीत भी आर्थिक संकट को संभाल नहीं सकी। मोदी जी संकट प्रबंधन के नाम पर अनुशासन का पाठ पढ़ाकर विदेश यात्राओं पर निकल गए।

सूरत, मोरबी, सोनीपत, पानीपत, गुरुग्राम, मानेसर और नोएडा जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में उथल-पुथल दिखाई देने लगी। लाखों मजदूर प्रभावित हुए। कारण वही गैस सिलेंडर था, जिस पर बैठकर कभी मोदी राजनीतिक प्रतीकवाद का प्रदर्शन किया करते थे। इतिहास एक बार फिर व्यंग्य के रूप में लौट रहा था।

पेट्रोल और गैस आधुनिक अर्थव्यवस्था की आधारभूत ऊर्जा हैं। इनकी कमी ने घरेलू बजट, उत्पादन, परिवहन और रसोई–सभी को प्रभावित किया है।

युद्ध से पहले हॉर्मुज जलडमरूमध्य से प्रतिदिन 120 से 140 जहाज गुजरते थे। युद्ध के बाद यह संख्या घटकर 10-12 तक पहुँच गई। मोदी सरकार ने संकट की गंभीरता को छिपाने का प्रयास किया, लेकिन हिंदुत्ववादी राष्ट्रवाद का पर्दा जगह-जगह से फटने लगा।

देश के छोटे-बड़े शहरों में रसोई गैस के लिए लंबी कतारें दिखाई देने लगीं। पेट्रोल पंपों पर भी दबाव बढ़ा। अंततः मोदी को स्वीकार करना पड़ा कि देश ₹तबाही के दशक₹ से गुजर रहा है। जिम्मेदारी समय, इतिहास और परिस्थितियों पर डाल दी गई, जबकि सरकार जवाबदेही से बच निकली।

अब तक पेट्रोल, डीजल, सीएनजी और एलपीजी के दाम कई बार बढ़ चुके हैं। दूसरी ओर निजी तेल कंपनियाँ विदेशों में तेल बेचकर भारी मुनाफा कमा रही हैं। सरकार की विवशता समझी जा सकती है–या शायद यह विवशता नहीं, नीति है।

कच्चा तेल और महँगाई

कच्चा तेल केवल ऊर्जा का स्रोत नहीं है। इससे पेंट, प्लास्टिक, उर्वरक, दवाइयाँ और अनेक औद्योगिक उत्पाद तैयार होते हैं। इसलिए संकट केवल परिवहन और रसोई तक सीमित नहीं रहने वाला।

आने वाले समय में उर्वरकों की कमी, दवाइयों की महँगाई और कृषि लागत में वृद्धि देखने को मिल सकती है। इसी बीच प्रधानमंत्री ने धरती माँ के कलेजे की पीड़ा का उल्लेख करते हुए रासायनिक खादों के उपयोग को कम करने की सलाह दी।

विडंबना यह है कि इसी दौर में अमेरिका के साथ मुक्त व्यापार समझौते की बातचीत चल रही है, जिसमें कृषि उत्पाद भी शामिल हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री की पर्यावरणीय संवेदना और आर्थिक नीतियों के बीच विरोधाभास साफ दिखाई देता है।

पिछले बारह वर्षों में ऊर्जा अनुसंधान और तेल खोज के क्षेत्र में कोई उल्लेखनीय प्रगति नहीं हुई। जब मोदी सत्ता में आए थे, तब भारत लगभग 81 प्रतिशत ऊर्जा आयात करता था। आज यह निर्भरता बढ़कर 87 प्रतिशत तक पहुँच चुकी है।

यही कारण है कि संकट सामने आने के 73 दिन बाद प्रधानमंत्री को राष्ट्र को संबोधित करना पड़ा। तब तक 83 देश युद्ध के संभावित प्रभावों को लेकर तैयारी शुरू कर चुके थे।

संकट कहाँ है?

1. गलत आर्थिक प्राथमिकताएँ

नोटबंदी, जीएसटी और कोविड लॉकडाउन जैसे निर्णयों ने भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ तोड़ दी। छोटे उद्योग तबाह हुए, बाजार में अनिश्चितता बढ़ी और रोजगार संकट गहराया।

अर्थशास्त्री संतोष मेहरोत्रा के अनुसार मोदी शासन के बारह वर्ष ₹आपदा के वर्ष₹ रहे हैं। इसी दौरान मित्र कॉरपोरेट घरानों ने अभूतपूर्व मुनाफा कमाया, जबकि आम जनता की आर्थिक स्थिति लगातार बिगड़ती गई।

2. अनुसंधान और विकास की उपेक्षा

भारत में वैज्ञानिक सोच और शोध के प्रति प्रतिकूल वातावरण तैयार किया गया है। ज्ञान, तर्क और वैज्ञानिक मूल्यों का उपहास किया जा रहा है। विश्वविद्यालय और तकनीकी संस्थान वैश्विक स्तर पर पिछड़ते जा रहे हैं।

एआई, सेमीकंडक्टर, उन्नत चिप निर्माण और नई तकनीकों के क्षेत्र में भारत आयातक बनकर रह गया है। ₹विश्व गुरु₹ के दावों के बावजूद विश्व के शीर्ष विश्वविद्यालयों में भारतीय संस्थानों की स्थिति निराशाजनक है।

3. उपभोग आधारित अर्थव्यवस्था

भारत उत्पादन की अपेक्षा उपभोग पर आधारित अर्थव्यवस्था बनता जा रहा है। आयात लगातार बढ़ा है और व्यापार घाटा गहराता गया है। अकेले चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा 100 अरब डॉलर से अधिक है।

चार-पाँच प्रतिशत आबादी 80 प्रतिशत उपभोग करती है, जबकि शेष जनता सीमित संसाधनों में जीवन गुजार रही है। यह असमानता आर्थिक विकास की संभावनाओं को कमजोर करती है।

4. संस्थागत भ्रष्टाचार और फिजूलखर्ची

कॉरपोरेट और राजनीतिक भ्रष्टाचार ने लोकतंत्र को जकड़ लिया है। स्वतंत्र प्रतिस्पर्धा की जगह सत्ता-समर्थित पूँजीवाद ने ले ली है।

दूसरी ओर नेताओं और नौकरशाहों की शाही जीवनशैली, महँगे प्रचार अभियान, विशाल रैलियाँ और सरकारी संसाधनों का राजनीतिक उपयोग जनता में असंतोष पैदा कर रहा है। लोकतंत्र में व्यक्तिपूजा का यह स्वरूप संस्थाओं को कमजोर करता है।भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी चुनौती उसका सामाजिक ढाँचा है। स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के आधुनिक मूल्यों के विपरीत जाति और धर्म आधारित राजनीति लगातार मजबूत हुई है। 1967 के बाद से जिस तरह धार्मिक और सांप्रदायिक विमर्श ने राजनीतिक केंद्र स्थान ग्रहण किया, उसने लोकतांत्रिक चेतना को कमजोर किया। आज देश जाति, धर्म और पहचान की राजनीति में उलझा हुआ दिखाई देता है, जबकि आर्थिक और सामाजिक प्रश्न पीछे धकेल दिए गए हैं।

निष्कर्ष

ईरान पर अमेरिकी हमले के बाद उत्पन्न संकट ने मोदी सरकार की आंतरिक कमजोरियों को उजागर कर दिया है। अब तक प्रचार, प्रलोभन और दमन के सहारे नियंत्रित किया जा रहा राजनीतिक विमर्श वास्तविक आर्थिक चुनौतियों से टकरा रहा है।

भारत गंभीर आर्थिक और राजनीतिक संकट के दौर से गुजर रहा है। युवा आबादी, डिजिटल क्रांति और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में प्रवेश कर चुका समाज नए प्रश्न पूछ रहा है। आने वाला समय तय करेगा कि यह ऊर्जा लोकतांत्रिक पुनर्निर्माण का आधार बनेगी या देश और गहरे संकटों में फँसेगा। (जारी...)

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत सांसद डॉ. विनोद बिंद ने लगाया पेड़

पीडीडीयू नगर(चंदौली), 05 जून (देवव्रत संवाद)। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में राज्य भर में आयोजित 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में भदोही सांसद डॉ विनोद बिंद ने मुगलसराय स्थित गोधना मोड़ के समीप प्लाट पर मां के नाम नीम व अखरोट का पेड़ लगाकर इसकी शुरूआत करने के साथ ही वे अपने लोकसभा क्षेत्र में भी कई जगह पेड़ लगाए ।इस अभियान में सभी लोगो को सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया है ।उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपनी मां के नाम पर कम से कम एक पौधा लगाएं और उसकी देखभाल और सुरक्षा की जिम्मेदारी लें।

डॉ विनोद बिंद ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है ।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई पहल को पूरे देश में जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली ।उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देता है बल्कि माताओं के प्रति सम्मान और कृतज्ञता का भी प्रतीक है। उन्होंने शैक्षणिक संस्थानों,युवा संगठनों, स्वैच्छिक समूहों और सामाजिक सेवा संगठनों को शामिल करके इसे एक जन आंदोलन में बदलने का आह्वान करते हुए लगाए गए पौधों के अस्तित्व और विकास को सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की शुरूआत 5 जून 2024 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर की थी। इस अभियान का शुभारंभ उन्होंने नई दिल्ली के बुद्ध जयंती पार्क में अपनी माँ को श्रद्धांजलि स्वरूप पीपल का पेड़ लगाकर किया था।

डॉ बिंद ने समाज के सभी वर्गों से वृक्षारोपण और संरक्षण गतिविधियों में निरंतर भागीदारी के माध्यम से हरित उत्तर प्रदेश के निर्माण में योगदान देने की अपील की ।सांसद डॉ विनोद बिंद ने आव्हान किया कि हम सभी अपने घर,पार्क, सार्वजनिक स्थान, मंदिर में एक पेड़ अपनी मां के नाम लगाए,यह संदेश घर-घर जाना चाहिए। हमारी लाइफ स्टाइल भी पर्यावरण के अनुकूल हो हमारे जीवन के हर क्षण को पर्यावरण के अनुकूल जिएंगे तो आने वाली पीड़ी को कुछ दे पाएंगे।

अभियान चलाकर महिलाओं, बालिकाओं को किया गया जागरूक

पीडीडीयू नगर(चंदौली), 05 जून (देवव्रत संवाद)। उ०प्र० शासन की मंशा के अनुरुप मिशन शक्ति फेज-5 (द्वितीय चरण) के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक चन्दौली, आकाश पटेल के निर्देशन में जनपद के समस्त थानों द्वारा बाजारों,ग्रामीण क्षेत्रों व अन्य स्थानों पर महिलाओ/बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में जागरुक किया गया।महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का निरन्तर प्रयास किया जा रहा है ।जागरूकता कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के संबंध में संचालित योजनाओं यथा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना,बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, वन स्टॉप सेन्टर,181 महिला हेल्पलाइन, पति की मृत्युपरांत निराश्रित महिला योजना,प्रदेश में स्थापित महिला शरणालय,शक्ति सदन व सखी निवास योजनाओं के बारे में बताया गया ।साथ ही महिलाओं व बालिकाओं को संरक्षण प्रदान करने वाले प्रमुख कानूनों यथा घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम 2005, कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष), अधिनियम,2013, दहेज निषेध अधिनियम,1961 तथा गर्भधारण पूर्व और प्रसवपूर्व निदान तकनीक(लिंग चयन प्रतिषेध) अधिनियम, 1994 के प्रमुख प्रावधानों के बारे में आमजन को जागरूक किया गया। इन अभियानों के माध्यम से महिला एवं बालिकाओं को आत्मनिर्भरता, आत्मविश्वास और सुरक्षा उपायों के बारे में जागरूक किया जा रहा है ।द्वितीय चरण के दौरान साइबर सुरक्षा जागरूकता पर भी विशेष बल दिया जाएगा।

आगामी आरक्षी पुलिस भर्ती परीक्षा के सफल, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण आयोजन के लिए हुई बैठक

पीडीडीयू नगर(चंदौली), 05 जून (देवव्रत संवाद)। आगामी आरक्षी पुलिस भर्ती परीक्षा के सफल,निष्पक्ष और शांतिपूर्ण आयोजन के लिए जिलाधिकारी चंद्र मोहन गर्ग और पुलिस अधीक्षक आकाश पटेल की अध्यक्षता में संबंधित अधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई ।बैठक में परीक्षा की सुरक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों की सुविधाओं,यातायात प्रबंधन और परीक्षा केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की गई ।जनपद में यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा को शांतिपूर्ण और नकलविहीन संपन्न कराने के लिए 11 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं,जिनमें 24,768 परीक्षार्थी शामिल होंगे ।सुरक्षा और सुचारू व्यवस्था के लिए इन केंद्रों पर 11 सेक्टर मजिस्ट्रेट और 11 स्टैटिक मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं।

अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाए और संवेदनशील केंद्रों पर विशेष निगरानी रखी जाए ।परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए केंद्रों पर सघन चेकिंग, अभ्यर्थियों का सत्यापन और प्रवेश प्रक्रिया को निर्धारित मानकों के अनुरूप संपादित करने के निर्देश दिए गए ।सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों पर परीक्षा से संबंधित भ्रामक और अफवाहपूर्ण सूचनाओं पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए गए ।ऐसे मामलों में तत्काल आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने को कहा गया ।परीक्षा के दौरान यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने और अभ्यर्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा से बचाने के लिए प्रभावी यातायात प्रबंधन योजना लागू करने पर जोर दिया गया ।परीक्षा केंद्रों पर बिजली,पेयजल, सीसीटीवी कैमरे, जैमर,अग्निशमन उपकरण और अन्य आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

सभी अधिकारियों को परीक्षा को पूर्ण निष्पक्षता,पारदर्शिता और सुरक्षा के साथ संपन्न कराने के लिए आपसी समन्वय स्थापित कर कार्य करने के निर्देश दिए गए ।पुलिस अधीक्षक और जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि परीक्षा की शुचिता भंग करने या किसी भी प्रकार की अनियमितता में शामिल पाए जाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी ।बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी न्यायिक रतन वर्मा, अपर पुलिस अधीक्षक अनंत चंद्र शेखर,जिला विद्यालय निरीक्षक, सेक्टर-जोनल आफिसर एवं प्रधानाचार्य गण उपस्थित रहे।

उप्र पुलिस के पदों पर सीधी भर्ती-2025 की लिखित परीक्षा सम्पन्न कराये जाने के संबंध में बैठक संपन्न

भदोही , 05 जून (देवव्रत संवाद)। जिलाधिकारी शैलेष कुमार के कुशल निर्देशन में अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 शुभांगी शुक्ला व अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल ने कलेक्ट्रेट सभागार में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष सीधीभर्ती-2025 की परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराये जाने के संबंध में केंद्र व्यवस्थापको, सेक्टर एवं स्टेटिक मजिस्ट्रेट के साथ बैठक की गई। अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 ने आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष सीधी भर्ती-2025 की परीक्षा का आयोजन जनपद के कुल 06 परीक्षा केन्द्रों पर 08, 09 एवं 10 जून 2026 को प्रत्येक दिन दो सत्रों में (पूर्वान्ह 10.00 बजे से 12.00 बजे तक व अपरान्ह 03.00 बजे से 05.00 बजे तक) सम्पन्न होनी है। जनपद के कुल 06 परीक्षा केंद्रों पर प्रत्येक पाली में 2976 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे व जनपद में कुल 17856 अभ्यर्थी सम्मिलित होंगे। परीक्षा को नकल विहीन एवं शुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए यथावश्यक सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर एक-एक स्टेटिक मजिस्ट्रेट तैनात करते हुए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की व्यवस्था सुनिश्चित की गयी है। उन्होंने निर्देश दिया कि समस्त सेक्टर मजिस्ट्रेट परीक्षा की तिथि 08, 09 एवं 10 जून 2026 को प्रत्येक दिन प्रथम एवं द्वितीय सत्र के गोपनीय शील्ड पैकेट प्राप्त करने के लिए निर्धारित समयान्तराल में उपस्थित होंगे परीक्षा केन्द्रों पर स्टैटिक मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में प्रधानाचार्य को नियमानुसार प्राप्त कराया जाना सुनिश्चित करेंगे। सभी स्टेटिक मजिस्ट्रेट परीक्षा केन्द्र पर परीक्षा प्रारम्भ होने से परीक्षा समाप्ति तक उपस्थित रहेगे। अपर जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में कुल 06 परीक्षा केंद्र बनाए गए है जिसमें गुलाबधर मिश्र इण्टर कॉलेज, गोपीगंज, काशी नरेश रा० स्नातकोत्तर महाविद्यालय ज्ञानपुर, एम०ए० समद इण्टर कॉलेज, भदोही, श्री इन्द्र बहादुर सिंह नेशनल इ० कॉलेज, भदोही, विभूति नारायण राजकीय इण्टर कॉलेज, ज्ञानपुर, जिला पंचायत बालिका इण्टर कॉलेज, ज्ञानपुर में आयोजित होगा। अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल ने बताया कि कहा कि ड्यूटी में लगाये गये सभी मजिस्ट्रेट एवं केन्द्र व्यस्थापक निर्देश पुस्तिका का गंभीरता से अध्ययन कर लें, किसी भी भ्रम की स्थिति में उसे अभी से क्लियर कर लें। उन्होंने कहा कि प्रश्न पत्र का मूवमेन्ट प्रशासन/पुलिस की निगरानी में होगा। सभी परीक्षा केन्द्रों एवं स्ट्रांगरूम में अग्निशमन उपकरणों को लगा दिया जाये। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सभी परीक्षा केन्द्रों सहित महत्वपूर्ण स्थानों पर पर्याप्त पुलिस व्यवस्था एवं सीसीटीवी कैमरों की उचित व्यवस्था की गई है। बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक अंशुमान, आयोग के अधिकारीगण, समस्त केन्द्र व्यवस्थापक, सेक्टर/स्टेटिक मजिस्ट्रेट, उपस्थित थे।

आकस्मिक निरीक्षण में चिकित्साधिकारी अनुपस्थित मिले

भदोही , 05 जून (देवव्रत संवाद) ।जिलाधिकारी शैलेष कुमार के कुशल निर्देशन में आज मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ला ने आज राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालय, सराय राजपूतानी का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान चिकित्सालय में तैनात चिकित्साधिकारी डॉ. अरुण कुमार सिंह अनुपस्थित पाए गए ।इस पर मुख्य विकास अधिकारी ने कड़ा रुख अपनाते हुए उनके विरुद्ध कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान चिकित्सालय परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था का भी जायजा लिया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित कर्मचारियों को परिसर की नियमित सफाई एवं स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए तथा कहा कि मरीजों को स्वच्छ एवं बेहतर वातावरण उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाए।ओपीडी रजिस्टर के सत्यापन के दौरान दिनांक 04 जून 2026 को कुल 84 मरीजों का उपचार किया जाना दर्ज पाया गया, जिसमें 35 नए एवं 49 पुराने मरीज शामिल थे।

राज्यसभा सांसद साधना सिंह एवं दर्शना सिंह ने किया पौधारोपण

पीडीडीयू नगर(चंदौली), 05 जून (देवव्रत संवाद)। विश्व पर्यावरण दिवस 05 जून के अवसर पर राज्यसभा सांसद साधना सिंह व दर्शना सिंह द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में फलदार आम का वृक्षारोपण किया गया ।इस अवसर पर प्रभागीय वनाधिकारी सहित कई अधिकारियों ने भाग लिया ।सभी ने मिलकर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया ।उन्होंने वृक्षारोपड़ करते हुए जनपदवासियों से अधिक से अधिक वृक्षों को रोपित करने की अपील करते हुए कहा की पर्यावरण को सुरक्षित रखने के साथ-साथ स्वस्थ रहने के लिए हमारे जीवन में वृक्षों का अमूल्य योगदान है। जीवन को सुरक्षित रखने के लिए हम सब अधिक से अधिक पेड़ लगाये और उसकी देखभाल भी करें। उन्होंने कहा कि जनपद में अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने एवं स्वच्छ व समृद्ध पर्यावरण को बढ़ावा देने हेतु इस वर्ष की थीम एक पेड़ मां के नाम पर सभी वृक्षारोपण करें

और अन्य लोगों को भी अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने हेतु जागरूक करें तथा पर्यावरण के महत्व को भी बताएं ।उन्होंने कहा कि वृक्ष केवल छाया या फल ही नहीं देते,बल्कि ये हमारे जीवन के लिए प्राणवायु प्रदान करते हैं ।मुख्य विकास अधिकारी आर.जगत साईं ने बताया कि जिले भर में वृक्षारोपण अभियान चलाया जा रहा है, और प्रशासन का उद्देश्य है कि इसमें अधिक से अधिक नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित हो ।इस दौरान प्रभारी जिलाधिकारी/मुख्य विकास अधिकारी आर जगत साईं व प्रभागीय वनाधिकारी बी.शिव शंकर द्वारा भी फलदार पौधे लगाए गए।

चंदौली में कारीगरों को निःशुल्क मिलेंगी दोना, पॉपकॉर्न मशीनें-गिरजा प्रसाद

पीडीडीयू नगर(चंदौली), 05 जून (देवव्रत संवाद)। चंदौली में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और लोगों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से दोना मेकिंग और पॉपकॉर्न मेकिंग मशीनों का निःशुल्क वितरण किया जाएगा ।जिला ग्रामोद्योग अधिकारी गिरजा प्रसाद ने बताया कि उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के माध्यम से यह पहल की जा रही है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए चंदौली जिले को 08 दोना मेकिंग मशीनें और 08 पॉपकॉर्न मेकिंग मशीनें वितरित करने का लक्ष्य मिला है ।इन मशीनों का लाभ पारंपरिक कारीगरों और स्वरोजगार में रुचि रखने वाले व्यक्तियों को मिलेगा।

इच्छुक लाभार्थी जिनकी आयु 18 से 50 वर्ष के बीच है,वे ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं ।आवेदन यूपीकेवीबी.जीओवी.इन वेबसाइट पर 'ऑनलाईन टूलकिट्स पंजीकरण एवं आवंटन'अनुभाग के तहत किया जा सकता है ।आवेदन की अंतिम तिथि 20 जून 2026 निर्धारित की गई है ।यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार को बढ़ावा देने और स्थानीय लोगों की आमदनी बढ़ाने में बेहद मददगार है ।आवेदन के साथ आधार कार्ड, फोटोग्राफ,शिक्षा प्रमाण पत्र,निवास प्रमाण पत्र,जाति प्रमाण पत्र और राशन कार्ड जैसे दस्तावेज संलग्न करने होंगे ।इन दस्तावेजों को गंगा रोड,रामजी कटरा स्थित जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड, चंदौली में जमा किया जाएगा ।अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 7703006951 और 7800649332 पर संपर्क किया जा सकता है।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ मां के नाम थीम पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन

भदोही, 05 जून (देवव्रत संवाद)। केन्द्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर प्रदेश सरकार द्वारा 05 जून 2026 से 21 जून 2026 तक जन जागरूकता अभियान के प्रथम दिन एवं विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर स्थानीय खरगपुर ग्रामसभा में एक पेड़ मां के नाम थीम पर भव्य कार्यक्रम आयोजित कर वृहद वृक्षारोपण किया गया।

इस अवसर परजिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी, जिलाध्यक्ष दीपक मिश्रा, मा0 सांसद प्रतिनिधि संजय बिंद, अपर जिलाधिकारी वि0 /रा0 व मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविन्द शुक्ल, प्रभागीय वनाधिकारी विवेक यादव द्वारा वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत मा0 जनप्रतिनिधिगण व अधिकारियो के द्वारा बरगद, पीपल, नीम, आम सहित अन्य फलदार वृक्ष के पेड़ लगाए गए। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक व्यक्ति वर्ष में कम से कम एक पेड़ लगाए और उसकी देखभाल करते हुए जीवित रखे तो पूरा भदोही हरा भरा हो जाएगा और यहां का पर्यावरण भी शुद्ध होगा।

मा0 जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी ने कहा कि हम सभी के द्वारा अंधाधुंध वृक्षो के कटान से पर्यावरण का संतुलन बिड़ने से काफी दिक्कते लोगो के जीवन में आ रही है आज जो पौधे हम सभी के द्वारा लगाया जा रहा है वह पौधा हमारी

पीढ़ियो के लिए अमूल्य धरोहर होगा। उन्होंने कहा कि धरती को हरा भरा बनाए रखने और अपने जीवन मे वातावरण संतुलन के लिए अधिक से अधिक पौधरोपण करना होगा। पौधरोपण के पश्चात उसके संरक्षण भी सुनिश्चित करना होगा। वधायक औराई दीनानाथ भाष्कर जी द्वारा औराई तहसील से जेठूपुर मार्ग पर वृक्षारोपण कर लोगो से जन-सहभागिता के माध्यम से पर्यावरण के इस मुहिम को सफल बनाने हेतु जनमानस से अपील की गयी। वृक्षारोपण के समय समस्त प्रागण पर्यावरणीय उद्घोष से गुज उठा। जिलाध्यक्ष दीपक मिश्रा ने कहा कि पौधे हमे आक्सीजन, भोजन, फल, छाया तथा जीवन के लिए अनेक संशाधन प्रदान करते है। इस लिए पर्यावरण के संतुलन व जल संरंक्षण के दृष्टिगत सभी लोगो का कर्तव्य है कि कम से एक पेड़ अवश्य लगाए और जिस तरह से अपने मां व बच्चो को देखभाल करते है उसी तरह पौधो को संरक्षित करे तभी इस अभियान का उद्देश्य पूर्ण होगा। मुख्यमंत्री के विशेष प्राथमिकता में ₹वृक्षारोपण₹ भी एक है। विश्व पर्यावरण दिवस पर सम्पूर्ण उ०प्र० प्रदेश में 05 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य वन विभाग व अन्य विभागों के लिये निर्धारित किये गये थे ।जिसमें भदोही जनपद के मुख्य विभाग वन विभाग, ग्राम्य विकास विभाग, कृषि विभाग, पंचायती राज विभाग व उद्योग विभाग हेतु 203000 का लक्ष्य निर्धारित था। वन विभाग द्वारा 12000 पौध, ग्राम्य विकास विभाग द्वारा 136000 पौध, कृषि विभाग द्वारा 32000 पौध, नगर विकास विभाग द्वारा 2000 पौध व उद्यान विभाग द्वारा 21000 पौधों का रोपण कर लक्ष्य को सफलता पूर्वक प्राप्त किया गया ।जिसमें मुख्य स्थानों यथा अमृत सरोवर तालाबों, सामुदायिक भूमि, विद्यालयों, कार्यालय परिसर व कृषिकों के माध्यम से पौधरोपण का कार्य कराया गया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) शुभांगी शुक्ला ने ह्लएक पेड़ माँ के नामह्व अभियान के अंतर्गत पौधरोपण किया।

सभासद का निधन शोक मे बंद रहा पालिका कार्यालय

गोपीगंज, 05 जून (देवव्रत संवाद)। नगर पालिका परिषद वार्ड संख्या 25 की सभासद नसीम बानो 70 वर्ष का शुक्रवार को प्रातःकाल निधन हो गया, पालिका कार्यालय में आयोजित शोक सभा के उपरांत कार्यालय बंद कर दिया गया। सभासद के निधन की जानकारी पर नगर पालिका परिषद अध्यक्ष जितेंद्र गुप्ता की अध्यक्षता में शोक सभा का आयोजन किया गया,जिसमे श्रद्धा सुमन अर्पित कर दिवंगत आत्मा की शांति और परिजनो को सहन शक्ति प्रदान करने के लिए प्रार्थना की गई। शोक सभा के उपरांत पालिका कार्यालय बंद कर दिया गया ।इस मौके पर सभासद सहित पालिका कर्मचारी मौजूद रहे।

छत से पानी गिराने के विवाद में मारपीट व धमकी का आरोप, चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

गोपीगंज, 05 जून (देवव्रत संवाद)। थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम धीरपुर वैदा निवासी दीपिका मिश्रा पुत्री चन्द्रप्रकाश मिश्र ने पड़ोसियों पर गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। प्रार्थिनी के अनुसार छत से पानी गिराने को लेकर हुए विवाद के चलते दिनांक 30 मई 2026 को रात्रि लगभग 9 बजे पड़ोसी कृष्ण मुरारी पुत्र कमलाशंकर मिश्र, आनन्द मिश्र पुत्र मुरारी मिश्र, दिलीप मिश्र पुत्र मुरारी मिश्र तथा अतुल मिश्र पुत्र आनन्द एक साथ उसके दरवाजे पर पहुंचे ।आरोप है कि सभी लोग लाठी-डंडे से लैस होकर आए तथा प्रार्थिनी, उसकी बहनों और उसकी माता के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी ।पीड़िता की तहरीर पर गोपीगंज पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर न्यायाधीशों व अधिवक्ताओं ने किया वृक्षारोपण

मीरजापुर, 05 जून (देवव्रत संवाद)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार की सुबह जनपद न्यायालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनपद न्यायाधीश अनुपम कुमार के नेतृत्व में न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं एवं न्यायालय कर्मियों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया ।सुबह 6:45 बजे आयोजित कार्यक्रम में जनपद न्यायाधीश अनुपम कुमार के साथ विभिन्न न्यायिक अधिकारियों ने परिसर में छायादार एवं फलदार पौधे लगाए। इस दौरान जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अभय राज सिंह तथा सचिव जंग बहादुर सिंह ने भी सक्रिय सहभागिता करते हुए वृक्षारोपण किया ।कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है। पौधे न केवल पर्यावरण को स्वच्छ बनाते हैं, बल्कि मानव जीवन के लिए ऑक्सीजन, छाया और प्राकृतिक संतुलन भी प्रदान करते हैं। सभी लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया गया ।जनपद न्यायाधीश अनुपम कुमार ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस तक सीमित न रहकर जन आंदोलन का रूप लेना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति यदि अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करे तो हरित वातावरण के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है ।वृक्षारोपण कार्यक्रम में न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं तथा न्यायालय से जुड़े अन्य लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम का समापन पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण के संकल्प के साथ हुआ।

हिंदी पत्रकारिता दिवस पर भव्य विंध्य गौरव सम्मान

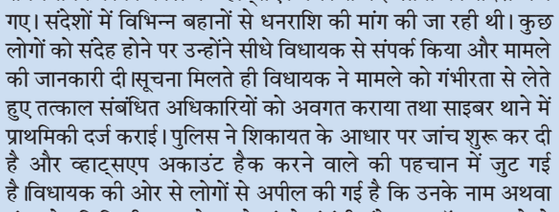

मीरजापुर, 05 जून (देवव्रत संवाद)। विंध्य इंडियन प्रेस सोशल क्लब (रजि. नं. 209) ने हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर राजश्री पैलेस, लालडिग्गी में विंध्य गौरव सम्मान 2026 का गरिमामय आयोजन किया। सायंकाल 6 बजे से शुरू होकर रात्रि सहभोज तक चला यह भव्य समारोह जनसैलाब और उत्साह से भरा रहा। मीरजापुर जनपद की सांस्कृतिक चेतना, सामाजिक सद्भाव और पत्रकार बिरादरी की एकता का यह अनुपम प्रतीक बना ।मुख्य अतिथि के रूप में संजय कुमार शुक्ला, मुख्य न्यायाधीश, परिवार न्यायालय, मीरजापुर उपस्थित रहे। उनकी उपस्थिति ने समारोह को विशेष गरिमा प्रदान की। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रोफेसर डॉ. संजीव सिंह (प्रधानाचार्य, माँ विंध्यवासिनी स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय) सहित परवेज खान, फिरोज अख्तर, राजेश सिंह, डॉ. एस.पी. पटेल, पद्मश्री पुरस्कृत कजरी गायिका उर्मिला श्रीवास्तव, आशीष यादव कमला मेमोरियल स्कूल, सलील पांडे भीष्म पितामह मिजार्पुर, अश्वनी उपाध्याय, पवन पांडे, घनश्याम ओझा, विकास तिवारी, भोला सिंह, विजय पांडे, विष्णुकांत पांडे, वसी रिजवी, सुनीता चौधरी, सतीश सिंह, रोहित गुरु त्रिपाठी, शिवराम शर्मा, वीरेंद्र कुमार सिंह, राजेश सिन्हा, भानु प्रताप सिंह, अश्विनी सिंह, अनिल, राहुल तिवारी पत्रकार सहित गणमान्यों ने शिरकत की।

छानबे विधायक का व्हाट्सएप अकाउंट हैक, लोगों से मांगे जा रहे रुपये

मीरजापुर, 05 जून (देवव्रत संवाद)। छानबे विधानसभा क्षेत्र की विधायक रिंकी कोल का व्हाट्सएप अकाउंट हैक होने का मामला सामने आया है। हैकर द्वारा विधायक के नंबर से विभिन्न लोगों को संदेश भेजकर रुपये की मांग किए जाने की जानकारी मिलने के बाद विधायक ने तत्काल साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई है ।जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह से विधायक रिंकी कोल के व्हाट्सएप नंबर से कई लोगों को संदेश भेजे गए। संदेशों में विभिन्न बहानों से धनराशि की मांग की जा रही थी। कुछ लोगों को संदेह होने पर उन्होंने सीधे विधायक से संपर्क किया और मामले की जानकारी दी ।सूचना मिलते ही विधायक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया तथा साइबर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है और व्हाट्सएप अकाउंट हैक करने वाले की पहचान में जुट गई है ।विधायक की ओर से लोगों से अपील की गई है कि उनके नाम अथवा नंबर से यदि किसी प्रकार के रुपये मांगने संबंधी संदेश या कॉल प्राप्त हो तो उसकी सत्यता की पुष्टि किए बिना कोई लेन-देन न करें। साथ ही इसकी सूचना तत्काल पुलिस अथवा साइबर सेल को दें इस घटना ने साइबर सुरक्षा को लेकर नई चिंता खड़ी कर दी है। लोगों का कहना है कि जब जनप्रतिनिधियों के सोशल मीडिया और मैसेजिंग अकाउंट सुरक्षित नहीं हैं, तो आम नागरिकों को भी डिजिटल माध्यमों का उपयोग करते समय अतिरिक्त सतर्कता बरतने की आवश्यकता है ।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जल्द ही आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथी के जन्म दिवस पर महा रक्तदान शिविर का आयोजन

मीरजापुर, 05 जून (देवव्रत संवाद) उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर शुक्रवार को रक्त केंद्र मंडलीय चिकित्सालय मिजार्पुर मिजार्पुर में एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम रक्तदान अमित गुप्ता ने रक्तदान करलोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया। इस महत्वपूर्ण शिविर का नेतृत्व श्री साईं परिवार सेवा संगठन के संस्थापक अध्यक्ष हिंदू युवा वाहिनी के जिला अध्यक्ष श्री शुभम गुप्ता , के साथ विभाग प्रभारी संजय चंद,विशाल मालवीय और लिनेश क्लब आर्या की अध्यक्ष श्रीमती वंदना राय के कुशल मार्गदर्शन में किया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर नगर निगम परिषद की विशेष बैठक, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के क्रियान्वयन पर बनी रणनीति

सिंगरौली, 05 जून (देवव्रत संवाद)।विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर पालिक निगम सिंगरौली में विशेष परिषद बैठक आयोजित की गई, जिसमें शहर को स्वच्छ, हरित और पर्यावरण-अनुकूल बनाने के लिए ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन की रणनीति तैयार की गई। बैठक में कचरा प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण, जल स्रोतों के पुनरुद्धार और शहर की मूलभूत सुविधाओं के विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

नगर निगम परिषद सभागार में आयोजित बैठक की अध्यक्षता नगर निगम अध्यक्ष देवेश पाण्डेय ने की। बैठक में विधायक रामनिवास शाह, महापौर रानी अग्रवाल, मेयर-इन-काउंसिल सदस्य खुर्शीद आलम, शत्रुघ्न लाल शाह, श्यामला, रुक्मणी देवी, नगर निगम आयुक्त सविता प्रधान तथा सांसद प्रतिनिधि संतोष वर्मा सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का शुभारंभ राष्ट्रगान के साथ किया गया।

बैठक का मुख्य उद्देश्य संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास, भोपाल के निदेर्शानुसार ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कार्ययोजना तैयार करना था। चर्चा के दौरान बताया गया कि नए नियमों के तहत शहर में कचरा प्रबंधन व्यवस्था को और अधिक व्यवस्थित एवं आधुनिक बनाया जाएगा। इसके अंतर्गत प्रत्येक घर, प्रतिष्ठान और संस्थान में गीले, सूखे एवं हानिकारक कचरे का पृथक्करण अनिवार्य किया जाएगा। नियमों का पालन नहीं करने वालों के

विरुद्ध चालानी कार्रवाई भी की जाएगी।बैठक में निर्णय लिया गया कि अभियान को जन-आंदोलन का स्वरूप देने के लिए प्रत्येक वार्ड में पार्षदों के नेतृत्व में स्वच्छता समितियों का गठन किया जाएगा। ये समितियां नागरिकों को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा सिंगल-यूज प्लास्टिक के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध के प्रति जागरूक करेंगी। पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए शहर के पारंपरिक जल स्रोतों और तालाबों के संरक्षण एवं पुनरुद्धार पर भी विशेष जोर दिया गया। आगामी वर्षा ऋतु से पूर्व प्रमुख नालों की वैज्ञानिक पद्धति से सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, ताकि जलभराव और जल निकासी संबंधी समस्याओं से बचा जा सके।

बैठक में ड्रेनेज सिस्टम को सुदृढ़ करने, शहर में हरित क्षेत्र (ग्रीन बेल्ट) का विस्तार करने, कचरा प्रसंस्करण संयंत्रों की कार्यक्षमता बढ़ाने तथा नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए भी विभिन्न प्रस्तावों पर चर्चा की गई। जनप्रतिनिधियों ने शहर के सतत विकास के लिए पर्यावरणीय संतुलन और स्वच्छता को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर बल दिया। अपने संबोधन में नगर निगम अध्यक्ष देवेश पाण्डेय ने कहा कि सिंगरौली को केवल देश की ऊजार्धानी के रूप में ही नहीं, बल्कि स्वच्छ, सुंदर और पर्यावरण-अनुकूल आदर्श शहर के रूप में स्थापित करना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी पार्षदों और नागरिकों से स्वच्छता अभियान को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग की अपील की। बैठक में नेता प्रतिपक्ष सीमा जायसवाल सहित परिषद के अनेक पार्षदों, नगर निगम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ सिंगरौली के निर्माण के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने का संकल्प लिया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर 2 करोड़ की प्रतिबंधित खैर लकड़ी से लदा ट्रक जब्त

सिंगरौली, 05 जून (देवव्रत संवाद)। सिंगरौली जिले की चितरंगी थाना पुलिस ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अवैध वन कटाई और लकड़ी तस्करी के खिलाफ एक बहुत बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है. पुलिस ने घेराबंदी कर प्रतिबंधित खैर की लकड़ी से लदे एक ट्रक को पकड़ने में सफलता हासिल की है. इस मामले में मौके से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है.चितरंगी थाना प्रभारी सुदेश तिवारी ने बताया कि पुलिस को मुखबिर के जरिए एक पुख्ता सूचना मिली थी. सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने आमचुआ गांव के पास तत्काल घेराबंदी की और संदिग्ध वाहन (ट्रक) को रोककर जब उसकी जांच की, तो उसमें करीब 70 टन प्रतिबंधित खैर की लकड़ी बरामद हुई. पूछताछ में पता चला है कि तस्कर इस कीमती लकड़ी को ट्रक में भरकर उत्तर प्रदेश के कानपुर ले जाने की फिराक में थे.लकड़ी की अनुमानित कीमत बाजार में लगभग 2 करोड़ से 2.25 करोड़ रुपए आंकी जा रही है. विशेषज्ञों के अनुसार, खैर की लकड़ी का उपयोग मुख्य रूप से कत्था, पान मसाला, कॉस्मेटिक उत्पादों, पेंट और विभिन्न प्रकार की औषधियों के निर्माण के लिए किया जाता है. बाजार में इसकी अत्यधिक और भारी मांग होने के कारण ही तस्कर अवैध रूप से जंगलों से इसकी कटाई कर तस्करी का रैकेट चलाते हैं.

गिरफ्तार किए गए चारों आरोपियों ने पुलिस पूछताछ में खुलासा किया कि उनके कुछ अन्य साथी भी अलग-अलग क्षेत्रों में खैर के पेड़ों की अवैध कटाई में संलिप्त हैं. आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस की विशेष टीमों को तत्काल संबंधित गांवों में छापेमारी के लिए भेजा गया. हालांकि, पुलिस के आने की भनक लगते ही अन्य सह-आरोपी कटे हुए वृक्षों और लकड़ियों के बंडल को मौके पर ही छोड़कर जंगल की ओर फरार हो गए.थाना प्रभारी ने बताया कि इस पूरी घटना और जब्ती की आधिकारिक जानकारी वन विभाग को दे दी गई है. अब पुलिस और वन विभाग की संयुक्त टीमें मिलकर इस पूरे नेटवर्क की गहराई से जांच कर रही हैं. फरार आरोपियों की सरगर्मी से तलाश की जा रही है. पर्यावरण दिवस पर की गई इस बड़ी सर्जिकल स्ट्राइक को क्षेत्र में सक्रिय लकड़ी माफियाओं के खिलाफ प्रशासन का एक कड़ा और महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है.

राज्यमंत्री राधा सिंह ने कुशाही और महुंगुड़ी में सामुदायिक भवनों का किया भूमि पूजन

सिंगरौली, 05 जून (देवव्रत संवाद)। मध्यप्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की राज्य मंत्री राधा सिंह ने शुक्रवार को क्षेत्र के ग्राम पंचायत कुशाही एवं ग्राम पंचायत महुंगुड़ी में प्रस्तावित सामुदायिक भवनों के निर्माण कार्य का विधिवत भूमि पूजन किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों को बधाई देते हुए कहा कि सामुदायिक भवन गांवों के सामाजिक और सांस्कृतिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे तथा ग्रामीणों को विभिन्न आयोजनों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराएंगे।

राज्यमंत्री राधा सिंह ने सबसे पहले ग्राम पंचायत कुशाही में आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता कर सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि सामुदायिक भवन बनने से ग्रामवासियों को सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक एवं सार्वजनिक गतिविधियों के आयोजन के लिए एक व्यवस्थित और सुसज्जित स्थान उपलब्ध होगा। इससे गांव में सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा मिलेगा तथा विभिन्न सरकारी और सामाजिक कार्यक्रमों के संचालन में भी सुविधा होगी। इसके बाद उन्होंने ग्राम पंचायत महुंगुड़ी पहुंचकर वहां भी सामुदायिक भवन निर्माण के लिए भूमि पूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार की आधारभूत सुविधाओं का विकास गांवों को आत्मनिर्भर और संगठित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। सामुदायिक भवन ग्रामवासियों के लिए बैठकों, सामाजिक कार्यक्रमों, सांस्कृतिक

आयोजनों तथा अन्य सामुदायिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनेगा। राज्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण विकास को प्राथमिकता देते हुए गांवों में आवश्यक बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए लगातार कार्य कर रही है। सामुदायिक भवनों के निर्माण से ग्रामीणों को एक ऐसा मंच मिलेगा, जहां वे सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन कर सकेंगे और सामूहिक निर्णय लेने की प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बना सकेंगे। उन्होंने दोनों ग्राम पंचायतों के नागरिकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विकास कार्यों में जनसहभागिता सबसे महत्वपूर्ण है और सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की नई संभावनाएं सृजित करने के लिए प्रतिबद्ध है। दोनों कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, पंचायत पदाधिकारियों, ग्राम के गणमान्य नागरिकों तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही। ग्रामीणों ने सामुदायिक भवन निर्माण को गांव के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए प्रदेश सरकार और राज्यमंत्री राधा सिंह का आभार व्यक्त किया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर सिंगरौली ने चलाया स्वच्छता अभियान

सिंगरौली, 05 जून (देवव्रत संवाद)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारत विकास परिषद इकाई सिंगरौली द्वारा सामाजिक सरोकारों से जुड़ा विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। निर्धारित कार्यक्रम के तहत परिषद की टीम सुबह जुड़वा तालाब पहुंची, जहां पार्क परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाया गया तथा पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।इस दौरान सदस्यों ने सांसें हो रही हैं कम, आओ पेड़ लगाएं हम तथा स्वच्छ सिंगरौली, क्लीन सिंगरौली जैसे नारों के माध्यम से लोगों को पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जागरूक किया।

सेवा, संस्कार, सुशासन एवं सम्मान थीम पर आयोजित कार्यक्रम 5 जून 21जून तक

गाजीपुर , 05 जून (देवव्रत संवाद)। सेवा, संस्कार, सुशासन एवं सम्मान थीम पर आयोजित, केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 05 जून 2026 से 21 जून 2026 तक आयोजित होने वाले ह्लसेवा, संस्कार, सुशासन एवं सम्मानह्व विषयक समेकित जनकल्याण एवं जनजागरूकता अभियान की तैयारियों के संबंध में जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार, गाजीपुर में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने अभियान के सफल संचालन हेतु सभी संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाना तथा पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से लाभान्वित करना है। इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए निर्धारित कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि अभियान अवधि के दौरान विकास खंड, ग्राम पंचायत एवं नगरीय क्षेत्रों में व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। विभिन्न विभागों द्वारा लगाए जाने वाले शिविरों में पात्र व्यक्तियों का पंजीकरण कर उन्हें योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाए। साथ ही स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, महिला एवं बाल विकास, सामाजिक कल्याण, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा रोजगार से संबंधित योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। बैठक में अभियान के दौरान वृक्षारोपण, स्वच्छता जागरूकता, स्वास्थ्य शिविर, लाभार्थी संपर्क अभियान, खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों सहित विभिन्न गतिविधियों के आयोजन पर विस्तार से चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यक्रमों का आयोजन पूरी पारदर्शिता एवं जनसहभागिता के साथ किया जाए ताकि अधिक से अधिक लोग सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हो सकें।जिलाधिकारी ने समस्त अधिकारियो एवं विकास खण्ड अधिकारियों को निर्देशित किया है कि केन्द्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर 8 जून से 14 जून, 2026 तक विशेष जनसंपर्क एवं जनजागरूकता अभियान के तहत नागरिकों को स्वयं पौधारोपण के लिए प्रेरित किया जाए एवं मलिन बस्तियों में संवाद तथा सरकार आपके द्वार स्वरूप में जन-समस्या समाधान शिविरों का आयोजन किया जाय।

ओवरलोड के कारण धू-धू कर जला विद्युत ट्रांसफार्मर

सिंगरौली, 05 जून (देवव्रत संवाद)। सिंगरौली जिले की चितरंगी तहसील के अंतर्गत आने वाले बरहट ग्राम पंचायत के लालीमाटी क्षेत्र में शुक्रवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक विद्युत ट्रांसफार्मर में भीषण आग लग गई. लालीमाटी क्षेत्र के निवासी मुकेश सिंह के घर के समीप लगे इस ट्रांसफार्मर में आग भड़कने के बाद एक के बाद एक कई जोरदार धमाके हुए. धमाकों की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण और राहगीर बड़ी संख्या में मौके पर एकत्रित हो गए.प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय लोगों के मुताबिक, पहले ट्रांसफार्मर से हल्का धुआं निकलना शुरू हुआ था, जो देखते ही देखते भीषण आग की लपटों में तब्दील हो गया. आग के दौरान लगातार हो रहे विस्फोटों के कारण लोगों ने एहतियात बरतते हुए तुरंत सुरक्षित दूरी बना ली. स्थानीय निवासी आलोक के अनुसार, आग इतनी तेजी से फैली कि ग्रामीणों को किसी बड़े और घातक विस्फोट की आशंका सताने लगी थी. हालांकि, ग्रामीणों की सूझबूझ, सतर्कता और समय रहते दूरी बनाए रखने के कारण एक बड़ा हादसा टल गया ।

डीएम ने अटल आवासीय विद्यालय गुरमुरा का किया औचक निरीक्षण

सोनभद्र, 05 जून (देवव्रत संवाद)। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने शुक्रवार को अटल आवासीय विद्यालय, गुरमुरा का औचक निरीक्षण कर विद्यालय की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय परिसर की साफ-सफाई, विद्यार्थियों के लिए संचालित शिक्षण व्यवस्था, भोजनालय तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं का गहन अवलोकन किया। जिलाधिकारी ने प्रधानाचार्य को निर्देशित किया कि विद्यालय में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए तथा विद्यार्थियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने स्वयं विद्यार्थियों के लिए तैयार किए गए भोजन को विद्यार्थियों के साथ ग्रहण कर उसकी गुणवत्ता का परीक्षण किया। भोजन की गुणवत्ता संतोषजनक पाए जाने पर उन्होंने विद्यालय प्रशासन की सराहना की। इसके साथ ही उन्होंने छात्रावास (हॉस्टल) का निरीक्षण कर वहां की साफ-सफाई एवं व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी ने विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण भी किया तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। निरीक्षण के उपरांत उन्होंने अपर श्रम आयुक्त पिपरी को निर्देशित किया कि जनपद में ऐसे स्थलों को चिन्हित किया जाए जहां बड़ी संख्या में श्रमिक कार्यरत हैं। उन स्थानों पर श्रमिकों के विश्राम, पेयजल, स्वच्छता एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं को सुदृढ़ करने हेतु प्रभावी कार्ययोजना तैयार कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

प्रेम-प्रसंग में रजनीकांत की हुई थी हत्या,आरोपी गिरफ्तार

विण्डमगंज, सोनभद्र। स्थानीय पुलिस ने हत्या की 8 घंटे में सफल अनावरण करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त आला कत्ल (चापड़), मृतक का मोबाइल फोन तथा घटना के समय पहने कपड़े भी बारामद किए है। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में थानाध्यक्ष के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह सफलता हासिल की। जानकारी के अनुसार 04 जून 2026 को थाना क्षेत्र के ग्राम जोरूखाड़ में रजनीकांत पुत्र अश्वनी गोंड उम्र 24 वर्ष, निवासी पतरिया का शव बरामद हुआ था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की गई। मामले में थाना विण्डमगंज पर मुकदमा संख्या-78/2026 धारा 103(1), 238(ए) बीएनएस के तहत अभियोग पंजीकृत कर विवेचना प्रारंभ की गई। पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों, मुखबिर तंत्र एवं स्थानीय सूचना के आधार पर कार्यवाही करते हुए घटना के मात्र 8 घंटे के भीतर आरोपी दिनेश पुत्र जीत सिंह निवासी ग्राम केवाल, थाना विण्डमगंज को टहनिया खोली स्थित एक खाली मकान के पास से गिरफ्तार किया।

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि मृतक रजनीकांत का उसकी पत्नी के साथ प्रेम-प्रसंग था। जिससे वह रंजिश रखता था। इसी कारण वह मृतक को बहाने से जंगल की ओर ले गया और चापड़ से हमला कर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी ने मृतक का मोबाइल फोन घटना में प्रयुक्त चापड़ तथा अपने कपड़े झाड़ियों में छिपा दिए थे। जिन्हे पुलिस न बरातद कर लिया। पुलिस टीम में थानाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल सुरेन्द्र प्रजापति, कांस्टेबल सुनील कुमार एवं कांस्टेबल आलोक कुमार शामिल रहे।

परम्परा की वेदी पर बलि चढ़ते मासूम पौधे: शादियों में मंडप के नाम पर अंधाधुंध कटान

दुद्धी /सोनभद्र, 05 जून (रमेश यादव/देवव्रत संवाद)। भारत में शादियों का सीजन आते ही हर तरफ शहनाइयों की गूंज सुनाई देने लगती है। लेकिन इस मांगलिक उत्सव के पीछे पर्यावरण विनाश की एक डरावनी तस्वीर भी छिपी है। सनातन परंपरा और सगुन के नाम पर हर साल हजारों हरे-भरे और अविकसित पौधों की बेरहमी से बलि दी जा रही है। एक अनुमान के मुताबिक, केवल एक जोड़े की शादी के लिए लगभग 28 छोटे-बड़े पौधों को काट दिया जाता है। शादी के मंडप और मड़वे को सजाने के लिए इन मासूम पौधों की लकड़ियों का इस्तेमाल होता है, जिसके कारण हमारा पर्यावरण लगातार खोखला हो रहा है।

शादी-विवाह में मड़वा गाड़ने की रस्म बेहद पुरानी है। ग्रामीण और कस्बाई इलाकों में आज भी यह मान्यता है कि मंडप के लिए जंगल से ताजी हरी लकड़ियां और महुए, सिधौत या बांस के नवजात पौधे लाना शुभ होता है। इसी अंधविश्वास और तथाकथित श्सगुनश के फेर में लोग जंगलों का रुख करते हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि मंडप बनाने के लिए उन पौधों को निशाना बनाया जाता है जो अभी पूरी तरह विकसित भी नहीं हुए हैं। जिन पौधों को बड़ा होकर विशाल पेड़ बनना था और पर्यावरण को ऑक्सीजन देनी थी, उन्हें शादी के चंद घंटों के परम्परा निर्वहन के लिए काट कर फेंक दिया जाता है।

सोनभद्र जिला अपनी प्राकृतिक संपदा और घने जंगलों के लिए जाना जाता है। लेकिन शादियों के सीजन में यहां के जंगलों पर चैतरफा हमला होता है। दुद्धी समेत आसपास के क्षेत्रों में हर साल हजारों शादियां होती हैं। यदि एक शादी में 28 पौधों के कटान का औसत निकाला जाए, तो केवल एक सीजन में ही लाखों अविकसित पेड़-पौधे नष्ट कर दिए जाते हैं। शादी संपन्न होने के बाद इन हरी लकड़ियों को कबाड़ या ईंधन की तरह जला दिया जाता है। यह परंपरा के नाम पर पर्यावरण के साथ किया जा रहा एक गंभीर अपराध है।जंगलों की सुरक्षा का जिम्मा संभालने वाला वन विभाग इस कुप्रथा के सामने पूरी तरह बेबस नजर आता है। अधिकारियों का कहना है कि यह मामला सीधे तौर पर लोगों की धार्मिक भावनाओं और सामाजिक परंपराओं से जुड़ा हुआ है। जब वन कर्मी किसी को हरी लकड़ी काटते हुए पकड़ते हैं, तो श्शादी का सगुनश और श्मांगलिक कार्यश का वास्ता देकर लोग विवाद करने पर उतारू हो जाते हैं। स्थानीय दबाव और लोक-लाज के कारण विभाग कड़ी कार्रवाई नहीं कर पाता, जिसका फायदा उठाकर लकड़ी माफिया और आम लोग धड़ल्ले से जंगलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

सिविल बार एसोसिएशन दुद्धी सोनभद्र के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सत्यनारायण यादव एवं पर्यावरण विशेषज्ञों का मानना है कि इस विनाश को रोकने के लिए अब कड़े कदम उठाने और जन जागरूकता फैलाने की सख्त जरूरत है। कृत्रिम और लोहे के मंडपरू आधुनिक दौर में शादियों के लिए लोहे, फाइबर या सजे-धजे टेंट के रेडीमेड मंडप आसानी से उपलब्ध हैं। इनका उपयोग बार-बार किया जा सकता है। यदि धार्मिक कारणों से लकड़ी का मंडप जरूरी ही है, तो जीवित पौधों को काटने के बजाय सूखी या गिरी हुई लकड़ियों का उपयोग किया जाना चाहिए। वरिष्ठ अधिवक्ता सत्यनारायण यादव का कहना हैं कि विवाह के बंधन में बंधने वाले जोड़ों को मंडप के नाम पर पौधे काटने के बजाय, अपनी नई जिंदगी की शुरूआत पांच नए पौधे लगाकर करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर हम आज भी परंपरा के नाम पर आंखें मूंदकर प्रकृति का सीना चीरते रहे, तो आने वाली पीढ़ियों के पास सांस लेने के लिए शुद्ध हवा भी नहीं बचेगी। प्रशासन, सामाजिक संस्थाओं और जागरूक नागरिकों को आगे आकर इस कुप्रथा पर तुरंत रोक लगानी होगी, ताकि शादियों की खुशी प्रकृति के लिए मातम न बने।

विश्व पर्यावरण दिवस पर सांसद संगीता बलवंत और नगर पालिका अध्यक्ष ने किया पौधरोपण

गाजीपुर , 05 जून (देवव्रत संवाद)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आज राज्यसभा सांसद डॉ. संगीता बलवंत ने अपने आवास पर एवं अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सरिता अग्रवाल ने महर्षि विश्वामित्र स्वशासी राज्य मेडिकल कॉलेज के प्रांगण में पौधरोपण किया।राज्यसभा सांसद डॉ. संगीता बलवंत ने कहा कि, वृक्ष हमारी संस्कृति का आधार हैं। ह्यएक पेड़ माँ के नामह्व अभियान से हर घर जुड़े, तभी हम आने वाली पीढ़ी को स्वच्छ पर्यावरण दे पाएंगे। पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामाजिक दायित्व है। सभी नागरिक अपने जन्मदिन, वर्षगांठ पर एक पौधा अवश्य लगाएं। अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सरिता अग्रवाल ने कहा कि, नगर पालिका क्षेत्र को हरा-भरा और स्वच्छ बनाना हमारी प्राथमिकता है। मेडिकल कॉलेज जैसे सार्वजनिक स्थानों पर पौधरोपण से आमजन को प्रेरणा मिलेगी। नगर पालिका द्वारा शहर के सभी वार्डों और पार्कों में सघन वृक्षारोपण अभियान चलाया जा रहा है। नागरिक भी इसमें सहयोग करें। इस अवसर पर प्रभागीय निदेशक अजीत प्रताप सिंह, क्षेत्रीय वन अधिकारी आदित्य यादव, जिला परियोजना अधिकारी बृजेश कुमार श्रीवास्तव सहित वन विभाग के कर्मचारी, नगर पालिका के अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पर्यावरण दिवस पर जिला जज ने किया पौधरोपण, कहा- पेड़ हमारे प्राण

गाजीपुर, 05 जून (देवव्रत संवाद)। उच्च न्यायालय, इलाहाबाद के निदेर्शानुसार एक पेड़ माँ के नाम वृक्षारोपड़ अभियान के अन्तर्गत आज दिनांक 05.06.2026 को जनपद न्यायालय गाजीपुर के परिसर में धर्मेन्द्र कुमार पाण्डेय, जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गाजीपुर एवं अन्य समस्त न्यायिक अधिकारीगण द्वारा वृक्षारोपड़ किया गया। जनपद न्यायाधीश द्वारा बताया गया कि ऐसे वृक्ष लगाये गये है जो आक्सीजन प्रदान करते है व कुछ ऐसे वृक्ष भी है जो फलदार है, कहॉ भी गया है कि एक वृक्ष सौ पुत्र के समान है। इसी उद्देश्य से हम लोगों ने आज जो पेड़ लगाये है वो मॉ को समर्पित कर लगाये गये है। इस अवसर पर अली रजा, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कक्ष सं0-03, गाजीपुर, शक्ति सिंह-I, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कक्ष सं0-01/नोडल अधिकारी, लोक अदालत गाजीपुर, श्वेता वर्मा, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश ई0सी0 एक्ट गाजीपुर, राम अवतार प्रसाद, विशेष न्यायाधीश पॉक्सो कक्ष सं0-01 गाजीपुर, संजय के0 लाल, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/त्वरित न्यायालय कक्ष सं0-01, गाजीपुर, विजय कुमार-क्ष अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/त्वरित न्यायालय कक्ष सं0-02 गाजीपुर, नूतन द्विवेदी मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी गाजीपुर व अन्य न्यायिक अधिकारीगण, जिला वन अधिकारी गाजीपुर व वन विभाग के अन्य पदाधिकारीगण व कर्मचारीगण उपस्थित हुए।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत डीएम, सीडीओ ने किया मेडिकल कालेज में पौधरोपण

गाजीपुर, 05 जून (देवव्रत संवाद)। केन्द्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 05 जून, 2026 से 21 जून 2026 के मध्य, प्रदेश में समेकित जन-कल्याण एवं जन- जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रधानमंत्री जी की अपील के अनुसार सम्पूर्ण प्रदेश में ह्यह्यएक पेड़ माँ के नामह्यह्य अभियान के अन्तर्गत आज सामाजिक वानिकी वन प्रभाग द्वारा आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर महर्षि विश्वामित्र स्वशासी राज्य मेडिकल कॉलेज के प्रांगण में जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला एवं मुख्य विकास अधिकारी आलोक प्रसाद ने पौधरोपण किया। जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। आज लगाया गया एक पौधा कल हमारे बच्चों को स्वच्छ हवा देगा। उन्होने जनपद के सभी नागरिकों से अपील किया कि वे ह्यएक पेड़ माँ के नामह्व अभियान से जुड़कर अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें और लगाए गए पौधों की देखभाल भी करें। मुख्य विकास अधिकारी आलोक प्रसाद ने कहा कि, मिशन लाइफ के तहत हमें अपनी जीवनशैली में बदलाव लाना होगा। जल बचाना, प्लास्टिक का कम उपयोग और वृक्षारोपण इसी का हिस्सा हैं। ग्राम पंचायत स्तर पर चल रहे पौधरोपण अभियान में जनसहभागिता जरूरी है। प्रभागीय निदेशक अजीत प्रताप सिंह ने बताया कि, माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रदेश भर में 5 करोड़ पौध रोपण हेतु आह्वान किया गया है। उन्होने बताया कि जनपद गाजीपुर में 7.06 लाख पौधरोपण करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसके क्रम में जनपद गाजीपुर में वन विभाग को 68,000, ग्राम्य विकास विभाग को 4,28,000, उद्यान विभाग को 71,000, पंचायती राज विभाग को 29,000, कृषि विभाग को 1,07,000 एवं नगर विकास को 3000 पौधरोपण का लक्ष्य आवंटित किया गया है। जनपद गाजीपुर के सभी विभागों द्वारा बढ़-चढ़कर विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधरोपण कार्यक्रम किया किया गया। इस अवसर पर मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य, वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, छात्र-छात्राएं एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी ली।

अनिल कुमार राय ने संभाली भांवरकोल बीडीओ की कमान

भांवरकोल/गाजीपुर, 05 जून (देवव्रत संवाद)। कासिमाबाद विकास खंड में कार्यरत रहे नवागत खंड विकास अधिकारी अनिल कुमार राय ने शुक्रवार को भांवरकोल में खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) का कार्यभार ग्रहण कर लिया। कार्यभार ग्रहण करने के अवसर पर ब्लॉक मुख्यालय पर अधिकारियों, कर्मचारियों तथा ग्राम पंचायतों में तैनात सचिवों ने उन्हें बुके, अंगवस्त्र एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस अवसर पर बीडीओ श्री राय ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से टीम भावना के साथ मिल-जुलकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, विशेषकर गरीबी उन्मूलन एवं ग्रामीण विकास से जुड़ी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पारदर्शी एवं निष्पक्ष तरीके से पहुंचाना सभी की प्राथमिक जिम्मेदारी है।उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को सौंपे गए दायित्वों का ईमानदारीपूर्वक निर्वहन करने तथा जनता की समस्याओं के समाधान में संवेदनशीलता बरतने के निर्देश दिए। साथ ही, आईजीआरएस (एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली) के अंतर्गत प्राप्त शिकायतों का निर्धारित समयावधि में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया।

पूर्व सैनिकों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर होगा निस्तारण-जिलाधिकारी

जिलाधिकारी के अध्यक्षता में जिला सैनिक बंधु की बैठक संपन्न

मऊ, 05 जून (देवव्रत संवाद)। मऊ। जिलाधिकारी आनंद वर्द्धन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों की समस्याओं के निस्तारण हेतु जिला सैनिक बंधु की बैठक हुई। इस दौरान जिलाधिकारी ने पूर्व सैनिकों द्वारा उठाई गई समस्याओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

बैठक में पूर्व सैनिक ओम प्रकाश राय ने बनारस में भूमि लिखाने के नाम पर धनराशि ठगे जाने की शिकायत प्रस्तुत की। रामानंद चौहान ने नाली विवाद, लेखपाल द्वारा कथित अनियमितता तथा रिकॉर्ड रूम में नक्शा उपलब्ध न होने की समस्या रखी। कांति देवी ने खेत तक पहुंचने के लिए मार्ग की मांग की। राम सिंह ने अपने पिता के नाम निर्गत शस्त्र लाइसेंस को अपने नाम स्थानांतरित किए जाने का अनुरोध किया। सुखदेव राम ने खतौनी में नाम संशोधन तथा श्री शिवचंद्र राम ने जिला सैनिक बंधु की नियमित बैठक आयोजित किए जाने की मांग रखी।

इसी प्रकार बृजराज ने अपने मजरे में आवागमन हेतु मार्ग उपलब्ध कराने, छोटे लाल एवं रमापति राम ने धारा-24 के अंतर्गत लंबित पुराने वादों के निस्तारण के साथ पक्की पैमाइश कराने तथा रामाशीष ने अधिग्रहित भूमि के संबंध में अनुदान दिलाए जाने की मांग की। चंद्रपाल सिंह ने जनपद में सीएसडी कैंटीन न होने से संबंधित समस्याओं को उठाया। संतोष कुमार सिंह ने जीवन रेखा हॉस्पिटल के निकट मार्ग पर स्ट्रीट लाइट लगाने, नाली को ढकने तथा पेयजल कनेक्शन उपलब्ध कराने की मांग रखी। इसके अतिरिक्त अन्य पूर्व सैनिकों ने भी विभिन्न व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक समस्याओं से जिलाधिकारी को अवगत कराया। जिलाधिकारी ने सभी पूर्व सैनिकों को आश्वस्त करते हुए कहा कि उनकी शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। भूमि संबंधी विवादों का राजस्व विभाग की टीम द्वारा स्थलीय निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने राजस्व न्यायालयों में वर्षों से लंबित वादों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार की स्थिति स्वीकार्य नहीं है तथा ऐसे मामलों का शीघ्र निस्तारण कराया जाएगा।

जिलाधिकारी ने कहा कि जिला सैनिक बंधु की बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जाएंगी, जिससे पूर्व सैनिकों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने पूर्व सैनिकों से जनसुनवाई कार्यक्रमों में भी अपनी शिकायतें प्रस्तुत करने का आग्रह किया। जिलाधिकारी ने विश्वास दिलाया कि बैठक में प्रस्तुत अधिकांश समस्याओं के निस्तारण का प्रयास अगली बैठक से पूर्व ही कर लिया जाएगा। जिन मामलों का संबंध नीतिगत स्तर से है, उनके समाधान हेतु शासन स्तर पर आवश्यक प्रयास किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि भविष्य में भी पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उनका त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण कराया जाएगा।बैठक में सैनिक कल्याण अधिकारी, विभिन्न विभागों के अधिकारीगण तथा बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक एवं उनके आश्रित उपस्थित रहे।

पीएम स्वनिधि योजना के तहत जून माह में चलेगा विशेष अभियान

मऊ, 05 जून (देवव्रत संवाद)। परियोजना अधिकारी अरविंद कुमार पाण्डेय ठूडा-मऊ ने जानकारी देते हुए बताया कि भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना की पहुंच को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से 1 से 30 जून 26 तक एक माह का विशेष अभियान संघालित किया जाएगा। इस अभियान के माध्यम से अधिक से अधिक फुटपाथ विक्रेताओं को योजना से जोड़कर उन्हें विभिन्न सुविधाओं का लाभ प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभियान को तीन स्तरों पर संचालित किया जाएगा। जनपदस्तर पर ₹स्वनिधि महोत्सव' का आयोजन होगा, जिसमें स्ट्रीट वेंडर्स एवं उनके परिवारों की सफलता की कहानियों और उपलब्धियों का उत्सव मनाने के साथ-साथ योजना के प्रति जागरूकता बढ़ाई जाएगी। नगर निकाय स्तर पर ₹लोक कल्याण मेलों₹ का आयोजन किया जाएगा, जहां ऋण एवं क्रेडिट कार्ड सुविधा, डिजिटल सशक्तिकरण, विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने, बैंकर्स और स्ट्रीट वेंडर्स की बैठकें आयोजित करने सहित आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। वहीं सेंसेस टाउन स्तर पर ₹स्वनिधि कैंप लगाए जाएंगे, जिनमें स्ट्रीट वेंडर्स की पहचान कर उन्हें योजना से जोड़ने और लाभान्वित करने की प्रक्रिया सुनिश्चित की जाएगी। अभियान का मुख्य उद्देश्य पीएम स्वनिधि योजना की उपलब्धियों और सफलता की कहानियों को सामने लाना, बैंकों जनपद प्रशासन एवं मुख्य डिजिटल पार्टनर्स जैसे सभी हितधारकों के साथ समन्वय को मजबूत करना, डिजिटल कृषि समावेशन और वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देना तथा योजना की पहुंच का विस्तार करना है। इसके साथ ही ऐसे स्ट्रीट वेंडर्स तक पहुंच बनाना भी लक्ष्य है जो अभी तक इस योजना का लाभ नहीं ले सके हैं। विशेष अभियान के दौरान लंबित ऋण का वितरण, कल्याणकारी योजनाओं से स्ट्रीट वेंडर्स को जोड़ना, नए ऋण आवेदनों को प्रोत्साहित करना, स्वनिधि से समृद्धि योजना के अंतर्गत छूटे हुए वेंडर्स एवं उनके परिवारों की प्रोफाइलिंग तथा विभिन्न योजनाओं से लिंक करना भी सुनिश्चित किया जाएगा। इसके अलावा द्वितीय ऋण पूरा कर चुके वेंडर्स के लिए क्रेडिट कार्ड आवेदन कराए जाएंगे तथा कार्ड प्राप्त लाभार्थियों को उसके उपयोग का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

यातायात के नियमों का पालन न करने पर 428 वाहनों का चालान, 2 सीज

मऊ, 05 जून (देवव्रत संवाद)। पुलिस अधीक्षक कमलेश बहादुर के निर्देशन में शुक्रवार को जनपद के समस्त थाना क्षेत्रान्तर्गत संदिग्ध व्यक्तियों/वाहनो व यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध व्यापक चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत 36 टीम गठित कर जनपद के 43 स्थानों पर बदल बदलकर लगभग 1450 सदिग्ध वाहनो/व्यक्तियो को चेक किया। जिसमें यातायात के नियमों का पालन न करने पर 428 वाहनों को विभिन्न धाराओ में चालान एवं 02 वाहनों को सीज किया। साथ ही अन्य लोगों को हिदायत भी दी गयी तथा यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु वाहन चालकों को नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया ।पुलिस अधीक्षक नै आमजन से अपील किया है कि वे यातायात नियमों का पालन करें, हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें एवं गलत स्थानो पर पार्किंग नही करे तथा सुरक्षित यातायात में सहयोग प्रदान करें।

पौध रोपण कर,पर्यावरण संरक्षण में बने सहभागी-जिलाधिकारी

मऊ, 05 जून (देवव्रत संवाद)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जनपद में संचालित एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत जिलाधिकारी आनंद वर्द्धन ने अपने निजी आवास तथा वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत चयनित मुख्य कार्यक्रम स्थल बापू इंटर कॉलेज, कोपागंज में पौधारोपण कर जनपदवासियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। स्वच्छ, हरित एवं संतुलित पर्यावरण के निर्माण हेतु प्रत्येक नागरिक को वृक्षारोपण में सक्रिय सहभागिता निभानी चाहिए। उन्होंने जनपदवासियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनके संरक्षण का संकल्प लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि वृक्ष न केवल पर्यावरण को शुद्ध करते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित एवं स्वस्थ भविष्य की आधारशिला भी हैं।

मुख्य कार्यक्रम स्थल बापू इंटर कॉलेज, कोपागंज में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष मनोज कुमार राय एवं

प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) पी.के. पांडेय ने भी पौधारोपण किया। तथा उपस्थित लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का आह्वान किया। डीएफओ ने बताया कि जनपद हेतु इस बार कुल 30 लाख 50 हजार पौधारोपण का लक्ष्य है। जनपद में वनावरण बढ़ाने एवं पर्यावरण संरक्षण को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से आज 3 लाख 77 हजार पौधों के रोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस लक्ष्य की प्राप्ति हेतु विभिन्न विभागों, संस्थाओं एवं जनसामान्य की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। जिलाधिकारी ने ₹एक पेड़ मां के नाम₹ अभियान को जन आंदोलन का स्वरूप देने पर बल देते हुए समस्त सरकारी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से भी बढ़-चढ़कर भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति अपनी माता के सम्मान में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए तथा उसकी देखभाल कर उसे वृक्ष के रूप में विकसित करे। यही प्रकृति एवं मातृशक्ति के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।कार्यक्रम में वन विभाग, जिला प्रशासन एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि तथा स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर डायट में विविध कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

मऊ, 05 जून (देवव्रत संवाद)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट), में जागरूकता बढ़ाने हेतु विविध कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक, संगीत, नृत्य रांगोली एवं वृक्षारोपण जैसे रचनात्मक एवं प्रेरणादायक आयोजन किए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी के उपाध्यक्ष कृष्ण कांत, महामंत्री इन्द्रदेव प्रसाद एवं जिला मंत्री राकेश तिवारी रहे। अतिथियों का स्वागत संस्थान के डॉ संदीप कुमार राय द्वारा किया गया।

इस अवसर पर प्रशिक्षुओं द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, प्लास्टिक के दुष्प्रभाव एवं वृक्षों के महत्व पर प्रभावशाली संदेश दिया गया, जिसे उपस्थित जनसमूह ने सराहा। इसके साथ ही विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत संगीत एवं नृत्य कार्यक्रमों ने कार्यक्रम में उत्साह और जागरूकता का समावेश किया।

मुख्य अतिथि जिला उपाध्यक्ष कृष्ण कांत ने अपने संबोधन में कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है और प्रत्येक व्यक्ति को वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। महामंत्री इन्द्रदेव प्रसाद ने कहा कि युवा पीढ़ी को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना अत्यंत आवश्यक है, जिससे आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित किया जा सके।

जिला मंत्री राकेश तिवारी ने सभी को अधिक से अधिक पेड़ लगाने एवं उनकी देखभाल करने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों एवं प्रतिभागियों द्वारा संस्थान परिसर में वृक्षारोपण किया गया तथा डॉ अंशुमान सिंह द्वारा अतिथियों को पौधा एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया ।इस अवसर पर डायट के प्रवक्ता जावेद आलम,कुलदीप कुमार, नीतू त्रिपाठी, अश्वनी कुमार, सौरव पाठक, संदीप कुमार, रेहान सईद, अरविंद यादव, नवनीत गिरी एवं प्रशिक्षु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन डॉ अंशुमान सिंह जी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करेगा बलिया का सुरहा ताल

बलिया,05जून,(देवव्रत संवाद)। उत्तर प्रदेश के बलिया जनपद स्थित जयप्रकाश नारायण पक्षी विहार (सुरहा ताल) को रामसर साइट घोषित किया गया है। अंतरराष्ट्रीय दर्जा मिलने से इसे वैश्विक पहचान प्राप्त होगी, जिससे विदेशी पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होने की संभावना है। पर्यटकों की सुविधाओं के विकास के लिए उत्तर प्रदेश ईको पर्यटन विकास बोर्ड निरंतर प्रयासरत है। सुरहा ताल के समीप विभिन्न पर्यटक सुविधाएं विकसित की जा रही हैं, ताकि यहां आने वाले आगंतुक एक यादगार अनुभव प्राप्त कर सकें।

उत्तर प्रदेश ईको पर्यटन विकास बोर्ड द्वारा बलिया जनपद के सुरहा ताल के निकट स्थित मैरीटार गांव में 4.99 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से विकास कार्य कराए जा रहे हैं। इस योजना के अंतर्गत ओपन एयर थिएटर, पाथवे, हॉर्टिकल्चर कार्य, साइनेज, चिल्ड्रेन एरिया, मल्टीपर्पज हॉल, घाट विकास, बर्ड वाचिंग टावर, कियोस्क, इंटरप्रिटेशन गैलरी, बेंच तथा अन्य सुविधाओं का विकास किया जा रहा है।

सुरहा ताल आर्द्रभूमि अपनी समृद्ध पक्षी जैव विविधता के लिए प्रसिद्ध है और अनेक प्रवासी तथा स्थानीय पक्षियों का महत्वपूर्ण आवास स्थल है। यह अंतरराष्ट्रीय मान्यता सुरहा ताल को वैश्विक स्तर पर नई पहचान प्रदान करेगी तथा क्षेत्र में विदेशी पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि का मार्ग प्रशस्त करेगी।

इस वर्ष फरवरी से अब तक उत्तर प्रदेश की तीन आर्द्रभूमियों को रामसर साइट का दर्जा प्राप्त हुआ है। फरवरी में एटा स्थित पटना पक्षी विहार, अप्रैल में अलीगढ़ स्थित शेखा पक्षी विहार तथा अब सुरहा ताल को रामसर स्थल के रूप में अधिसूचित किया गया है। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 'नए रामसर स्थलों की अधिसूचना से इन क्षेत्रों में घरेलू के साथ-साथ विशेष रूप से विदेशी पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, जिससे स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उन्होंने आगे कहा कि प्रदेश में आर्द्रभूमियों के संरक्षण की यह पहल न केवल जैव विविधता संरक्षण को सुदृढ़ करेगी, बल्कि प्रवासी पक्षियों के संरक्षण, जल सुरक्षा, पारिस्थितिक संतुलन तथा स्थानीय समुदायों की आजीविका को भी सशक्त बनाएगी। राज्य सरकार आर्द्रभूमियों के संरक्षण एवं प्रबंधन को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।'

रामसर कन्वेंशन आर्द्रभूमियों के संरक्षण एवं उनके सतत उपयोग के लिए स्थापित एक अंतरराष्ट्रीय संधि है, जिसकी शुरूआत वर्ष 1971 में ईरान के रामसर शहर में हुई थी। इसका उद्देश्य वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण आर्द्रभूमियों की पहचान कर उन्हें रामसर साइट के रूप में नामित करना तथा उनके संरक्षण और प्रबंधन को सुदृढ़ बनाना है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर एक पेड़ मां के नाम 3.0 के तहत वन बिहार में वृक्षारोपण

बलिया,05जून,(देवव्रत संवाद)। विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के अवसर पर एक पेड़ मां के नाम 3.0 अभियान के अंतर्गत जीराबस्ती स्थित वन बिहार में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष संजय मिश्रा, राज्य महिला आयोग की सदस्य सुनीता श्रीवास्तव, जिला प्रोबेशन अधिकारी डॉ. अमरेंद्र कुमार पौत्स्यायन, प्रभागीय निदेशक पृथ्वीराज सहित अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। जिलाध्यक्ष संजय मिश्रा ने बताया कि जनपद में लगभग छह लाख वृक्षारोपण का लक्ष्य निर्धारित है और उन्होंने सभी से अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनकी देखभाल की अपील की। राज्य महिला आयोग की सदस्य सुनीता श्रीवास्तव ने वृक्षों को जीवन के लिए लाभदायक बताते हुए हर व्यक्ति से कम से कम एक पौधा लगाने का आह्वान किया। जिलाधिकारी ने कहा कि पूरे जनपद में विशेष अभियान चलाकर वृक्षारोपण किया जा रहा है और जिले को 6 लाख 16 हजार पौधरोपण का लक्ष्य मिला है जिसे जनसहभागिता से पूरा किया जाएगा। उन्होंने तहसील, ब्लॉक व ग्राम पंचायत स्तर पर भी वृक्षारोपण की जानकारी देते हुए ₹पेड़ लगाएं, पर्यावरण बचाएं, जीवन बचाएं और भविष्य संवारें₹ का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम में मौजूद अधिकारियों, कर्मचारियों व नागरिकों ने पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के लिए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का संकल्प लिया।

किसी भी प्रकार की लापरवाही पर होगी कार्रवाई, सुचितापूर्ण ढंग से संपन्न कराएं परीक्षा - जिलाधिकारी

मऊ, 05 जून (देवव्रत संवाद)। जनपद में आगामी 08, 09 एवं 10 जून, 2026 को आयोजित होने वाली आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती परीक्षा-2025 को सकुशल, शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पूर्ण पारदर्शिता के साथ संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी आनंद वर्द्धन ने पुलिस लाइन सभागार में केंद्र व्यवस्थापकों,सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट तथा परीक्षा से जुड़े अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि पुलिस भर्ती परीक्षा की शुचिता एवं पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता है ।परीक्षा आयोजन में लगे सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपने दायित्वों का पूर्ण निष्ठा, सतर्कता एवं जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करें ।उन्होंने परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही, शिथिलता अथवा अनियमितता किसी भी स्तर पर पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी।

जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद के कुल 19 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा का आयोजन दो पालियों में किया जाएगा। प्रत्येक पाली में 8,256 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। प्रथम पाली की परीक्षा प्रातः 10:00 बजे से 12:00 बजे तक तथा द्वितीय पाली की परीक्षा अपराह्न 03:00 बजे से 05:00 बजे तक आयोजित होगी।

उन्होंने सभी सेक्टर मजिस्ट्रेटों को निर्देशित किया कि परीक्षा केंद्रों का पूर्व निरीक्षण कर आवश्यक

व्यवस्थाओं का सत्यापन कर लें तथा परीक्षा अवधि में निरंतर भ्रमणशील रहकर व्यवस्थाओं की निगरानी सुनिश्चित करें ।परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा, अभ्यर्थियों की प्रवेश व्यवस्था, पेयजल, विद्युत, बैठने की व्यवस्था एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं को समय से सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में पुलिस अधीक्षक ने परीक्षा की सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश दिए ।उन्होंने कहा कि परीक्षा को नकलविहीन एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने हेतु पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी तथा सभी अधिकारी उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करें।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि परीक्षा की गोपनीयता एवं निष्पक्षता बनाए रखने के लिए सभी निर्धारित प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन किया जाए। किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि अथवा नियमों के उल्लंघन की सूचना मिलने पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई की जाएगी।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रूप से निर्देशित किया कि परीक्षा आयोजन से जुड़े सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपने दायित्वों के प्रति पूर्णतः सजग रहें तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में संबंधित प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी, सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट तथा परीक्षा व्यवस्था से जुड़े अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

व्यापार कल्याण समिति इकाई भंग

रसड़ा ,बलिया,05जून,(देवव्रत संवाद)। समिति के अध्यक्ष मुहम्मद युनूस ने अपने अधिकार का प्रयोग करते हुए समिति को आज दिनांक 6 जून को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया है। उन्होंने कहा कि संगठन को गतिशील बनाने एवं कार्यकारिणी के पुनर्गठन करने हेतु कार्यसमिति कसमिति द्वारा नगर के व्यापारियों में सदस्यता अभियान चलाकर नये सदस्य बनाए जायेंगे, तत्पश्चात नई कार्यसमिति का पुनर्गठन कर उनमें से सर्वसम्मति से चयन कर महत्वपूर्ण पदों पर मनोनयन किया जाएगा ताकि समिति नये जोश के साथ अधिकारियों तथा व्यापारियों के बीच समन्वय स्थापित कर व्यापार एवं व्यापारी हित में कार्य कर सकें।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर 35वर्षीय व्यक्ति की मृत्यु

रसड़ा ,बलिया,05जून,(देवव्रत संवाद)। स्थानीय रोडवेज के समीप बुधवार की देर रात किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आकर बाइक सवार हलुवाई की मृत्यु हो गई। नगर के प्यारेलाल चौराहा निवासी गोपालजी के 35 वर्षीय पुत्र काजू बुधवार को नगरा से किसी मांगलिक उत्सव में खाना बनाकर बाइक से घर लौट रहे थे तभी स्थानीय रोडवेज से होकर घर आते समय सामने से आ रही किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मारते हुए भाग निकली। गंभीर स्थिति में सड़क पर पड़े युवक को रसड़ा सीएचसी पहुंचाया गया जहां उपचार के दरम्यान उनकी मौत हो गई। युवक की मौत की भनक लगते ही स्वजनों में मातम छा गया।

एसपी बलिया ने ली शुक्रवार परेड की सलामी, जवानों को कराया दंगा नियंत्रण का अभ्यास

बलिया,05जून,(देवव्रत संवाद)। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने शुक्रवार को रिजर्व पुलिस लाइन बलिया में साप्ताहिक परेड की सलामी ली। इस दौरान जवानों की शारीरिक व मानसिक फिटनेस के लिए दौड़ लगवाई गई और टोलीवार ड्रिल का निरीक्षण कर अनुशासन व एकरूपता के निर्देश दिए। एसपी ने जवानों के साथ स्वयं भी दौड़ लगाई। परेड में एकरूपता बनाए रखने के लिए टोलीवार ड्रिल कराई गई और बेहतर संचालन के लिए संबंधित को दिशा-निर्देश दिए। आपात स्थिति से निपटने के लिए दंगा नियंत्रण उपकरणों के साथ अभ्यास कराया गया। एसपी ने थानों में उपलब्ध दंगा नियंत्रण उपकरणों, फर्स्ट ऐड किट आदि का निरीक्षण कर उनकी नियमित साफ-सफाई व समुचित देख-रेख के निर्देश दिए। परेड के दौरान एएसपी उत्तरी दिनेश कुमार शुक्ला, एएसपी दक्षिणी संजय वर्मा सहित समस्त क्षेत्राधिकारी व अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री के 54 वें जन्मदिन पर निःशुल्क प्याऊ का किया उद्घाटन

इंदारा (मऊ), 05 जून (देवव्रत संवाद)। कोपागंज ब्लाक क्षेत्र के इंदारा बाजार में शिव मंदिर के प्रांगण में शुक्रवार की सुबह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 54वें जन्मदिन के अवसर पर हिन्दू युवा वाहिनी व मां सरस्वती सेवा ट्रस्ट द्वारा पौधा रोपण व निःशूल्क प्याऊ का स्टाल लगाकर राहगीरों को ठंडा पानी पिलाकर मनाया। इस दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ के दीघार्यु होने की कामना भी की गई। हिन्दू युवा वाहिनी के कार्यकर्ता व अभिषेक सिंह विक्की ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी प्रदेश के मुखिया और हम लोगो के परम पूज्य योगी आदित्यनाथ के 54वें जन्मदिन के अवसर पर भीषण गर्मी के चलते क्षेत्र में आने जाने वाले राहगीरों को पानी पीने के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। इसलिए निःशूल्क प्याऊ का आयोजन किया गया। निः शूल्क प्याऊ का उद्घाटन घोसी के पूर्व विधायक विजय राजभर ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से पूर्व विधायक घोसी विजय राजभर अभिषेक सिंह बिक्की,विवेक सिंह,मनीष पांडेय,अजय राय,दीर्गविजय राय, धर्मवीर सिंह, बबलू शाही, बबलू यादव,विजय बहादुर सिंह, अभिजीत सिंह,चंदन गुप्ता, हिमांशु गुप्ता,दिलीप,आदि समेत दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पिता की हत्या के मामले में पुत्र और पोता को कठोर आजीवन कारावास की सजा

मऊ, 05 जून (देवव्रत संवाद)। जिला एवं सत्र न्यायाधीश संजय कुमार यादव ने जमीन के बंटवारे के विवाद को लेकर पिता की हत्या कर शव घर मे छुपाने के मामले में आरोपी पुत्र और पोता को दोषी पाते हुए कठोर आजीवन कारावास की सजा के साथ ही कुल 35 - 35 हजार रुपए अर्थदंड लगाया। अर्थदंड न देने पर 1-1 वर्ष का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। वही अर्थदंड जमा हो जाने पर आधी धनराशि वादी मुकदमा को देने का आदेश दिया। मामला हलधरपुर थाना क्षेत्र के मऊ कुबेर गांव का है। अभियोजन के अनुसार हलधरपुर थाना क्षेत्र के मऊ कुबेर गांव निवासी राजा प्रताप चौहान पुत्र रामबृक्ष चौहान की तहरीर पर एफआईआर दर्ज हुई। इसमें गांव के ही मुराली चौहान पुत्र रामबृक्ष चौहान और उपेंद्र चौहान पुत्र सुभाष चौहान आदि को नामजद किया। वादी का कथन था कि वह तीन भाई हैं, उसके पिता अपना हिस्सा लगाते हुए तीनों भाइयों को अलग-अलग कर जमीन का बंटवारा कर दिए। जमीन बटवारे को लेकर उसका भाई मुराली चौहान पुत्र रामवृक्ष चौहान और उपेंद्र चौहान पुत्र सुभाष चौहान आदि बराबर विवाद करते रहते थे। आरोप है कि 6 दिसंबर 20 को उसका भाई मुराली चौहान और भतीजा उपेंद्र चौहान उसके पिता रामवृक्ष चौहान की हत्या कर शव को बोरी मे भरकर मुराली चौहान घर मे छुपा दिया। खोजबीन करते हुए उसके पिता नहीं मिले तो पुलिस को सूचना दिया, पुलिस आई तो उसके पिता का शव मुराली चौहान के मकान में बोरे मे मिला। पुलिस ने विवेचना के बाद आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया। न्यायालय में अभियोजन की ओर से पैरवी करते हुए एडीजीसी फौजदारी धीरेंद्र प्रताप सिंह ने कुल 12 गवाहों को न्यायालय में पेश कर अभियोजन का पक्ष रखा। बचाव पक्ष से कहां गया कि उन्हें झूठा फंसाया गया है। जिला जज ने दोनों पक्षों के तर्कों को सुनने तथा पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों का अवलोकन करने के बाद आरोपीगण मुराली चौहान और उपेंद्र चौहान को हत्या और साक्ष्य मिटाने के मामले में दोषी पाया। दोषी पाए जाने के बाद दोनों को हत्या के मामले में कठोर आजीवन कारावास की सजा के साथ ही 30-30 हजार रुपया अर्थदंड लगाया। वही साक्ष्य मिटाने के मामले में तीन- तीन वर्ष के कठोर कारावास की सजा के साथ ही 5-5 हजार रुपए अर्थदंड लगाया। अर्थदंड न देने पर एक-एक वर्ष का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। वही अर्थदंड जमा हो जाने पर आधी धनराशि वादी मुकदमा को देने का आदेश दिया।

अरशद जमाल ने पर्यावरण संरक्षण हेतु पौधरोपण का दिया संदेश, कहा नगर के विकास पर खास नजर

मऊ, 05 जून (देवव्रत संवाद)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर पालिका परिषद में एक विशिष्ट बैठक हुई। इस बैठक में सालिड वेस्ट मैनेजमेंट (ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, 2026) को लेकर विस्तार से चर्चा हुयी। चर्चा से पूर्व नवागन्तुक अधिशासी अधिकारी डा. मणि भूषण तिवारी एवं बोर्ड के सम्मानित सभासदगण के साथ परिचय हुआ। बैठ में मौजूद सदस्यों एवं अधिशासी अधिकारी ने अपनी प्रत्याशाओं को एक दूसरे से साझा किया। बैठक में उ0प्र0 के मुख्यमंत्री मा0 योगी आदित्यनाथ जी के जन्मदिन पर उन्हें कोटिशः बधाई दी गयी। बैठक के उपरान्त बन्धे के पास सेल्फी प्वाइंट पर पौधरोपड़ किया ।इस अवसर पर पालिकाध्यक्ष अरशद जमाल ने आमजन को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने हेतु विशेष संदेश दिया। उन्होंने कहा कि विश्व भर में पर्यावरण को सुरक्षित बनाने हेतु हमें संयुक्त रूप से नितांत आवश्यक कमद उठाना है। उन्होंने पर्यावरण को संरक्षित करने वाले सभी उपायों पर अमल करने एवं विशेष रूप से सार्वजनिक स्थलों पर पौधरोपण करने की प्रेरणा दी।

दैनिक देवव्रत
www.dainikdevvrat.in
हिन्दी दैनिक, आजमगढ़
शनिवार, 06 जून, 2026

एंबुलेंस-टैंपो की टक्कर में महिला समेत दो लोगों की मौत, कई घायल

बरदह थाना क्षेत्र के देवगांव–जिवली मार्ग पर हुआ हादसा

बरदह, 05 जून (देवव्रत संवाद)। बरदह थाना क्षेत्र के देवगांव–जिवली मार्ग पर शुक्रवार को हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। हादसा राजेपुर हदीसा गांव के मोड़ के पास उस समय हुआ, जब सवारी टैंपो और निजी मारुति एंबुलेंस की आमने–सामने टक्कर हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी तेज थी कि टैंपो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार यात्रियों में चीख–पुकार मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरदह पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने उपचार के दौरान सुनीता मिश्रा (50) पत्नी इंद्र प्रकाश निवासी गोडहरा तथा अंगद (24) पुत्र जयकिशुन निवासी कुड़ियर को मृत घोषित कर दिया। हादसे में गंभीर रूप से घायल टैंपो चालक रुस्तम को प्राथमिक उपचार के बाद वाराणसी ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया, जबकि एक अन्य घायल महिला कमला देवी को बेहतर इलाज के लिए जौनपुर भेजा गया। बताया गया कि सुनीता मिश्रा बैंक संबंधी कार्य से गोसाईंगंज जा रही थीं। उनके पति विदेश में नौकरी करते हैं। परिवार में दो पुत्र और दो पुत्रियां हैं, जिनका विवाह हो चुका है। वहीं अंगद अपने घर से दवा लेने देवगांव जा रहा था। वह अपने माता–पिता का इकलौता पुत्र था। हादसे की सूचना मिलते ही दोनों परिवारों में मातम छा गया। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। घटना की जानकारी मिलते ही बरदह पुलिस मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर यातायात बहाल कराया। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। थानाध्यक्ष राजीव कुमार सिंह ने बताया कि मृतका के पुत्र की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। एंबुलेंस चालक की पहचान और तलाश की जा रही है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

बच्चों के खेल का विवाद हिंसक झड़प में बदला 8 वर्षीय बालक गंभीर रूप से घायल

आजमगढ़, 05 जून (देवव्रत संवाद)। बच्चों के बीच खेल के दौरान हुआ मामूली विवाद गुरुवार शाम हिंसक रूप ले बैठा। आरोप है कि विवाद के बाद तीन लोगों ने एक 8 वर्षीय बालक की पिटाई कर दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल बालक का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कस्बा निवासी रिंकू सोनी का पुत्र आयुष सोनी (8 वर्ष) गुरुवार शाम लगभग छह बजे ढोड़ई दास की कुटी के पास अन्य बच्चों के साथ खेल रहा था। इसी दौरान किसी बात को लेकर उसकी दूसरे समुदाय के एक बच्चे से कहासुनी हो गई। परिजनों के अनुसार बच्चों के बीच हुए विवाद की जानकारी मिलने पर बादशाह पुत्र मंसूर, करीम पुत्र मंसूर तथा मंसूर पुत्र महबूब मौके पर पहुंच गए। आरोप है कि तीनों ने मिलकर बालक के साथ मारपीट की। पीड़ित परिवार का कहना है कि मारपीट में आयुष को शरीर के कई हिस्सों में चोटें आईं, जबकि उसके गुप्तांग में भी गंभीर चोट लगी, जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। घटना की सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और घायल बालक को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रानीपुर ले गए। वहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वर्तमान में जिला अस्पताल में चिकित्सकीय निगरानी में बालक का इलाज जारी है। घटना के बाद परिजनों ने आरोपितों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस को मामले की सूचना दे दी गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है और तथ्यों के अनुसार आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

बिजली संकट, महंगी दरों और स्मार्ट मीटर के विरोध में आम आदमी पार्टी का प्रदर्शन

आजमगढ़, 05 जून (देवव्रत संवाद)। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह के निर्देश पर आम आदमी पार्टी आजमगढ़ इकाई ने प्रदेश में व्याप्त बिजली संकट, अघोषित कटौती, महंगी बिजली दरों तथा स्मार्ट मीटर की कथित गड़बड़ियों के विरोध में प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजेश यादव की उपस्थिति तथा जिलाध्यक्ष रविन्द्र यादव के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारियों को सौंपा। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष राजेश यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार चौबीस घंटे बिजली आपूर्ति के दावे करती है, लेकिन जमीनी स्तर पर लगातार बिजली कटौती हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटर व्यवस्था में भी कई अनियमितताएं सामने आ रही हैं, जिससे उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो पार्टी आंदोलन तेज करने को बाध्य होगी। जिलाध्यक्ष रविन्द्र यादव ने कहा कि भीषण गर्मी के बीच प्रदेश की जनता बिजली संकट से जूझ रही है। कई स्थानों पर लंबे समय तक बिजली आपूर्ति बाधित रहने से आम नागरिकों, किसानों, व्यापारियों, छात्रों और कर्मचारियों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि महंगी बिजली दरें चुकाने के बावजूद लोगों को पर्याप्त और निर्बाध बिजली नहीं मिल पा रही है। प्रदेश उपाध्यक्ष कृपाशंकर पाठक ने कहा कि बिजली व्यवस्था की खामियों के कारण कई गंभीर घटनाएं सामने आ रही हैं। उन्होंने बाराबंकी में बिजली न होने के कारण हुई एक दर्दनाक घटना का उल्लेख करते हुए इसकी उच्चस्तरीय जांच तथा पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग की। जिला उपाध्यक्ष अनिल यादव ने कहा कि जनता बिजली, पानी और अन्य बुनियादी सुविधाओं की मांग कर रही है, लेकिन सरकार समस्याओं के समाधान के बजाय अन्य मुद्दों में व्यस्त दिखाई दे रही है। इस अवसर पर सभाजीत यादव, दिनेश कुमार यादव, अभिषेक राजभर, संजय राय, शाहिद, रामसतन पटेल, राकेश मौर्य, सोनू यादव, हरेंद्र यादव, पदम चौहान, रूपेश विश्वकर्मा, रमेश मौर्य, तफसीर आलम, इसरार अहमद, शरद चंद्र राघव, गीतांजलि राघव, पीयूष यादव, रामरूप यादव, बाबूराम यादव, इंद्रेश यादव, दिनेश यादव, कमलेश यादव, एमपी यादव, राजमन यादव, कालीमुर्रहमान, आशीष मौर्य, जीवन ज्योति, नूरुजमा, छोटेलाल, अमरनाथ यादव, संजय यादव, उमेश यादव, राम प्रसाद यादव, ओम प्रकाश, सुरेश सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बारात में रिश्तेदार बनकर 55 हजार रुपये की चोरी करने के आरोप में गिरफ्तार

पवई, 05 जून (देवव्रत संवाद)। थाना पवई पुलिस ने शादी समारोह के दौरान रिश्तेदार बनकर घर में घुसकर नकदी चोरी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी के 50 हजार रुपये नकद, एक अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। पुलिस के अनुसार थाना पवई क्षेत्र के ग्राम रैदा निवासी शैलेश पुत्र पारसनाथ ने 3 जून 2026 को तहरीर देकर बताया था कि 2 जून को उनके यहां लालगंज से बारात वापस आई थी। शादी समारोह के दौरान परिवार के सदस्य विभिन्न कार्यक्रमों में व्यस्त थे। इसी बीच एक अज्ञात व्यक्ति रिश्तेदार बनकर घर में मौजूद रहा और मौका पाकर कमरे में रखा 55 हजार रुपये नकद से भरा बैग चोरी कर पल्सर मोटरसाइकिल से फरार हो गया।

तहरीर के आधार पर थाना पवई में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। घटना के खुलासे के लिए पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर तंत्र की मदद से जांच आगे बढ़ाई। विवेचना के दौरान आरोपी राहुल पुत्र गिरीश निवासी चालाकपुर, थाना रौनापार का नाम प्रकाश में आया। शुक्रवार तड़के उपनिरीक्षक विशाल चक्रवर्ती एवं उनकी टीम ने मुखबिर की सूचना पर रैदा मोड़ के पास घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से चोरी के 50 हजार रुपये बरामद हुए। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने शादी समारोह में रिश्तेदार बनकर प्रवेश किया था और मौका पाकर नकदी से भरा बैग चुरा लिया था। उसने बताया कि चोरी की रकम में से 5 हजार रुपये खर्च कर चुका है। पुलिस ने बताया कि तलाशी के दौरान आरोपी के पास से एक अवैध .315 बोर तमंचा और एक जिंदा कारतूस भी बरामद हुआ। इस संबंध में आरोपी के विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत अलग से मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस अभिलेखों के अनुसार आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी चोरी से संबंधित मुकदमे दर्ज हैं। आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक विशाल चक्रवर्ती, कांस्टेबल अनुराग यादव, विकास यादव, संजीव यादव एवं वीरेन्द्र यादव शामिल रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर लिया संरक्षण का संकल्प

हरित भविष्य का संकल्प, प्रकृति संरक्षण का सतत् प्रयास–डीएम

आजमगढ़, 05 जून (देवव्रत संवाद)। विश्व पर्यावरण दिवस एवं वन महोत्सव, वृक्षारोपण महाअभियान–2026 के शुभारम्भ अवसर पर प्रधानमंत्री के एक पेड़ मॉ के नाम आह्वान व मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में 05 जून को एक दिन में 05 करोड़ वृक्षारोपण लक्ष्य के अन्तर्गत जनपद में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार के मार्गदर्शन में 09 लाख वृक्षारोपण का लक्ष्य सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया। सामाजिक वानिकी प्रभाग, आजमगढ़ द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस–2026, जिसका थीम है–"प्रकृति से प्रेरित, जलवायु के लिए, हमारे भविष्य के लिए" आधारित वृक्षारोपण का जनपदीय कार्यक्रम बड़ैला ताल, गंभीरवन में मा0 सदस्य विधान परिषद विजय बहादुर पाठक, जिलाध्यक्ष ध्रुव कुमार सिंह, जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार, मुख्य विकास अधिकारी परीक्षित खटाना, डीएफओ आकांक्षा जैन, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सिद्धार्थ सिंह व उपस्थित छात्र–छात्राओं, जनमानस ने "एक पेड़ मॉ के नाम" अन्तर्गत वृक्षारोपण कर पर्यावरणीय संचेतना का संदेश दिया। कार्यक्रम स्थल पर आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता के प्रथम तीन विजेता– श्वेता यादव, अंजलि चौहान, करीना यादव तथा भाषण प्रतियोगिता के प्रथम तीन विजेता–रिया यादव, गोल्डी यादव व आयुषी पाल को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया तथा पर्यावरण जागरूकता पर दिये गये उनके विचारों व संदेशों की सराहना की गयी। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार ने अपनी मॉ के नाम एक पेड़ लगाते हुए स्वच्छ पर्यावरण के संकल्प के साथ हरित भविष्य के आधार को तय किया। उन्होने स्वच्छ वायु, जल संरक्षण, जैव विविधता, संवर्धन एवं वृक्षारोपण को जन भागीदारी से जोड़ते हुए पर्यावरण संरक्षण को जन आन्दोलन बनाने पर जोर दिया। उन्होने कहा कि जल है तो कल है, वन है तो जीवन है। वैदिक श्लोक– माता भूमिः पुत्रोहम् पृथिव्याः, का जिक्र करते हुए बताया कि प्रत्येक भारतीय इस भावना को आत्मसात करता है कि हम सब धरती माता की संतान हैं। प्राचीन भारत से ही हमारे संस्कारों में हमें प्रकृति के प्रति श्रद्धा व संरक्षण का संदेश दिया है।

'एक पेड़ मां के नाम' का दिया संदेश

सठियांव, 05 जून (देवव्रत संवाद)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विकास खंड सठियांव क्षेत्र की ग्राम पंचायत शाहगढ़ में पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ जलवायु के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया गया। शासन की महत्वाकांक्षी पहल 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत साधन सहकारी समिति परिसर एवं शाहगढ़– समेंदा मार्ग के किनारे छायादार और फलदार पौधे रोपे गए। इस दौरान ग्राम प्रधान सरोज मौर्य ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधरोपण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे इस वर्ष अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनके संरक्षण का भी संकल्प लें, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और हरित वातावरण मिल सके। वृक्षारोपण अभियान में शामिल लोगों ने पौधों की नियमित देखभाल और संरक्षण का संकल्प लिया। ग्राम पंचायत अधिकारी ज्ञानदीप ने कहा कि पेड़ न केवल पर्यावरण को संतुलित रखते हैं, बल्कि मानव जीवन के लिए आवश्यक ऑक्सीजन प्रदान करने के साथ–साथ जल संरक्षण और जैव विविधता को भी बढ़ावा देते हैं। इस अवसर पर ग्राम पंचायत अधिकारी ज्ञानदीप, रोजगार सेवक बृजेश गुप्ता, पंचायत सहायक रेखा विश्वकर्मा, राजेंद्र, मान सिंह, नेहाल, पतिराम, हरिद्वार सहित अन्य लोग मौजूद रहें ।

काम पर आने से मना करने पर युवक पर जानलेवा हमला, आरोपी गिरफ्तार

फूलपुर, 05 जून (देवव्रत संवाद)। फर्नीचर की दुकान पर काम करने से मना करने पर एक युवक पर हमला कर गंभीर रूप से घायल करने के मामले में फूलपुर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त लकड़ी का डंडा भी बरामद किया है। पुलिस के अनुसार ग्राम जगदीशपुर निवासी अखिलेश विश्वकर्मा पुत्र गणपति विश्वकर्मा ने थाना फूलपुर में तहरीर देकर बताया कि स्वास्थ्य ठीक न होने के कारण उन्होंने स्थानीय फर्नीचर व्यवसायी तबरेज आलम उर्फ मुन्ना की दुकान पर काम करने से मना कर दिया था। आरोप है कि इसी बात से नाराज होकर तबरेज आलम ने गाली–गलौज शुरू कर दी और दुकान में रखा लकड़ी का डंडा उठाकर उनके सिर पर हमला कर दिया, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। पीड़ित की तहरीर के आधार पर थाना फूलपुर में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। मामले की जांच के दौरान उपनिरीक्षक कमालुद्दीन खान पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में मौजूद थे। इसी क्रम में शुक्रवार को जगदीशपुर पुलिया से आगे सरायमीर रोड स्थित सहारा फर्नीचर के पास से आरोपी तबरेज आलम उर्फ मुन्ना पुत्र सलमान निवासी ग्राम जगदीशपुर, थाना फूलपुर को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त लकड़ी का डंडा भी बरामद कर लिया है। आरोपी के विरुद्ध दर्ज मुकदमे में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

तमसा परिवार ने किया पौधरोपण

आजमगढ़, 05 जून (देवव्रत संवाद)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर होबर्ट स्कूल, बदरका में तमसा परिवार आजमगढ़ एवं ब्रेनोब्रेन टीम के संयुक्त तत्वावधान में वृक्षारोपण एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला प्रोबेशन अधिकारी सुबोध कुमार सिंह रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ पौधारोपण के साथ हुआ। इस दौरान उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण तथा हरियाली बढ़ाने का संकल्प लिया। मुख्य अतिथि सुबोध कुमार सिंह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक की सतत जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया।

पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने की जरूरत

आजमगढ़, 05 जून (देवव्रत संवाद)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राजनीति विज्ञान विभाग, शिब्ली नेशनल कॉलेज, आजमगढ़ द्वारा वृक्षारोपण एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एम.ए. अंतिम वर्ष के छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए पौधारोपण किया तथा पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के निर्माण का संकल्प लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षाता विभागाध्यक्ष डॉ. शफीउज्जमां ने की। इस अवसर पर डॉ. जफर आलम एवं डॉ. शफकत उस्मानी भी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. सुजीत कुमार श्रीवास्तव ने कार्यक्रम में सहभागिता की। प्रो. सुजीत कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच वृक्षारोपण पर्यावरण संरक्षण का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा उनके संरक्षण का आह्वान किया। विभागाध्यक्ष डॉ. शफीउज्जमां ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि इसे जन–आंदोलन का स्वरूप देने की आवश्यकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से पौधारोपण के साथ–साथ पौधों की नियमित देखभाल करने का भी आग्रह किया। कार्यक्रम में गुलाम रसूल, अनिल चौरसिया, दिव्यशक्ति कुमार गौतम, सत्यम प्रजापति, सुखविंदर यादव, नम्रता सिंह, शिवांगी सिंह, डिम्पल यादव, अंजली चौधरी, मीना, सृष्टि, मिताली, शिफा, आदित्य, राज, गीता, अनुपमा मिश्रा, पूजा, नेहा, अनिल चौहान, आकाश, शिवानी, हरिद्वार यादव, अखिल, रेशम, शमा, मोहम्मद आजम, आलोक सहित बड़ी संख्या में छात्र–छात्राओं ने सहभागिता की।

बुढ़ऊ बाबा मंदिर के समीप पौधे लगाकर किया जागरूक

लालगंज, 05 जून (देवव्रत संवाद)। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से चलाए जा रहे वृहद वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत पूरे प्रदेश में की गई। इसी क्रम में वन रेंज लालगंज के रेंज अधिकारी निखिल द्विवेदी के नेतृत्व में देवगांव गांगी नदी के किनारे बुढ़ऊ बाबा मंदिर के समीप वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वन विभाग के वन दरोगा सहित विभागीय कर्मचारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता कमलेश सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष रजनीकांत तिवारी, शिवसागर बरनवाल सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

व्हाट्सएप डीपी लगाकर की गई साइबर ठगी में पीड़ित को वापस मिले 30 हजार

आजमगढ़, 05 जून (देवव्रत संवाद)। व्हाट्सएप पर परिचित व्यक्ति की प्रोफाइल फोटो (डीपी) लगाकर की गई साइबर ठगी के मामले में आजमगढ़ पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पीड़ित को उसकी पूरी धनराशि वापस दिला दी। पुलिस की सतर्कता और साइबर हेल्प डेस्क की सक्रियता के चलते 30 हजार रुपये की ठगी गई रकम पीड़ित के खाते में वापस पहुंचाई गई। पुलिस के अनुसार थाना बरदह क्षेत्र के बैरी गांव निवासी सुनील कुमार पुत्र जियालाल के व्हाट्सएप पर 24 अक्टूबर 2025 को एक अज्ञात व्यक्ति ने उनके परिचित की डीपी लगाकर संपर्क किया। आरोपी ने विश्वास में लेकर 30 हजार रुपये अपने खाते में ट्रांसफर करा लिए। बाद में ठगी का पता चलने पर पीड़ित ने राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत प्राप्त होते ही थाना बरदह की साइबर हेल्प डेस्क ने तत्काल कार्रवाई करते हुए संबंधित बैंक खाते में ट्रांसफर की गई धनराशि को होल्ड करा दिया। इसके बाद आवश्यक विधिक प्रक्रिया पूरी कर तथा न्यायालय से फंड रिलीज ऑर्डर प्राप्त होने के उपरांत संबंधित बैंक के नोडल अधिकारी से समन्वय स्थापित कर पीड़ित के खाते में 30 हजार रुपये की पूरी राशि वापस करा दी गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान समय में साइबर अपराधी नए–नए तरीकों से लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। व्हाट्सएप पर परिचित या रिश्तेदार की डीपी लगाकर पैसे मांगना, फर्जी कस्टमर केयर नंबर के माध्यम से ठगी, केवाईसी अपडेट कराने के नाम पर धोखाधड़ी, फर्जी लिंक भेजकर बैंकिंग जानकारी हासिल करना तथा सोशल मीडिया अकाउंट हैक कर धन की मांग करना साइबर अपराधियों के सामान्य तरीके हैं। आजमगढ़ पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी व्यक्ति द्वारा फोन, व्हाट्सएप या सोशल मीडिया के माध्यम से धन की मांग किए जाने पर उसकी पहचान की पुष्टि अवश्य करें। किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें और ओटीपी, सीवीवी, यूपीआई पिन या बैंकिंग संबंधी गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा न करें।

खिलाड़ियों ने लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

निजामाबाद, 05 जून (देवव्रत संवाद)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को भगत सिंह खेल अकादमी, निजामाबाद के प्रांगण में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व अकादमी संचालक एवं राष्ट्रीय पहलवान अमरजीत यादव ने किया। इस दौरान खिलाड़ियों एवं उपस्थित लोगों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। अमरजीत यादव ने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए स्वच्छ और संतुलित पर्यावरण का होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसकी देखभाल कर उसे वृक्ष बनने तक सुरक्षित रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका संरक्षण भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी कहा कि वृक्ष धरा के भूषण हैं और प्रदूषण को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यदि प्रत्येक व्यक्ति पौधारोपण और संरक्षण का संकल्प ले तो पर्यावरण को स्वच्छ एवं सुरक्षित बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में हंसराज यादव, चन्द्रदेव यादव, अरविंद यादव, संतोष, डॉ. आदित्य सिंह, रामप्रवेश, मिथिलेश, चन्द्रशेखर, आर्यन सहित अकादमी के सभी खिलाड़ी एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

पुलिस लाइन में चला 'एक पेड़ माँ के नाम' महाभियान

विआजमगढ़, 05 जून (देवव्रत संवाद)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को 'एक पेड़ माँ के नाम' महाभियान के अंतर्गत पुलिस लाइन परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रदेशव्यापी अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास एवं प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन के प्रति जन–जागरूकता बढ़ाना तथा अधिक से अधिक लोगों को वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करना रहा।

कार्यक्रम में पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) आजमगढ़ परिक्षेत्र सुनील कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक नगर मधुवन कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण चिराग जैन, क्षेत्राधिकारी नगर, क्षेत्राधिकारी सदर सहित अन्य पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण किया। इस दौरान अधिकारियों ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और वृक्षों के संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लिया। अधिकारियों ने कहा कि वृक्ष पृथ्वी के पर्यावरणीय संतुलन, स्वच्छ वायु, जल संरक्षण तथा मानव जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण आवश्यक है। उन्होंने लोगों से अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाने तथा उसके संरक्षण की जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली और जनसामान्य से भी हरित, स्वच्छ एवं समृद्ध समाज के निर्माण में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की। पुलिस विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के साथ–साथ वृक्षारोपण को जनआंदोलन बनाने पर भी बल दिया गया।